जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 8 अक्टूबर, 2023

दिवाली का
सबसे बड़ा
धमाका

रेट में होगा पूरे
10 लाख का इजाफा

FIXED PRICE

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 L	54 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	60 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 L	66 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 L	72 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 L	84 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 L	120 L	150 L	50,000

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

उपकार के लिए अगर कुछ छल भी करना पड़े तो उससे आत्मा की हत्या नहीं होती। –प्रेमचंद

सफलता का मूलमंत्र युक्ति है

युक्ति एक सार्वभौमिक सिद्धांत है। आचार्य चरक के अनुसार अनेक कारणों की समग्रता और एकीकरण से उत्पन्न भावों को जो बुद्धि देखती है, वह युक्ति है। युक्ति से वत्तर्मान, भूत और भविष्य, तीनों कालों का अनुमान होता है। युक्ति के द्वारा धन-संपत्ति, धर्म और कत्तर्व्यपालन और उपभोग और आनंद प्राप्त किया जाता है (च.सू.11.25): **बुद्धिः पश्यति या भावान् बहुकारणयोगजान्। युक्तिस्त्रिकाला सा ज्ञेया त्रिवर्गः साध्यते यया।** ध्यान दीजिये, यहाँ आचार्य चरक ने युक्ति को परिभाषित तो किया ही है, साथ ही युक्ति की सार्वभौमिकता का दर्शन भी स्पष्ट किया है। युक्ति के द्वारा अर्थ, धर्म और काम की सिद्धि का सिद्धांत वस्तुतः जीवन में पुरुषार्थ साधने की रणनीति है। संक्षेप में कहें तो पूर्व में प्राप्त समग्र अनुभव और जानकारी के द्वारा अज्ञात को जान लेने वाली बुद्धि ही युक्ति है।

आचार्य चरक द्वारा युक्ति की परिभाषा को बहुत लोगों ने बहुत प्रकार से विश्लेषण किया है। अनेक प्रकार के संयोगों से उत्पन्न हुये अविज्ञात भावों या विषयों को, विज्ञात विषयों के कार्य व कारण भावों के प्रकाश में जो बुद्धि देखती है या ज्ञान कराती है, उसे युक्ति कहा जाता। इस युक्ति के द्वारा त्रिकाल (वर्तमान, भूत, भविष्य) का ज्ञान होता है तथा त्रिवर्ग (धर्म, अर्थ और काम) की सिद्धि होती है। एक अन्य रूप में देखें तो जो बुद्धि अनेक कारणों के संयोग से उत्पन्न अथवा ज्ञात जिन भावों को देखती है उस त्रिकाल-ज्ञानकारक बुद्धि को युक्ति कहते हैं। इसी के द्वारा अर्थ, धर्म व काम की उपलब्धि की जाती है।

अगर युक्ति को प्रमाण के रूप में देखा जाये तो यह वस्तुतः अनुमान प्रमाण में समाहित और अनुमान की सहायक मानी जाती है। यही कारण है कि आचार्य चरक द्वारा सूत्र स्थान में आप्तोपदेश, प्रत्यक्ष, अनुमान और युक्ति को पृथक-पृथक प्रमाण मानने के बाद भी आगे विमान स्थान में अनुमान को परिभाषित करते समय स्पष्ट किया है कि अनुमान वह तर्क है जो युक्ति की अपेक्षा रखता है(च.वि.4.6): **अनुमानं खलु तर्क युक्त्यपेक्षः।।** यही कारण है कि विमान स्थान में मूलतः तीन ही प्रमाण-आप्तोपदेश, प्रत्यक्ष, अनुमान-वर्णित किये गये हैं। अनुमान में ही युक्ति का अन्तर्भाव मान लिया जाता है।

युक्ति केवल कोरा दर्शन नहीं बल्कि एक ठोस प्रायोगिक साधन है। बहुत से विज्ञात या जाने-पहचाने अर्थों में कारण और प्रभाव को देखकर अविज्ञात या अपरिचित या अज्ञात अर्थों में कारण और प्रभाव को ज्ञात करना, समझना या प्रयोग करना युक्ति है। उदाहरण के लिये यदि आप यह पहले से जानते हैं कि जोते हुये खेत में अनुकूल ऋतु में बीज बोने और समय-समय पर खाद-पानी देने से अनाज का अच्छा उत्पादन होता है, तो आपके लिये यह विज्ञात अर्थ है। इस विज्ञात अर्थ से यह भी समझा जा सकता है कि वन-भूमि में वर्षा-जल एवं मृदा संरक्षण कर बीजारोपण या पौधारोपण करने तथा पौधों की सिंचाई और देखभाल करने पर वृक्ष तैयार होंगे। ऐसा समझना युक्ति है।

एक अन्य उदाहरण से युक्ति का ठोस प्रायोगिक महत्त्व और भी स्पष्ट हो जायेगा। आयुर्वेद के सामान्य-विशेष सिद्धान्त के अनुसार यह माना जाता है कि एक जैसे भावों (द्रव्य, गुण और कर्म) को समान प्रकार के भावों से मिलाने पर बढ़त होती है और विशेष या असमान भावों को मिलाने पर ह्रास या घटत होती है। यह विज्ञात अर्थ है। इस सिद्धान्त (यहाँ पर विज्ञात अर्थ) के अनुसार यदि युक्ति लगाकर देखें तो एक बात स्पष्ट होती है कि घर में गुस्सैल किशोर या किशोरी के गुस्से को ठंडा करने के लिये यदि माता-पिता गुस्से और चिड़चिड़ाहट से पेश आते हैं तो किशोरों का गुस्सा और ज्यादा भड़केगा। इसके विपरीत यदि गुस्सैल किशोर या किशोरी से माता-पिता स्नेहपूर्वक व्यवहार करें उनका गुस्सा भी शांत हो जाता है। यह युक्ति है।

आयुर्वेद में युक्ति का प्रमाण-आधारित चिकित्सा में भारी महत्त्व है। चरकसंहिता में स्पष्ट किया गया है कि मृत्यु की तिथि तय नहीं है, अपितु प्राणियों की आयु युक्ति की अपेक्षा रखती है (च.वि. 3.29): **भूतानामायुर्युक्तिमपेक्षते।** युक्ति से उम्र बढ़ सकती है। असल में युक्ति-व्यपाश्रय या प्रमाण-आधारित चिकित्सा आचार्य चरक द्वारा आयुर्वेदाचार्यों पर किये गये विश्वास की पराकाष्ठा है। विस्तृत संहिताओं के बाद भी आयुर्वेदाचार्यों पर इतना बड़ा विश्वास करने का कारण सिर्फ यह है कि चिकित्सा में सफलता युक्ति पर निर्भर है (च.सू. 2.16): **सिद्धिर्युक्तौ प्रतिष्ठिता।** जब सफलता युक्ति पर आश्रित हो तो केवल शास्त्रों और संहिताओं के निर्देश मात्र नहीं बल्कि आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

> **प्रबंधकों के अपने पूर्व के अनुभवों की समग्रता के आधार पर जब उनकी बुद्धि वर्तमान परिस्थितियों और समस्याओं को समझती है या देखती है और उनका हल सुझाती है तो उसे युक्ति कहा जाता है। असल में प्राचीन काल से लेकर आज तक युक्ति के बिना मानव का काम नहीं चल सका। सफलता युक्ति पर आश्रित है।**

युक्ति-व्यपाश्रय का आयुर्वेद में महर्षि चरक द्वारा किया गया उपयोग आयुर्वेद को पूर्णतः प्रमाण-आधारित चिकित्सा पद्धति बना देता है। उदाहरण के लिये (च.सू., 11.54): **युक्तिव्यपाश्रयं-पुनराहारौषधद्रव्याणांयोजना**, अर्थात आहार तथा औषधि द्रव्यों की योजना को युक्ति-व्यपाश्रय कहा जाता है। यह योजना उन्ही तर्क और विधियों पर निर्भर होती है जिनकी चर्चा ऊपर की गयी है। यह पूर्ण रूप से कारण और प्रभाव (कॉज एंड इफ़ेक्ट) के अद्भुत सैद्धांतिक पृष्ठभूमि पर केन्द्रित है (च.सू. 11.32): **कर्तृकरणसंयोगात् क्रिया कृतस्य कर्मणः फलं नाकृतस्य नाङ्कुरोत्पत्तिरबीजात् कर्मसदृशं फलं नान्यस्माद्बीजादन्यस्योत्पत्तिः इति युक्तिः।** तात्पर्य यह है कर्ता व साधन के जोड़ से क्रिया होती है, किये गये कार्य का फल मिलता है न कि नहीं किये गये कार्य का, बीज के बिना अंकुर नहीं उत्पन्न होता, जैसा काम वैसा फल, एक जाति के बीज से अन्य की उत्पत्ति नहीं होती, यही युक्ति है। आयुर्वेदिक औषधियों के संबंध में भी युक्ति की बड़ी भूमिका है (च.सू.2.16): **मात्राकालाश्रया युक्तिः सिद्धिर्युक्तौ प्रतिष्ठिता। तिष्ठत्युपरि युक्तिज्ञो द्रव्यज्ञानवतां सदा।।** औषधीय द्रव्यों की युक्ति (योजना, योग-निर्माण, योगीकरण या फार्म्युलेशन) मात्रा और काल पर निर्भर है, सफलता युक्ति पर निर्भर है, इसीलिये युक्तिज्ञ सदैव द्रव्य-ज्ञानियों से ऊपर है।

ध्यान से देखा जाये तो युक्ति एक सार्वभौमिक सिद्धान्त है, जिसमें यह संदेश निहित है कि युक्ति से धन, सम्पदा, धर्म तथा आनन्द सब प्राप्त किया जा सकता है। आधुनिक प्रबन्ध-विज्ञान की दृष्टि से देखें तो किसी भी कार्य में सफलता युक्ति पर आश्रित है। युक्ति के बिना सामजिक, आर्थिक या पारस्थितिकीय तंत्रों को नहीं साधा जा सकता।

आधुनिक प्रबन्ध-विज्ञान में युक्ति उपलब्ध ज्ञान, शोध एवं अनुभवजन्य ज्ञान के प्रकाश में किसी नवीन कार्य के सम्पादन के लिये जो साधन या विधि प्रयोग में लायी जाती है, वह युक्ति है। प्रबंधकों के अपने पूर्व के अनुभवों की समग्रता के आधार पर जब उनकी बुद्धि वर्तमान परिस्थितियों और समस्याओं को समझती है या देखती है और उनका हल सुझाती है तो उसे युक्ति कहा जाता है। असल में प्राचीन काल से लेकर आज तक युक्ति के बिना मानव का काम नहीं चल सका। सफलता युक्ति पर आश्रित है (च.सू.2.16): **सिद्धिर्युक्तौ प्रतिष्ठिता।** यही कारण है कि आयुर्वेद के अलावा भी अनेक ग्रंथों में युक्ति के महत्वपूर्ण वर्णन उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिये बुद्धचरित में अश्वघोष का कथन है कि समुचित युक्ति से करने पर सब कुछ किया जा सकता है (बुद्धचरित, 13.60): न्यायेन युक्तं च कृतं च सर्वम्। दरअसल युक्ति पर पूरा युक्तिशास्त्र है जिसे उपयुक्तता और औचित्य का विज्ञान भी कहा जाता है।

युक्ति को जुगाड़ समझाने की भूल नहीं करना चाहिये। युक्ति और जुगाड़ में कई अंतर हैं, पर मुख्य फ़र्क तर्क और तुक्का का है। युक्ति स्वयंप्रमाण होते हुये प्रमाण-आधारित चिकित्सा का मूल आधार है। जुगाड़ ट्रायल-एंड-एररहैः काम कर भी जाये तो भी घुणाक्षर न्याय ही कहलायेगा। घुनों के चलने से लकड़ी में अक्षरों जैसे आकार बन जाते हैं, हालाँकि घुन लिखने के उद्देश्य से नहीं काटते कि अक्षर बनें। इसी प्रकार जहाँ एक काम करने में कोई दूसरी बात अनायस हो जाय वहाँ घुणाक्षर न्याय हो जाता है। इस न्याय या उक्ति का प्रयोग ऐसे स्थलों पर करते हैं जहाँ किसी के द्वारा ऐसा आकस्मिक कार्य हो जाता है जो स्पष्ट, उद्देश्य, ज्ञान, तर्क, या युक्ति का प्रयोग किये बिना ही अनायास हो गया हो। कहने का तात्पर्य यह है कि जब तक विधि दोषपूर्ण या तर्कविहीन होती है, तब तक परिणाम केवल संयोग ही कहलाता है।

आधुनिक वैज्ञानिक सन्दर्भ में ज्ञान के उत्पादन के चार तरीके हैं:- थ्योरी, ऑब्जरवेशन, एक्सपेरिमेंट और मॉडलिंग। यहाँ युक्ति को मॉडलिंग के समकक्ष मन जाता है क्योंकि पूर्व में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर मैथमेटिकल-मॉडलिंग के द्वारा भविष्य की स्थिति का ज्ञान किया जाता है। आयुर्वेद के प्रमुख ग्रंथों और संहिताओं का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि औषधियों व चिकित्सा को प्रमाण-आधारित बनाने के लिये चार प्रमुख विधियाँ प्रयुक्त होती रही हैं। इनमें प्रत्यक्ष प्रमाण या डायरेक्ट ऑब्जर्वेशन, अनुमानया इनफरेंशियल एवीडेन्स, आप्तोपदेश या विद्वानों द्वारा पूर्व में दी गयी जानकारी, और अंततः युक्ति प्रमाण या रेशनल एक्सपेरिमेंटल एवीडेन्स हैं। प्रमाण-आधारित आयुर्वेद न केवल इन चार महत्वपूर्ण अवधारणाओं पर टिका है, बल्कि उक्त चारों विधियाँ शोध-आधारित प्रमाण, स्थानीय-ज्ञान पर आधारित प्रमाण, अनुभवजन्य-ज्ञान पर आधारित प्रमाण, आयुर्वेद की संहिताओं पर आधारित प्रमाण, सामाजिक स्वीकार्यता पर आधारित प्रमाण तथा आधुनिक शोध में प्रचलित थ्योरी, ऑब्जर्वेशन, एक्सपेरिमेंट एवं मॉडलिंग से बहुत भिन्न नहीं हैं।

इस चर्चा का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है? सबसे पहली बात तो यह है कि युक्ति वस्तुतः ज्ञात यथार्थ के माध्यम से अज्ञात यथार्थ को जानने का विज्ञान है। इसलिये युक्तिपूर्वक कार्य करने से जीवन में कुछ प्राप्त करने के लिये युक्ति का प्रयोग ही श्रेयस्कर है। दूसरी बात यह है कि आप उन आयुर्वेदाचार्यों को उत्तम मानकर उनसे चिकित्सा ले सकते हैं जो पूर्णतः युक्ति-व्यपाश्रयीया प्रमाण-आधारित चिकित्सा करते हैं। और तीसरी बात यह है कि युक्ति कोरा दर्शन नहीं बल्कि एक ठोस प्रायोगिक साधन है जिसके माध्यम से आप स्वयं के लिये उन सात दीवारों-आहार, विहार, सद्वृत्त, स्वस्थवृत्त, पंचकर्म, रसायन, औषधि-को सम्हाल सकते हैं जो हमारे जीवन और मृत्यु के बीच या स्वास्थ्य और रुग्णता के बीच अस्तित्व में हैं। जहाँ तक प्रतिदिन के जीवन का प्रश्न है उसमें सभी प्रकार के कार्यों के संपादन में सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र युक्तिपूर्वक लगे रहना है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

संरक्षण से ही रुकेगा भारतीय प्रतिभा पलायन

अविनाश जोशी

भारत की शिक्षा प्रणाली को विश्व में काफी इज्जत की दृष्टि से देखा जाता है जो बेहद प्रतिभाशाली और बुद्धिमान युवा पैदा करती है। भारतीय प्रतिभा की मांग दुनिया के कोने-कोने में हैं। भारतीयों को बाहरी देशों में अच्छे स्तर के जीवन के साथ अच्छे पैकेज भी प्राप्त हो जाते हैं बस उच्च जीवन स्तर एवम उन्नत व्यापारिक परिस्थितियों के मोह वश वे अपने देश को छोड़ देते हैं। वर्तमान समय में भारतीय अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्टता और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में उच्च वेतन वाली नौकरियों को हासिल करके देश का नाम रोशन कर रहे हैं। वे व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट होने के लिए जाने जाते हैं और नवीनतम शोध अनुसार संयुक्त राज्य के प्रौद्योगिकी उद्योग का एक बड़ा हिस्सा भारतीय समुदाय द्वारा संचालित होता है।

अर्थशास्त्रियों के नवीनतम आकलन के अनुसार भारतीयों ने अमरीकी प्रौद्योगिकी के निर्माण के लिए प्रमुख रूप से योगदान दिया है और अर्थव्यवस्था को भी बदल कर रख दिया है। यदि उन्होंने भारत के विकास में इसका आधा भी योगदान दिया होता तो देश की वर्तमान अर्थव्यवस्था एक अलग रूप में विकसित देशों के साथ खड़ी नजर आती। किंतु सवाल यह उठता है कि भारत में प्रतिभा पलायन की समस्या इतनी गंभीर क्यों है। हमें उन कारणों को समझना होगा और इस समस्या को सुलझाने के लिए कुछ मजबूत व गंभीर कदम उठाने होंगे। मगर पिछले कुछ वर्षों में ऐसे भी अनेक लोगों ने यहां की नागरिकता त्याग दी, जिनके यहां अपने कारोबार थे और उन्हें समेट कर वे दूसरे किसी देश में चले गए। यानी उन्हें यहां कारोबार की स्थितियां अनुकूल नहीं लगीं। इसके अलावा कई लोग असुरक्षाबोध के चलते भी कहीं और जा बसे।

जब व्यक्तिगत सुविधाओं, रोजगार और उन्नत जीवन जीने की लालसा में भारत के लोग नागरिकता छोड़ कर दूसरे देशों में जाकर बसने लगें, तो यह निश्चित रूप से भारत के लिए सोचने का विषय होना चाहिए। प्रतिभा पलायन एक ज्वलंत विषय है एवम इसको लेकर लंबे समय से भारत में चिंता जताई जाती रही है। भारत में उच्च शिक्षित लोगों के लिए अवसर तैयार करने के लिए यह आवश्यक होगा कि शोध संस्थानों और उच्च तकनीक वाले संस्थानों को यहां लाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। भारत में कुछ समय से युवाओं को भावनात्मक रूप से प्रेरित करने का प्रयास किया जाता रहा है कि जिस देश ने उनकी पढ़ाई-लिखाई पर इतना खर्च किया है, जब सेवा देने का समय आए तो उस देश को छोड़ कर अपनी प्रतिभा का योगदान किसी और देश में देना नैतिक रूप से सही नहीं होगा। मगर इस प्रेरणा का कोई असर नहीं हुआ एवम आनुपातिक रूप से प्रतिभा पलायन बढ़ता गया। अब स्थिति यह है कि जिनके भारत में उन्नत कारोबार हैं, उनमें भी अपनी नागरिकता त्याग कर दूसरे देशों में जाकर वहा की नागरिकता लेने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

सोशल मीडिया पर एक संदेश देखा जा रहा है जो कुछ इस तरह से है : जब पढ़ेगा भारत, तब ही बढ़ेगा अमरीका। यह एक प्रकार से सच या हकीकत को पूरी सत्यता के साथ बयान करना है जिसकी टीस प्रत्येक नागरिक के मन में उठना स्वाभाविक है। यह सोच गलत नहीं है कि अगर भारत से प्रतिभा का पलायन न होता या न होने दिया जाता तो आज हम विकसित देश कहलाते?

निश्चित रूप से यह कोई आसान काम नहीं है क्योंकि आज़ादी के बाद कोई भी सरकार प्रतिभा पलायन को रोकने में सफल नहीं रही है। लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि अगर कोई सरकार प्रतिभा पलायन को रोकने के लिए बड़ा अभियान शुरू करती है तो यह भारत के लिए एक बेहद फायदेमंद कदम साबित हो सकता है।आमतौर पर दूसरे देशों में जाकर बसने का प्रमुख कारण रोजगार होता है। भारत में हर साल लाखों युवा इंजीनियरिंग, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा हासिल करके रोजगार की तलाश में निकलते हैं, मगर उनमें से चालीस फीसदी को भी उनकी इच्छा और क्षमता के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पाता। ऐसे में वे दूसरे देशों का रुख करते हैं।

कोई भी व्यक्ति विदेश तब जाता है जब उसके सामने अवसरों की कमी हो जिनके बल पर वह अपनी प्रतिभा के अनुसार वेतन और अन्य सुविधाएं हासिल कर सके। इसका मतलब यह है कि वह तुलना करता है कि देश में उसे यह सब कुछ मिल सकता है या नहीं, अगर नहीं तो वह किसी भी तरीके से वहां जाएगा जहां उसे यह सब आसानी से मिल जाएगा। इस श्रेणी में अधिकतर वे युवा आते हैं जो इतने काबिल हैं कि कोई भी संस्थान उन्हें अपने साथ जोड़ने और साथ ही जोड़े रखने के लिए उनकी सोच से भी अधिक वेतन और भत्ते देने की पेशकश करता है। जब उसके सामने किसी एक को चुनने का अवसर आता है तो वह बेहिचक मल्टीनैशनल कंपनियों को चुनकर अपनी मातृभूमि को अलविदा कहने में कतई संकोच नहीं करता। सवाल यह है कि अपने देश को छोड़कर विदेश में बसने के क्या कारण हैं? मुख्यत उच्च शिक्षित वर्ग के लोगों के लिए देश में तुलनात्मक रूप से अवसर की कमी है। चाहे कारोबार हो, शोध या पेशेवर मौके हों, विदेश में कहीं अधिक विकल्प हैं। यदि यह वर्ग यहीं रहने लगते हैं और काम करते हैं तब वे जीडीपी में इससे कई गुना अधिक का योगदान दे सकते हैं। हर साल विदेश जाने की चाह रखने वाले ऐसे युवा भी हैं लेकिन अगर प्रतिभा का पलायन इसी तरह जारी रहा तब कौशल विकास और कमाई करने की क्षमता खत्म हो जाएगी। इसके अलावा बहुत सारे युवा इसलिए भी दूसरे देशों का रुख करते हैं कि यहां उन्हें उनकी प्रतिभा के अनुरूप पैसा नहीं मिल पाता। कई विकसित देशों की तुलना में यहां वेतन, भत्ते और काम करने की परिस्थितियां अनुकूल नहीं हैं। इसलिए उन्हें जैसे ही मोका मिलता है वे दूसरे देशों में चले जाते और फिर धीरे धीरे यहां की नागरिकता छोड़ देते हैं। बहुत सारे युवा विदेशों में पढ़ने जाते हैं और फिर वहीं की नागरिकता हासिल कर लेते हैं। भारतीय प्रतिभाए आरक्षण प्रणाली से पीड़ित हैं। आरक्षित वर्ग के कई अयोग्य लोगों को उच्च वेतन वाली नौकरियां मिलती हैं जबकि योग्य उम्मीदवारों को कम वेतन वाली नौकरी से संतुष्ट होना पड़ता है। योग्य व्यक्तियों के लिए यह व्यवस्था अत्यंत तकलीफदेह है ऐसे में स्वाभाविक तौर पे प्रतिभाशाली युवा वर्ग अन्य देशों में अपनी प्रतिभा के समान नौकरी तलाशने के लिए वहां पे स्थानांतरित हो जाते हैं। सही समय है कि भारत सरकार को इस पक्षपाती आरक्षण प्रणाली को खत्म कर देना चाहिए। योग्यता एकमात्र फैसले का आधार होना चाहिए। आरक्षण के अलावा यह पे लोगों को उनके पंथ, जाति और अन्य चीजों के आधार पर भी प्राथमिकता दी जाती है जिनका नौकरी से कुछ लेना-देना नहीं है। बहुत से लोग अपने समुदाय या शहर से संबंधित लोगों को नौकरी देते हैं। यह सब बंद कर दिया जाना चाहिए और एक व्यक्ति को उसकी योग्यता और क्षमता के आधार पर नौकरी मिलनी चाहिए।

भारत में प्रतिभा पलायन की शुरुआत वर्ष 1960 के दशक के बाद से शुरू हुई जब ब्रिटेन और उत्तरी अमेरिका ने उनके देश में आने के नियमों में थोड़ी ढील दी जिसके बाद उच्च शिक्षित पेशेवरों ने वहां जाना शुरू कर दिया। अब तो हालात यह है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के स्नातकों के हर बैच में से आधे से अधिक छात्र विदेश चले जाते हैं। इसके अलावा 1960 के दशक के बाद से आदित्य बिड़ला समूह और लक्ष्मी मित्तल समूह ने भी विदेशों में बड़े कारोबार स्थापित कर लिए। ऐसा कहा जाता है कि प्रवासन की गति पिछले दशक में तेज हुई है।

भारत जैसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के तरीकों का उद्देश्य प्रतिभा पलायन की समस्या को नियंत्रित करना है। लोगों को इस समस्या को नियंत्रित करने के तरीकों को गंभीरता से लेना चाहिए तथा सरकार और संगठनों द्वारा कार्यान्वित किया जाना चाहिए। युवाओं का विदेशों में पलायन रोकने के लिए देश प्रेम की भावना जागृत करनी चाहिए। उन्हें सम्मानजनक वेतन और तरक्की मिलनी चाहिए। देश में भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद को समाप्त करना चाहिए क्योंकि इससे प्रतिभाशाली युवाओं के साथ भेदभाव होता है। युवाओं को देश में बढ़ने का अवसर और अच्छा जीवन स्तर देकर उनका विदेशों की तरफ पलायन को रोका जा सकता है।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

कृषि उत्पादन के साथ-साथ व्यापार से भी जुड़ें किसान : उपराष्ट्रपति धनखड़

- **उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जोधपुर पहुंचे, काजरी में किसानों एवं वैज्ञानिकों से किया संवाद**
- **काजरी ने मरूस्थल में टिब्बा स्थिरीकरण किया तथा क्षेत्र को हराभरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है : गजेन्द्र सिंह शेखावत**

जोधपुर, (कासं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ शनिवार को जोधपुर पहुंचे। हवाई अड्डे पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। वे निश्चित कार्यक्रम के अनुसार काजरी पहुंचे तथा वहां आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

उन्होंने काजरी में किसानों एवं वैज्ञानिकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि किसान बदलाव का केन्द्र होता है। देश की अर्थव्यवस्था में किसान का बहुत योगदान है। मैं किसान पुत्र हूं और किसानों की समस्याओं के समाधान कृषि के विकास के प्रति सदैव सर्मपित रहूंगा। कृषि उपज उत्पाद सबसे बड़ा मार्केट है। उन्होंने आव्हान किया कि कृषक अपने बच्चों परिवारजनों को कृषि व्यापार में लगायें। उन्होंने कहा कि विश्वभर में जैविक उत्पाद की मांग है। किसान उत्पादन के साथ साथ व्यापार से जुड़े इससे आर्थिक लाभ होगा। नई तकनिकियों को अपनाये। कृषि उपज के साथ साथ उसमहिण्डौनसिटी मूल्य संवर्द्धन का काम करें, इससे लाभ कई गुना बढ़ जायेगा।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार की कृषि योजनाऐं बहुत सकारात्मक है। कृषि व्यापार उत्पाद का निर्यात तथा मूल्य संवर्द्धन में रोजगार के बहुत अवसर है। शुष्क क्षेत्रों में कृषि चुनौतिपूर्ण रही है। मगर आईसीएआर के विभिन्न संस्थानों एवं काजरी ने शुष्क क्षेत्र में खजूर अनार जीरा एवं नवीन किस्मों की प्रौद्योगिकियों से क्षेत्र एवं किसानों को लाभ मिल रहा है। किसानों की भलाई कृषि के विकास के लिए काजरी अच्छा काम कर रही है।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस अवसर पर अपने वर्चुअल उद्बोधन में कहा कि जीवन का आधार जल एवं कृषि है। भारत में दालों कपास गन्ना चीनी दूध एवं फल सब्जियों का भरपुर उत्पादन होता है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महत्वपूर्ण योजनाऐं आरम्भ की है। फसल बीमा एफपीओ किसान क्रेडिट कार्ड आदि योजनाओं से किसान लाभ ले रहे हैं। काजरी ने वैज्ञानिकों ने रेतीले इलाकों में कृषि के विकास में बहुत अच्छा काम किया है। जिसका प्रतिफल किसानों को मिल रहा है। नवीनतम तकनीकियों से खेती में लागत कम एवं उत्पादन अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण हो रहा है।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि काजरी ने मरूस्थल में टिब्बा स्थिरीकरण किया तथा क्षेत्र को हराभरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किसानों की मेहनत एवं तकनीकियों से देश आत्म निर्भर बना। किसानों का लाभ बढाने की आवश्यकता है, इसके लिए भारत सरकार ने अनेक योजनाऐं आरम्भ की एवं महत्वपूर्ण कदम उठायें। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि को आगे बढाने का विजन लेकर चल रहे हैं। जिससे कृषि एवं किसान की प्रगति हो रही है। कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग से कृषि में बड़ा बदलावा आयेगा। भारत सरकार की कृषि योजनाओं के माध्यम से किसानों को आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। काजरी के प्रयासों से रेगिस्तानी इलाका हराभरा हुआ तथा यहां अनार खजूर जीरा की बम्पर पैदावार हो रही है। बाजरा की केवल हम रोटी खाते थे अब बिस्कट, चॉकलेट, कुरकरे, मठड़ी आदि खाने को मिल रही है। काजरी निदेशक डॉ. ओपी यादव ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड को बाजरा के सिट्टे का गुलदस्ता एवं मिलेट्स उत्पाद देकर स्वागत किया। केन्द्रिय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने डॉ. (श्रीमती) सुदेश धनखड़ का स्वागत किया। काजरी निदेशक डॉ. ओपी यादव ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर सूरसरगार विधायक सूर्यकान्त व्यास एवं राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत उपस्थित थे। कृषि किसान संवाद कार्यक्रम में लगभग 3000 किसानों महिलाओं उद्यिमयों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन गजेसिंह जोधा ने किया।

"उत्कर्ष" की कार्यशाला में अभ्यर्थियों ने विशेषज्ञों से जानी सफलता की रणनीति

- **कार्यशाला में आरएएस मुख्य परीक्षा के अभ्यर्थियों ने श्रेष्ठ रणनीतियों के बारे में जानकारी ली**

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा शनिवार को आयोजित विशेष कार्यशाला में आरएएस मुख्य परीक्षा के अभ्यर्थियों ने उत्साह से भाग लिया और विशेषज्ञों से परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली जरूरी व श्रेष्ठ रणनीतियों के बारे में जानकारी हासिल की।

शास्त्री नगर स्थित उत्कर्ष कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित आईएएस व आरएएस जैसी सिविल परीक्षाओं के विख्यात व अनुभवी विशेषज्ञ डॉ. दौलत खान की अगुवाई में विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा के विभिन्न पहलुओं से अवगत किया गया। कार्यशाला में अभ्यर्थियों को परीक्षा में प्रभावी उत्तर हेतु लेखन कौशल के महत्त्व व उसे निखारने के तरीकों से अवगत किया गया। इसके अलावा रिवीजन कैसे किया जाए, समय का प्रबंधन करते हुए कम समय में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अध्ययन कैसे हो? इत्यादि जिज्ञासापूर्ण सवालों के विश्वसनीय जवाब दिए गए। ध्यातव्य है कि आरएएस मुख्य परीक्षा हेतु जयपुर में इस विशेष कार्यशाला का आयोजन रविवार, 8 अक्टूबर को किया जाएगा।

9 अक्टूबर से आरएएस मैंस के ऑफलाइन बैच होंगे शुरू : उत्कर्ष क्लासेस के सरदारपुरा स्थित व्यास भवन सेंटर पर आगामी आरएएस मुख्य परीक्षा- 2023 की तैयारी के लिए ऑफलाइन बैच 9 अक्टूबर से प्रारंभ किया जा रहा है। इस बैच में सिविल परीक्षाओं के बेहद अनुभवी विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा की एक्सपर्ट तैयारी करवाई जाएगी। बैच में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम का विस्तृत अध्ययन करवाने के अलावा लेखन कौशल में सुधार के लिए विशेष अभ्यास सत्र, करेंट अफेयर्स की मासिक पत्रिका इत्यादि की सुविधायें उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त आरएएस मैंस की टेस्ट सीरीज 15 अक्टूबर से प्रारम्भ की जाएगी।

राशिफल रविवार 8 अक्टूबर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2080, पुष्य नक्षत्र रात्रि 2:45 तक, सिद्ध योग सोमवार प्रातः 6:50 तक, गर करण दिन 10:13 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रविपुष्य योग सूर्योदय से रात्रि 2:45 तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 2:45 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 11:25 से सोमवार दिन 12:37 तक रहेगी। आज दशमी का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:53 से 9:20 तक, लाभ-अमृत 9:10 से 12:14 तक, शुभ 1:42 से 3:09 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:26, सूर्यास्त 6:03

मेष

परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। घर-परिवार में रचनातमक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

सिंह

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी, मनोबल ऊंचा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय दूर होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मीन

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 68 प्रभात जयपुर, रविवार 8 अक्टूबर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

How Prime Ministers Decide

Before she was assassinated, Indira had expressed the hope that VP would be part of Rajiv's core team

World Octopus Day

Octopuses are worthy of appreciation for a number of reasons. First of all, they are one of the earth's great survivors.

इमरान मसूद की कांग्रेस में वापसी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के पूर्व कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक इमरान मसूद की कांग्रेस में वापसी हो गई है। मसूद वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा में चले गए थे, और उसके बाद वे बसपा में चले गए थे। अगस्त में बसपा ने उन्हें राहुल गांधी की प्रशंसा करने के लिए निष्कासित कर दिया था।

- इमरान मसूद 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा में चले गए थे और फिर बसपा में, जहां से उन्हें अगस्त में निष्कासित कर दिया गया था।

कांग्रेस में वापसी पर स्वागत करते हुए कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन पवन खेडा तथा उत्तर प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि देश भर में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बन रहा है। मसूद की वापसी से सहारनपुर में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

गांधी परिवार की अंदरूनी लड़ाई में फंसी कांग्रेस

प्रियंका गांधी को ए.आई.सी.सी. में कोई पद नहीं देना चाहते हैं राहुल गांधी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। कांग्रेस पार्टी एक विचित्र दुविधा में फंसी हुई है। वह अपने नए पदाधिकारियों की सूची जारी नहीं कर पा रही है। पार्टी क्षेत्रों में पूछा जा रहा है कि ऐसा क्यों है।

ऐसा समझा जाता है कि असली मुद्दा है कांग्रेस के प्रथम परिवार की अंदरुनी लड़ाई।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी, प्रियंका को ए.आई.सी.सी. में कोई पद नहीं देना चाहते लेकिन इस प्रस्ताव को अभी तक सोनिया गांधी से स्वीकृति नहीं मिली है।

ऐसा समझा जाता है कि राहुल के सलाहकारों ने उन्हें यह समझाया है कि प्रियंका सत्ता का एक और केन्द्र बन जाएंगी और राहुल का प्रभाव कम करेंगी।

प्रियंका उत्तर प्रदेश की प्रभारी ए.आई.सी.सी. महासचिव रही हैं लेकिन उनके कार्यकाल में पार्टी की राज्य इकाई पहले से ज्यादा कमजोर हुई हैं लेकिन प्रियंका का ध्यान उत्तर प्रदेश की बजाय अन्य राज्यों पर है।

पिछले कुछ समय से प्रियंका के किसी विश्वास पात्र को पार्टी में कोई प्रमुख पद नहीं दिया गया है।

- सूत्रों के अनुसार, राहुल को उनके करीबियों ने सलाह दी है कि, ऐसा हुआ तो प्रियंका एक और "पावर सैंटर" बन जाएंगी।
- सूत्रों से पता चला है कि, यही कारण है कि, नए पदाधिकारियों की लिस्ट अभी तक भी घोषित नहीं हुई है।
- प्रियंका को ए.आई.सी.सी. से दूर रखने के फैसले पर अभी सोनिया गांधी की मंजूरी नहीं मिली है।

इससे पता चलता है कि पार्टी के भीतर क्या हो रहा है लेकिन प्रियंका गांधी ने कई राज्यों में अभियान जारी कर रखा है क्योंकि उनका मुख्य फोकस छत्तीसगढ़ पर है जहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उनके नजदीकी हैं।

राहुल गांधी कांगेस पार्टी पर अपना नियंत्रण मजबूत कर रहे हैं और यह देखना है कि क्या वे "मिशन प्रियंका" क्रियान्वित कर पाते हैं या नहीं।

'ना तो चीन से पैसा लिया, ना ही कोई निर्देश'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। न्यूज़ क्लिक पोर्टल ने दिल्ली पुलिस की एफ.आई.आर. में दर्ज आरोपों को बोगस व अस्वीकार्य बताया और कहा कि, यह कार्यवाही भारत में स्वतंत्र प्रैस की आवाज़ दबाने के लिए की गई है।

दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद विरोधी कानून यू.ए.पी.ए. के तहत न्यूज़ क्लिक पर एफ.आई.आर. दर्ज की है और आरोप लगाया है कि इसे भारत की सम्प्रभुता तोड़ने और देश में वैमनस्य फैलाने के लिए चीन से पैसा मिला है तथा यह एक वृहद अपराधिक साजिश का अंग है। दावा है कि फंड नैवेली रॉय सिंघम ने दिया है, जो कि कम्युनिस्ट पार्टी के प्रचार विभाग से जुड़ा हुआ है।

शुक्रवार की रात एक्स पर बयान जारी कर पोर्टल ने कहा कि न्यूज़ क्लिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 'न्यूज़ क्लिक ने कहा कि, एफ.आई.आर. में दर्ज आरोप "बोगस" हैं'
- न्यूज़ क्लिक ने यह भी कहा कि, एफ.आई.आर. स्वतंत्र प्रैस की आवाज़ दबाने के लिए दर्ज की गई है।

मध्य प्रदेश में जल्द ही घोषित होगी कांग्रेस की लिस्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। कांग्रेस के केन्द्रीय चुनाव समिति ने शनिवार को ए.आई.सी.सी. मुख्यालय में बैठक की। मध्य प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रुप देने के लिए।

- इस संबंध में शनिवार को ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक ली, जिसमें सोनिया व राहुल ने भी शिरकत की।

बैठक की अध्यक्षता पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की और सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी उसमें उपस्थित रहे। बैठक में 1 राज्य के कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और ए.आई.सी.सी. महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला भी मौजूद थे।

शुक्रवार को ही भाजपा ने कांग्रेस पर तंज कसा था कि अंदरुनी मतभेद के कारण वह मध्य प्रदेश में अपने प्रत्याशी घोषित नहीं कर पा रही है, जबकि भाजपा तीन किश्तों में 79 प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। भाजपा सामूहिक रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा कर तीन केन्द्रीय मंत्रियों और पांच सांसदों के नाम घोषित कर चुकी है। कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि पहले 18 महीने मुख्यमंत्री रहे कमलनाथ को इस बार भी मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाने के संकेत मिल चुके हैं।

भाजपा और कांग्रेस का "पोस्टर वॉर" चरम पर पहुंचा

"रावण" के जवाब में कांग्रेस ने मोदी के खिलाफ पोस्टरों की श्रृंखला जारी की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। कांग्रेस और भाजपा के बीच "पोस्टर युद्ध" खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने आगे मांग की है कि, प्रधानमंत्री का चित्रण, तुगलक राजवंश के दूसरे शासक और विलक्षण प्रतिभा वाले "सनकी" मोहम्मद बिन तुगलक के रुप में करने के लिए कांग्रेस की मान्यता समाप्त की जाए।

पिछले कुछ दिनों से दोनों पार्टियों के बीच गहन पोस्टर वॉर चल रहा है। पहले भाजपा ने अपने अधिकारिक हैण्डल पर राहुल गाँधी का एक पोस्टर रिलीज़ किया जिसमें राहुल को "रावण" के रुप में दिखाया गया। इसके साथ कैप्शन में लिखा था, "नए युग का रावण। यह दुष्ट, धर्म विरोधी और राम विरोधी है और इसका लक्ष्य भारत को नष्ट करना है।"

कांग्रेस कैम्प ने इस पोस्टर की खूब निंदा की और आरोप लगाया कि, भाजपा लोगों को राहुल के विरुद्ध हिंसा के लिए उकसा रही है। इसी के साथ कांग्रेस ने एक पोस्टर जारी किया जिसमें प्रधानमंत्री को अरबपति अडानी की कठपुतली के रुप में दिखाया गया। इसके बाद कई और पोस्टर सामने आए हैं। एक में, मोदी और शाह की फोटो के साथ कैप्शन है, "प्रैजैन्टिंग नरेन्द्र मोदी, द जुमला बॉय।" एक अन्य पोस्टर में प्रधानमंत्री का चित्रण "दानव" के रुप में किया गया है तथा उसके साथ कैप्शन में लिखा है, "मोडानी: हिन्दुस्तान खतरे में।" एक और पोस्टर में प्रधानमंत्री की छवि के साथ कैप्शन दिया है, "बड़ा झूठा कौन है।"

पोस्टर, बैनर, झण्डे और नारों का उपयोग लंबे समय से राजनीतिक संदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एक पोस्टर में मोदी को तुगलक वंश के सनकी बादशाह, मुहम्मद बिन तुगलक के रूप में दर्शाया गया है।
- एक अन्य पोस्टर में मोदी को अडानी की कठपुतली और एक अन्य में उन्हें "दानव" के रूप में पेश किया गया है।
- कांग्रेस के इन पोस्टरों से नाराज होकर वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस पार्टी की मान्यता खत्म करने की मांग की।

मुख्यमंत्री और कांग्रेस ने मान लिया कि योजनाएं चुनाव नहीं जिता सकती

जिन योजनाओं का बखान हो रहा था, उनके बजाय अब जातिगत समीकरण महत्वपूर्ण हो गए कांग्रेस के लिए

- **यही कारण है कि जातिगत जनगणना का सिगूफा छोड़ा गया है, वहीं मुख्यमंत्री हर जाति का अलग बोर्ड बनाने की घोषणाएं कर रहे हैं**
- **यह अलग बात है कि मुख्यमंत्री गहलोत ओबीसी के घोषित नेता होने के बावजूद इन जातियों को कभी कांग्रेस से नहीं जोड़ पाए हैं**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में राज्य सरकार की ओर से जो योजनाएं चलाई जा रही है उनका प्रचार कांग्रेस दम लगाकर कर रही है, लेकिन कांग्रेस की शायद यह बात समझ गई है कि इन योजनाओं के नाम पर चुनाव नहीं जीते जा सकते, इसलिए अब कांग्रेस का ध्यान पूरी तरह जातिगत जनगणना और जातियों के बोर्ड बनाने पर लगा हुआ है। यही कारण है कि पिछले तीन दिन के दौरान ही 11 से ज्यादा जातिगत बोर्ड बनाए गए हैं।

दरअसल राजस्थान की सरकार पिछले 6 महीने के दौरान जिस तरह से दनादन राजस्थान की जनता के लिए योजना बना रही थी। उनमें कहीं मोबाइल बांटने की योजना, फ्री राशन की योजना, फ्री बिजली की योजनाएं आदि। इसके बावजूद राजस्थान की सरकार को यकीन नहीं है कि यह योजनाएं उसे चुनाव जितवा सकती है, जबकि कांग्रेस के तमाम नेता यह कहते नहीं थकते कि इस बार जो हमारी योजनाएं हैं, उनका तोड़ विपक्ष के पास नहीं है। दरअसल इतनी सारी योजनाओं का बखान करने के बावजूद जिस तरह से मंत्री विधायकों का उनके क्षेत्र में जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है और वही जनता की ओर से योजनाओं के बावजूद कांग्रेस नेताओं को अच्छा रिस्पांस नहीं मिल रहा है। यह देखकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित सभी नेताओं को समझ आ गया है कि सिर्फ योजनाओं के नाम पर चुनाव नहीं जीता जा सकता।

यही कारण है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत किसी भी जाति को नहीं छोड़ना चाहते जिसका कि बोर्ड गठित नहीं हो पाए। अब जातिगत जनगणना का नया सिगूफा भी मुख्यमंत्री की ओर से छोड़ा गया है कि अगर कांग्रेस की सरकार रिपीट हुई, तो राजस्थान में जातिगत जनगणना कराई जाएगी। वहीं इससे पहले ही चुनाव के मुहाने पर जब आचार संहिता लगने में एक-दो दिन बाकी हैं, उससे पहले ही राजस्थान में जातियों के बोर्ड गठित किया जा रहे हैं, जबकि यह तमाम जातियां एससी, एसटी या ओबीसी में आती है। इनके पहले से ही बोर्ड, निगम या आयोग बने हुए हैं। इसके बावजूद अब हर जाति का अलग-अलग बोर्ड गठित किया जा रहा है। यानी कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जो दावे करते थे कि योजनाओं के नाम पर हम चुनाव जीतेंगे। हमने इतनी योजनाएं दी हैं, लेकिन अब उन्हें भी यकीन नहीं है कि यह योजनाएं कांग्रेस को वोट दिलाने में सक्षम है। ऐसे में अब पूरा चुनाव जातिगत जनगणना और जातियों के बोर्ड बनाकर उनके वोट हासिल करने की ओर घूम गया है। वैसे तो खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ओबीसी से आते हैं और ओबीसी का झंडा लेकर ही वह कांग्रेस में बड़े नेता बने हुए हैं, इसके बावजूद ओबीसी की मूल जातियों का वोट बीजेपी को मिलता रहा है और सिर्फ वोट की बात ही नहीं है, बल्कि राजस्थान में मूल ओबीसी की छोटी जातियों के विधायक भी कांग्रेस के बजाय भाजपा के टिकट पर ज्यादा जीतकर आते रहे हैं। यही कारण है कि राज्य की मूल ओबीसी की जातियों और सवर्ण वर्ग भाजपा के पुख्ता वोटर बने हुए हैं। अब कांग्रेस बोर्ड बनाकर विभिन्न जातियों को बांटने का प्रयास कर रही है, लेकिन क्या यह प्रयास सफल होगा, जातियां भाजपा को छोड़कर कांग्रेस के साथ आएंगी, यह देखना मजेदार होगा।

इधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से स्वीकृति के बाद शनिवार को राजस्थान राज्य राजा बली कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य वाल्मिकी कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य मेघवाल कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य पुजारी कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य कल्याण (मां पूरी बाई कीर) बोर्ड, राजस्थान राज्य जाटव कल्याण बोर्ड, राजस्थान राज्य धाणका कल्याण बोर्ड व राजस्थान राज्य चित्रगुप्त कायस्थ कल्याण बोर्ड बनाने की घोषणा की गई हैं। सभी बोर्ड संबंधित वर्गों की स्थिति का जायजा लेने, प्रमाणिक सर्वे रिपोर्ट के आधार पर वर्गों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनके पिछड़ेपन को दूर करने के सुझाव राज्य सरकार को देंगे।

बागड़ा ब्राह्मण समाज भवन के लिये 21 लाख रुपये स्वीकृत

जयपुर। जयपुर में 18 अगस्त 2019 को आयोजित किये गये अखिल भारतीय बागड़ा ब्राह्मण समाज के प्रतिभावान सम्मान समारोह में बागव ऋषि भवन, गोनेर (जयपुर) में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु विधायक कोष से स्वीकृति जारी करने की विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष, भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं आमेर विधायक डॉ. सतीश पूनिया से मांग की गई थी, बागड़ा समाज ने सतीश पूनिया से कहा था कि आप विधायक कोष से 21 लाख रुपये की अनुशंसा कर दीजिये हम स्वीकृत करवा देंगे, जिस पर सतीश पूनियां ने तत्काल अमल करते हुये 30 सितंबर 2019 को विधायक कोष से 21 लाख रुपये की अनुशंसा कर दी थी। बागड़ा समाज द्वारा गोनेर में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु विधायक सतीश पूनियां से निरंतर मांग की जा रही थी, जिस पर सतीश पूनिया ने संवेदनशीलता एवं अपने संकल्प का परिचय देते हुये राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी से आग्रह किया, जो पूरे प्रदेश में सांसद कोष स्वीकृत कर सकते हैं। घनश्याम तिवाड़ी ने सतीश पूनिया की अनुशंसा पर उक्त 21 लाख रुपये बागव ऋषि भवन,गोनेर के लिये स्वीकृत कर दिये हैं।

राम की शरण में खाचरियावास

राजस्थान के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने विधानसभा क्षेत्र में ऐसे होर्डिंग और पोस्टर लगवाए हैं, जिनमें "जय सियाराम" लिखा हुआ है। साथ ही खुद का नाम और पद लिखा गया है। इसके अलावा ना तो इसमें कांग्रेस का चुनाव चिन्ह है, ना कांग्रेस का झंडा है। ऐसे में जयपुर में यह चर्चाएं भी सुनी जा रही है, कि क्या मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का कहीं कांग्रेस से मोह भंग तो नहीं हो गया है?

प्रताड़ना से त्रस्त होकर आत्महत्या करने को मजबूर बालिकाएं : डॉ. अल्का सिंह

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का सिंह गुर्जर ने प्रदेश में लगातार बढ़ते महिला अपराधों को लेकर प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर ने कहा कि राजस्थान में नाबालिग बच्चियां दुष्कर्म व प्रताड़ना से त्रस्त होकर सिसकियां भर रही हैं और आत्महत्या करने पर मजबूर हैं। बढ़ती महिला अपराध की घटनाओं के बावजूद प्रदेश की गूंगी बहरी महिला विरोधी कांग्रेस सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही, अब इस महाभ्रष्ट और आततायी कांग्रेस सरकार की विदाई तय हो चुकी है। हाल ही में प्रतापगढ़ जिले में दो आदिवासी नाबालिग बालिकाओं ने छेड़खानी व प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। भरतपुर में टिफिन देने गई नाबालिग के साथ बंद कमरे में गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया, हैरानी की बात यह है कि इस मामले में एफआईआर तक दर्ज नहीं होने दी। इसके बाद प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवार पर पैसे देकर राजीनामा करने का दबाव बनाया। राजस्थान को मर्दों का प्रदेश बताने वाले मंत्री शांति धारीवाल के क्षेत्र कोटा में एक महिला का गला रेत कर हत्या कर दी गई। प्रदेश के किसी भी कोने में महिला, बच्चियां सुरक्षित नहीं है। सड़क, खेत, स्कूल, चिकित्सा स्थल, एंबुलेंस यहां तक पुलिस थानों जैसी जगह पर भी महिलाओं की अस्मत से खिलवाड़ हो रही है, और रक्षक ही भक्षक बने हुए हैं। भाजपा राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीती की है, और सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ा है।

जवाब तलब

जयपुर। हाईकोर्ट ने प्रमुख शिक्षा सचिव और प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को 18 अक्टूबर को अदालत में रिकॉर्ड सहित हाजिर होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि जिन स्कूलों में विशेष विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं, उन स्कूलों में विशेष शिक्षक नियुक्त करने के क्या प्रावधान है। सीजे एजी मसीह और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश दिये।

एशियाई खेलों में एक स्वर्ण सहित पांच पदक जीतने वाली भारतीय स्क्वैश टीम की कोच सुरभि मिश्रा और स्क्वैश स्पर्धाओं के रैफरी धीरज सिंह का जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद रामचरण बोहरा, कर्नल राज्यवर्धन सिंह, विधायक कालीचरण सराफ और पूर्व विधायक राजपाल सिंह शेखावत उपस्थित थे।

पीपलखूंट की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली : राजेंद्र राठौड़

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस के जंगलराज में महिलाओं और बेटियों पर अत्याचार चरम पर है। प्रतापगढ़ जिले के पीपलखूंट में छेड़खानी से परेशान 2 स्कूली छात्राओं द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। यह घटना प्रदेश की लचर-लुंज व्यवस्था पर भी सवालिया निशान है।

राठौड़ ने कहा कि गृह विभाग के मुखिया के रूप में विफल हो चुके अशोक गहलोत के राज में यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी धौलपुर जिले में चार युवकों द्वारा स्कूल से घर लौट रही कक्षा 9वीं की छात्रा से रास्ते में छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया गया था, जिससे आहत और परेशान होकर छात्रा ने घर पहुंचकर आत्महत्या कर ली थी। यही नहीं, डूंगरपुर जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र में 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली 15 साल की नाबालिग गैंगरेप पीड़िता ने घटना से आहत होकर आत्महत्या का प्रयास किया और हनुमानगढ़ में इंसाफ नहीं मिलने के बाद रेप पीड़िता ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली थी। राठौड़ ने कहा कि यह सभी घटनाएं अपराधियों की शरणस्थली बन चुके प्रदेश में महिला विरोधी कांग्रेस सरकार के तमाम दावों की पोल खोल रही हैं। राजस्थान पुलिस मासिक प्रतिवेदन के अनुसार महिला अत्याचार के 38 हजार 936 प्रकरण वर्ष 2023 के जून माह तक दर्ज हुए हैं। जिसमें छेड़छाड़ के 13 हजार 455 मामले दर्ज हुए थे। आज प्रदेश बेखौफ अपराधियों के कारण बहन-बेटियों को आत्म हत्या करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

गैंगस्टर राजू ठेहट हत्याकांड मामले में जेल प्रहरी सहित तीन को जमानत

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने गैंगस्टर राजू ठेहट हत्याकांड से जुड़े मामले में दो जेल प्रहरियों वीरेन्द्र सिंह और योगेश वर्मा सहित महिला सुधा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश तीनों आरोपियों की जमानत याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता लंबे समय से जेल में बंद हैं। ऐसे में अब उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में रखने का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए आरोपियों को जमानत पर रिहा करना उचित रहेगा।

जमानत याचिका में अधिवक्ता दीपक चौहान ने अदालत को बताया कि जेल प्रहरी याचिकाकर्ताओं पर आरोप है कि उन्होंने राजू ठेहट हत्याकांड में शामिल मुख्य षडयंत्रकर्ता कुलदीप को मोबाइल फोन मुहैया कराया था। वहीं याचिकाकर्ता महिला पर हत्याकांड में शामिल शूटर को पचास हजार रुपए और हथियार उपलब्ध कराने का आरोप है। याचिका में कहा गया कि अजमेर जेल हाई सिक्योरिटी वाली जेल है। जहां हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। ऐसे में यह संभव नहीं है कि वहां तैनात याचिकाकर्ता ने कुलदीप को मोबाइल फोन उपलब्ध कराया। इसके अलावा मोबाइल फोन भी बरामद नहीं हुआ है। याचिका में भी कहा गया कि राजू ठेहट की हत्या में याचिकाकर्ताओं के शामिल होने का कोई साक्ष्य भी मौजूद नहीं है। यहां तक की एफआईआर में भी याचिकाकर्ताओं के नाम नहीं हैं। पुलिस ने बाद में आईपीसी की धारा 120बी जोड़कर उनके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया है। वहीं याचिकाकर्ता सुधा पर रुपए और हथियार देने का आरोप है, लेकिन इसकी कोई ठोस साक्ष्य अभियोजन पक्ष के पास नहीं है। याचिकाकर्ता लंबे समय से जेल में बंद है। इसलिए उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका सरकारी वकील की ओर से विरोध किया गया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने तीनों याचिकाकर्ताओं को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

जयपुर में दो आर. ओ. बी. और दो अंडरपास बनेंगे

जयपुर। जयपुर सांसद रामचरण बोहरा के प्रयासों से जयपुर-सवाई माधोपुर लाइन पर रामपुरा एवं शिकारपुरा में 88.94 करोड़ की लागत से दो आरओबी बनेंगे।साथ ही 9.98 करोड़ की लागत से खातीपुरा-कानोता स्टेशन के मध्य लेवल क्रॉसिंग 209 व 210 पर अंडरपास बनाये जाएंगे। दो लेन का आरओबी लेवल क्रॉसिंग नंबर 78 रामपुरा फाटक पर 41.74 करोड़ की लागत से बनेगा।

दूसरा आरओबी लेवल क्रॉसिंग न. 73 शिकारपुर में 47.20 करोड़ की लागत से बनेगा। क्षेत्र वासियों की काफी लंबे समय से आरओबी बनाने की मांग थी। आरओबी ना होने से दोनों ही क्रॉसिंग पर घंटों जाम लगा रहता था।

बी.आर.एस. जयपुर/2023/582
दिनांक- 07.10.2023
बाल रश्मि सोसायटी पंजीकृत संस्था द्वारा ग्राम मानसर-खेडी की कृषि भूमि में से कुछ भूमि संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विक्रय की जा रही है।
सचिव-मो.नं. 9828497862

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य जसवन्त सिंह पुत्र स्व. श्री मगन सिंह 439 जसवन्त नगर, खातीपुरा, जयपुर-302012 के निवासी है, इनके पुत्र भानु प्रताप सिंह व उसकी पत्नी प्रेरणा शेखावत उनके कहने में नहीं है, इसलिए मेरे अभिभाष्य ने इनको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में कोई व्यक्ति/संस्था इनसे संव्यवहार करता है तो मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी, सूचित रहे।
पुरूषोत्तम दास शर्मा, एडवोकेट
दिनांक-07.10.2023 मो.नं. 9784997305

रजि. नं. 2544/ एल दिनांक 31.07.1972
शंकर भवन निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर
ए-4, अल्पना कॉलोनी विस्तार, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर
आम-सूचना दिनांक: 07/10/2023
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि समिति की योजना ग्रीनपार्क B स्थित नॉगल जैसा बोहरा में प्लाट नं. 150 क्षेत्रफल 111.11 वर्गगज दिनांक 13/01/95 को श्री राजेश कुमार शर्मा पुत्र श्री सूरजमल शर्मा के नाम से आवंटन पत्र व रसीद साईड प्लान जारी किये गये थे। उक्त प्लाट के आवंटन पत्र व रसीद हेतु गुमशुदगी करधनी थाने में दर्ज कराई व श्री राजेश कुमार शर्मा के आवेदन के आधार पर डुप्लीकेट आवंटन पत्र व रसीद साईड प्लान के लिए समिति में आवेदन किया है। अत: किसी संस्था या व्यक्ति को ऐतराज हो कार्यालय दिवस में दस दिन में ऐतराज दर्ज करावें वरना मियाद बाद डुप्लीकेट कागजात श्री राजेश कुमार शर्मा के पक्ष में जारी कर दिये जायेगें।
(मंत्री) 9828151759

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-10452 दिनांक- 03.10.2023
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 68/219(HIG), (एरिया 112.00 वर्गमीटर) का आवंटन श्रीमती गीताजली शर्मा पत्नी श्री गोपाल दास शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1278 दिनांक 28.08.1996 को जारी किया गया था। श्रीमती गीताजली की मृत्यु दिनांक 27.12.2022 को हो जाने के कारण उनके पुत्री श्रीमती ललीता शर्मा पत्नी स्व. श्री अमर लाल शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है श्रीमती ललीता शर्मा पत्नी स्व. श्री अमर लाल शर्मा का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य भंवरपाल सिंह पुत्र स्व. श्री चतर सिंह 189-190 महाराणा प्रताप नगर, लाल मंदिर के पास, खातीपुरा, जयपुर-302012 के निवासी है, इनके पुत्र देवेन्द्र सिंह, उसकी पत्नी वंदना राठौड व उसका पुत्र उनके कहने में नहीं है, इसलिए मेरे अभिभाष्य ने इनको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में कोई व्यक्ति/संस्था इनसे संव्यवहार करता है तो मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी, सूचित रहे।
पुरूषोत्तम दास शर्मा, एडवोकेट
दिनांक-07.10.2023 मो.नं. 9784997305

खोया पाया
प्लॉट नं. 77, 76-सी, सुमेर नगर प्रथम, ग्राम-खेजडों का बास, सांगानेर, जयपुर को मूल पट्टा जो कि अंजू कंवर धर्मपत्नी सुरेन्द्र कुमार के नाम था कहीं गुम हो गया है कृपया मिलने पर सूचित करें-8949698688

मेरे प्लॉट नम्बर 23 अरविन्द नगर जगतपुरा के मूल पट्टा, साईड प्लान, स्टाम्प पेपर कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करें। ममता मीना मोबाइल-9811329335

मेरे प्लाट नं. 1-ए, प्लाट नं. 5 हनुमान विहार विस्तार, ग्राम बगरूकलां, जयपुर एवं शॉप नं. 7, 8 शिव विहार, ग्राम बगरूकलां, जयपुर के मूल रजिस्टर्ड विक्रय पत्र मानसरोवर में खो गए है जो कि सोमा देवी अशोक कुमार के नाम से रजिस्टर्ड है कृपया मिलने पर सूचित करें-9828097232

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत जिला जज क्रम 1 जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
जमवारामगढ नव गृह निर्माण सहकारी समिति बाबत भँवर लाल वगै.
दावा बाबत-सैविका की विशिष्ठ अनुपालना
मुकदमा नम्बर दीवानीवाद 110/18
(1) मीना (2) पूजा पुत्रियां वल्द ओम प्रकाश निवासीगण प्लाट 16, रामेश्वर धाम-।। गायत्री सिनेमा के पीछे नायला रोड कानोता, जयपुर।
चूंकि वादी ने इस अदालत में तारीख 16.2.2023को वादी बनाम मृतक ओमप्रकाश दायर की जो कि बाद में फोत हो गया। और चूंकि जिसकी नकल साथ है। मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी ओम प्रकाश मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप कायम मुकाम बनाये जावें।
लिहाजा बजरिये हाजा वगर्ज जवाब देही 4.11.2023 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिये तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजरी में सुना व फैसला किया जावेगा।
बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 4.10.2023 को जारी किया गया।
रीडर ग्रेड-प्रथम
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम.1 जयपुर महानगर द्वितीय

सूचना
क्रमांक-231454 दिनांक- 07.10.2023
सूचित किया जाता है एक दो पहिया वाहन हीरो फैजर जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ14-BV-6195 है। उक्त वाहन राकेश कुमार श्रीवास्तव के नाम से पंजीकृत है तथा श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव का स्वर्गवास दिनांक 30 जुलाई 2023 को जयपुर में हो गया है और उनके बाद उनका पुत्र मेरे अभिभाष्य साकेत श्रीवास्तव पुत्र स्व. राकेश कुमार श्रीवास्तव निवासी सी-291, वैशाली नगर जयपुर कानूनी वारिस होने के कारण उक्त वाहन को अपने नाम से जिला परिवहन कार्यालय जयपुर में ट्रांसफर करवा रहे है, तथा उक्त वाहन का रजिस्ट्रेशन व इंश्योरेन्स साकेत श्रीवास्तव अपने नाम से करवाना चाहते है, अगर किसी भी व्यक्ति संस्था, को उक्त बाबत कोई आपत्ति हो तो मुझे 7 दिन में सूचित करें अन्यथा बाद मियाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे।
दिलीप मौर्य, एडवोकेट, 625, कटेवा नगर, न्यू सांगानेर रोड सोडाला, जयपुर राजस्थान, मोबाईल-9664040683

नाम परिवर्तन
मैंने मेरा नाम श्रीमती विकास कंवर से बदलकर श्रीमती विकास शेखावत रख लिया है। भविष्य में मुझे नये नाम से जाना जावें एवं मेरे सेवाभिलेख में भी नाम संशोधन किया जावें। निवासी 8-ए, केसर नगर, पांच्यावाला, जयपुर

I, hereby confirm that Pranes Sharma and Praneh Sharma both are my name on various documents in future I should be known as Praneh Sharma S/o Lt. Sh.. Peekaj Sharma R/o- Flat No-108, Sunshine Simphony, Jaisinghpura, Jaipur

I have change my name from Ashok Kumar to Ashok Kumar Thawrani s/0 sh. Leela Ram Thawrani R/o 44/177, Rajat Path, Mansarovar Jaipur In future I know and recognised from my new name.

I Have change my name from Aruna Alias Kanchan to Aruna Thawrani W/o Shri Ashok Kumar Thawrani R/o 44/176- 177, Rajat Path, Mansarovar, Jaipur. In future I know and recognized from my new name.

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 4334/2023
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी अर्चना जौहरी पुत्री स्व. श्री नरेन्द्र प्रसाद जौहरी उर्फ नरेन्द्र पी. जौहरी पत्नी श्री राजपाल उम्र 53 वर्ष, वर्तमान पता- मकान नम्बर सी-392-ए, शांति नगर-बी, गुर्जर की थडी जयपुर। पूर्व पता आधार अनुसार 35/72 रजत पथ, मानसरोवर जयपुर मृतक नरेन्द्र प्रसाद जौहरी की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 17.10.2023
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम नरेन्द्र प्रसाद जौहरी उर्फ नरेन्द्र पी. जौहरी पुत्र स्व. श्री बाल मुकंद सहाय सक्सेना उर्फ (बी.एम. सक्सेना) बी-290, शांति नगर गुर्जर की थडी मानसरोवर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 17 माह 10 सन् 2023 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 04 माह 10 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थीया ने मृतक नरेन्द्र प्रसाद जौहरी के नाम प्रार्थना पत्र में वर्णित चल सम्पत्ति बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।
मोहर अदालत
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सैशन न्यायालय जयपुर महानगर-प्रथम

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
संख्या : जीएसयू /जेपी /ईएल/
निविदा सूचना/23-24 दिनांक: 06.10.2023
व.मं.बि.इंजी.(टीआरडी एण्ड जीएसयू), उ.प.रे, जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **एनआईटी संख्या: जीएसयू-जेपी-ईएल एबीएसएस-23-24-11आर. कार्य का नाम:** टीआरडी वर्क इन कनेक्शन विथ प्रपोज्ड एफओबी (फुट ओवर-ब्रिज) एण्ड/ऑर हाई लेवल प्लेटफार्मस् एट रेवाड़ी, खैरथल, अलवर, राजगढ़, बांदीकुई एण्ड दौसा स्टेशनस् ऑवर जयपुर - डीविजन अण्डर अमृत भारत स्टेशन स्कीम। **अनुमानित लागत (रु):** 1,66,16,310.95. **बिड सिक्युरिटि राशि (रु):** 2,33,100/-. **निविदा खोलने की तिथि :** 31.10.2023. **नोटः ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय : निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक । ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय : निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे बाद।** सम्पूर्ण जानकारी के लिये वेबसाइट का पता : **http://www.ireps.gov.in**
1080-AK/23
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

तृतीय पुण्यतिथि

30.08.1972 - 07.10.2020

स्व. श्री शिरिष शर्मा

हर खुशी में कुछ कमी रह जाती है, आँखें थोडी शबनमी रह जाती है।
जिन्दगी को हम कितना भी संवारे बिन आपके कोई ना कोई कमी रह जाती है।

श्रद्धावनत- रिशा-सर्वेश्वर शर्मा (माता-पिता), नमिता-डॉ. अतुल शर्मा (बहन-जीजाजी), पारिजात, सृष्टि (भांजा, भांजी), समस्त परिवार एवं मित्रगण। मो. 9079367552

तीये की बैठक

मेरी धर्मपत्नी
श्रीमती टोमा देवी
धर्मपत्नी श्री महेंद्र कुमार कायथ का निधन दिनांक 6.10.2023 को हो गया। तीये की बैठक दिनांक 08.10.2023 रविवार को सांय 4 से 5 बजे निवास स्थान- म. नं. S 18, तेल मील की गली, अमृतपुरी, घाट गेट, जयपुर पर होगी।
शोकाकुलः- उमराव मल कायथ (जेठ), शंकर- मधु (देवर- देवरानी), संजय- सुमन, सोनू- सुमन, मोनू- ममता, कुलदीप- रजनी (पुत्र- पुत्रवधू), वंश कार्तिक, यश, देवांश, परी, टीना (पौत्र, पौत्री) एवं समस्त कायथ परिवार। 9928491518

हमारे पूजनीय पिताजी
श्री कजोड मल चांदोलिया
का स्वर्गवास दिनांक 06.10.2023 को हो गया है, जिनकी तीये की बैठक आज दिनांक 08.10.2023 को सांय 4:00 से 5:00 बजे तक हमारे निवास स्थान चांदोलियों की ढाणी, वार्ड नंबर 45, चौमू पर होगी।
शोकाकुल- जयनारायण (पुत्र), अशोक, धर्मेंद्र, जितेंद्र (पौत्र), ईशान (पड़पौत्र), ईश्वर जी, रामसहाय जी, श्रवण जी, रामनाथ जी, सुवालाल जी, रामरतन जी, देवनारायण, नरेंद्र कुमार, हरभजन, खेमचंद, रामकिशोर, रामदयाल एवं समस्त चांदोलिया परिवार। फर्मः- अशोका इलेक्ट्रिकल्स सीकर रोड, चौमू। मोबाइलः- 9414522880

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

दुनिया को बदलना है तो स्वयं पर विश्वास करना होगा : डी.बी.गुप्ता

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सूचना आयुक्त डी.बी. गुप्ता ने कहा कि दुनिया को बदलना है तो स्वयं पर विश्वास करना जरूरी है। लक्ष्य को सावधानीपूर्वक तय करो और उस पर ध्येय बनाओ। योजनाबद्ध तरीके से कार्यों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि विचार दूर तक जाते है, शब्द गौण है। हमारी सोच हमारी दिशा तय करती है।

डी.बी. गुप्ता शनिवार को यहां रामकृष्ण मिशन परिसर में रामकृष्ण मिशन के 125वें जयन्ती कार्यक्रमों के समापन अवसर पर हमारे राष्ट्र के निर्माण में स्वामी विवेकानंद का योगदान विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवाओं को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के संबंध में टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि दूसरों से अलग करने की कोशिश करो। शार्टकट कभी फायदा नहीं देगा। जिज्ञासा जीवन में महत्वपूर्ण है।

- **'स्वामी विवेकानंद का जीवन चरित्र प्रेरणा का स्त्रोत'**

उन्होंने रामकृष्ण मिशन परिसर की 1968 से 1976 की अपनी यादों का ज़िक्र किया। उन्होंने अपने दादाजी स्वर्गीय भूषण गुप्ता का ज़िक्र करते हुए अपने जीवन में उनके प्रभावों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों ने बचपन में ही मुझे प्रभावित किया और उनके बल पर आगे बढ़ा। प्रारंभ में प्रमुख शासन सचिव सहकारिता श्रेया गुहा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वामी विवेकानंद के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्य सूचना आयुक्त डी.बी. गुप्ता के व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला।

रामकृष्ण मिशन दिल्ली के सचिव स्वामी सर्वलोकानंद ने कहा कि भारत की आध्यात्मिकता एवं धर्म प्राचीन है। उसे भूलने से पतन अवस्था आती है। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि भारत फिर उठेगा, भारत फिर बढ़ेगा और वह अतीत के गौरव से भी आगे बढ़ेगा। चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग ने भारत की प्रतिभा का परिचय कराया है।

मुख्य सूचना आयुक्त डी.बी. गुप्ता ने शनिवार को रामकृष्ण मिशन परिसर में रामकृष्ण मिशन के 125वें जयन्ती कार्यक्रमों के समापन अवसर पर संबोधित किया।

16 फ्लैट्स वाली पांच मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग पुनः सील

सोडाला की राम नगर कॉलोनी में जीरो सेटबैक पर बनाई गई इस अवैध इमारत को जेडीए ने 22 दिसंबर 2020 को सीज किया था

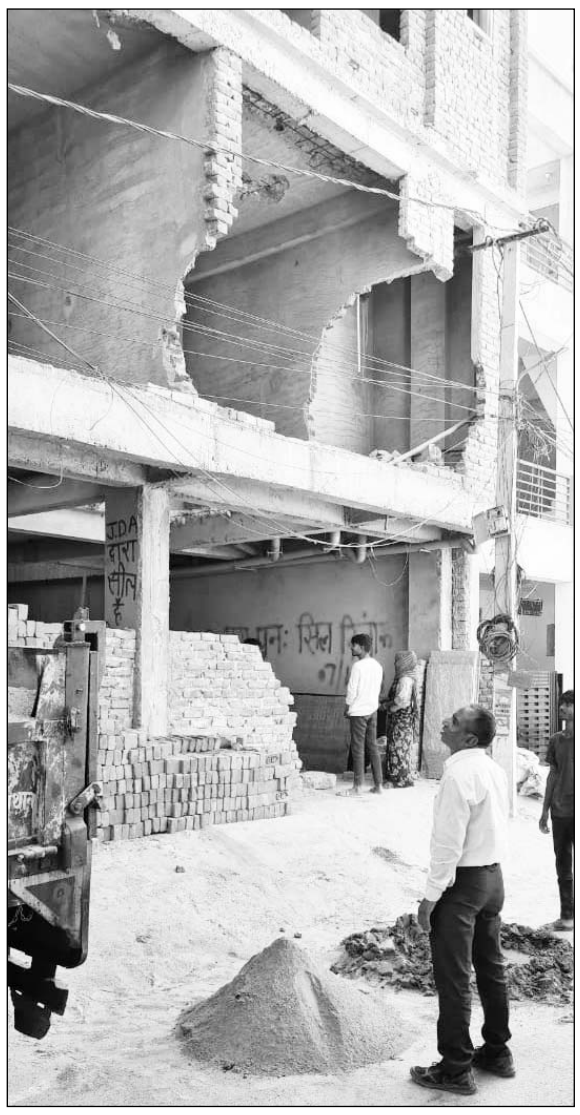

- बिल्डर ने जेडीए द्वारा बनाई गई ईंटों की दीवार व सील तोड़कर शुरू कर दिया था अवैध निर्माण
- दो दिन पूर्व गश्त के दौरान बिल्डर की कारगुजारी सामने आयी तब जेडीए ने सोडाला थाने में मुकदमा दर्ज कराया और शनिवार को इमारत सीज की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जेडीए की प्रवर्तन टीम ने सोडाला स्थित रामनगर कॉलोनी में कार्रवाई कर 16 फ्लैट्स वाली निर्माणाधीन पांच मंजिला इमारत को सीज किया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि सोडाला की रामनगर कॉलोनी के शिवपथ पर भूखंड़ संख्या 51 व 51ए पर अवैध निर्माण हुआ है। इन दोनों भूखंडों की करीब 353.33 वर्गगज जमीन पर निर्माणकर्ता ने पांच मंजिला निर्माण कर 16 फ्लैट्स बना लिए, जल्द ही इनकी फिनिशिंग करके बेचने की तैयारी थी।

निर्माणकर्ता ने जीरो सेटबैक पर बिल्डिंग बनाकर उसमें धज्जे व एलिवेशन सड़क सीमा में निकाल लिए। जेडीए प्रशासन ने 7 दिसंबर 2022 को भूखंड़ मालिक को नोटिस देकर अवैध निर्माण बंद कराया था और निर्माण सामग्री जब्त की थी। जेडीए के नोटिस के बावजूद भी बिल्डर ने अवैध निर्माण बंद नहीं किया, उल्टा तेजी से निर्माण कार्य करवाते हुए 16 फ्लैट्स को बेचने की तैयारी करने लगा। इस पर जेडीए ने 20 दिसंबर को लोखण्डा जेसीबी मशीनों व मजदूरों की सहायता से ध्वस्तीकरण की कार्यवाही शुरू की और 22 दिसंबर को बिल्डिंग के शेष हिस्से में ईंटों की दीवार बनाकर सील किया।

धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि दो दिन पूर्व 5 अक्टूबर को गश्त के दौरान सामने आया कि भूखण्ड मालिक रमाकान्त शर्मा, शशी कान्त शर्मा और कमल कान्त ने जेडीए द्वारा चुनवाई गई ईंटों की दीवार को तोड़कर व खुर्द-बुर्द कर भूखण्ड के अन्दर अवैध निर्माण पुनः शुरू कर दिया। इस पर जेडीए टीम ने अवैध निर्माण पुनः रूकवाया और 6 अक्टूबर को सोडाला पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवायी। इसके बाद शनिवार को पुनः जेडीए टीम ने अवैध बिल्डिंग को सीज किया।

इसके अलावा जेडीए टीम ने आगरा रोड पर इकोलॉजिकल जोन में सुमेल रोड के पास जेडीए स्वामित्व की 5 बीघा सरकारी भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से बनाई गई पत्थर की पट्टियां, टीनशेड, मलबा, छप्पर और लोहे की थडी हटाई। जोन उपायुक्त-10 को पत्र लिखकर इस जमीन का सदुपयोग करने को कहा।

'आचार संहिता के दौरान निष्पक्षता से काम करें'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि आगामी विधान सभा चुनाव के मध्यनज़र आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की शत प्रतिशत पालना सुनिश्चित करते हुए निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करें।

मुख्य सचिव शनिवार को शासन सचिवालय के क़ॉन्फ्रेंस हॉल में इस संबंध में प्रमुख विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव के साथ आयोजित बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। शर्मा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में अधिकारी टीम भावना से आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि निर्वाचन आयोग के मापदण्डों के अनुरूप निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक चुनाव सम्पन्न हो सकें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आयोग के निर्देशों की अक्षरशः पालना करते कार्य करना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि आम नागरिकों को मूलभूत आवश्यकताओं के लिए परेशान नहीं होना पड़े।

बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि चुनाव के दौरान आचार संहिता का कहीं भी उल्लंघन नहीं हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। इस दौरान उन्होंने प्रजेंटेशन के माध्यम से आचार संहिता के दौरान किए जाने वाले आवश्यक कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता प्रभाव में रहने की अवधि में विभिन्न विभागों द्वारा स्पष्टीकरण व शिथिलता संबंधी प्रकरण प्राप्त होने पर इनका मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित स्क्रीनिंग समिति द्वारा परीक्षण किया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य वीनू गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व, अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण शिखर अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विलुप्त होती वनस्पतियों और जीवों को प्रदर्शनी में दर्शाया

जयपुर, (का.सं.)। कम्यूनिटी आर्ट प्रोजेक्ट थ्रेटेंड स्पीशीज थ्रेटेंड स्पेसेस पर आधारित आर्ट एग्जीबिशन का जयपुर के विद्याधर नगर स्थित किशन बाग में शुभारंभ हुआ। यह एग्जीबिशन 15 अक्टूबर तक लगेगी। एलायंस फ्रांसेस जयपुर द्वारा आयोजित इस एग्जीबिशन में फ्रेंच आर्टिस्ट एवं पर्यावरणविद् अनाइस ब्यूलियू का आर्ट वर्क शोकेस किया जा रहा है, जो उन्होंने स्थानीय महिलाओं के लिए साथ मिलकर प्लास्टिक थैलियों विशेषकर चिप्स के पैकेट, प्लास्टिक वेस्ट पर एम्ब्रॉयडरी के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया है। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन विभाग, अरिजीत बनर्जी उपस्थित रहे। यह प्रोजेक्ट फ्रैंच इंस्टीट्यूट पेरिस और द फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया द्वारा समर्थित है। प्रोजेक्ट का उदेश्य स्थानीय समुदायों के बीच पर्यावरण और लुप्तप्राय स्थानीय वनस्पतियों और जीवों को बचाने के लिए जलवायु संकट के बारे में जागरूकता पैदा करना है। एलायंस फ्रांसेस ऑफ जयपुर, निदेशक, संजना सरकार ने कहा कि यह प्रोजेक्ट कलात्मक प्रतिरोध है। वैश्विक जलवायु संकट एक दिन में हल नहीं होगा, और इसकी संभावना भी कम है कि कोई एम्ब्रॉयडरी प्रोजेक्ट हमें उस दिशा में ले जाएगा।

सार-समाचार

क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

झोटवाड़ा स्थित उच्च माध्यमिक बालिका स्कूल में आयोजित 67वीं जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेताओं को पार्षद लादूराम दुलारिया ने सम्मानित किया।

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा स्थित उच्च माध्यमिक बालिका स्कूल में आयोजित 67वीं जिला स्तरीय प्रतियोगिता (अंडर 17 से 19 वर्ष) में छात्राओं ने क्रिकेट प्रतियोगिता भाग लिया। विजेता और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वॉर्ड 31 के पार्षद लादू राम दुलारिया, कैलाश गुरुजी, रामकुमार शर्मा, रामधन सरसूरनिया, कैलाश बसोटिया, राजेंद्र पाटोदिया, झोटवाड़ा व्यापार मंडल के अध्यक्ष शंकर खंडाल, व्यापार मंडल महामंत्री मनोज सिंह चौहान, राजू बृजवासी, ब्लॉक कांग्रेस सचिव बलवीर सिंह जाटोलिया, रमेश कुमार, अनिल उमरवाल, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अर्जुन लाल बुनकर, प्रिंसीपल व कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने वाले शिक्षक नन्द किशोर जाट मौजूद रहे।

जयपुर डेंटल शो की वेबसाइट शुरू

जयपुर, (का.सं.)। इण्डियन डेंटल एसोसिएशन हेड ऑफिस मुंबई द्वारा आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय दन्त कार्यशाला व जयपुर डेंटल शो की वेबसाइट की शुरुआत जयपुर में एक समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर.यू.एच.एस. जयपुर के वाईस चांसलर डॉ.सुधीर भंडारी व समारोह अध्यक्ष इण्डियन डेंटल एसोसिएशन हेड ऑफिस मुंबई के आनेरी सेक्रेटरी जनरल डॉ.अशोक धोबले ने की। वेबसाइट हेतु डॉ.निशांत गुप्ता व डॉ धीरज गुप्ता का सहयोग रहा। इस अवसर पर आईडीए राजस्थान के अध्यक्ष डॉ प्रदीप जैन ने अतिथियों का स्वागत किया व अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला व जयपुर डेंटल शो के बारे में जानकारी दी। आईडीए राजस्थान के सचिव डॉ.जे.एस. वालिया ने बताया कि यह कार्यशाला दो व तीन दिसंबर को जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होगी। इस में देश व विदेश के प्रसिद्ध दन्त चिकित्सक अपने व्याख्यान देंगे। मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर भंडारी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से राजस्थान की जनता व दन्त चिकित्सक लाभान्वित होंगे। उन्होंने इस कार्यशालाव डेंटल शो की सफलता के लिए आयोजकों को शुभकामनाएँ दी। समारोह अध्यक्ष डॉ.धोबले ने आईडीए हेड ऑफिस मुबई द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यक्रमों -स्कूल डेंटल हेल्थ,टोबैको इरेडिकेशन ,सीडीई आदि की जानकारी दी व जयपुर में होने वाले इस कार्यक्रम में राजस्थान से अधिक से अधिक दन्त चिकित्सकों को जुड़ने का आव्हान किया।

गहरी खाई में कार गिरी, एक की मौत

जयपुर । ब्रह्मपुरी इलाके में नाहरगढ़ की पहाडियों से उतर रही कार के 200 फीट गहरी खाई में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर एसीपी आमेर, थानाधिकारी ब्रह्मपुरी और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। सिविल डिफेंस की मदद से चारों को बाहर निकाला गया। चारों को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने मध्यप्रदेश निवासी सुधीर कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं मध्यप्रदेश निवासी अभिषेक जैन गंभीर रूप से घायल हैं। दो अन्य को प्राथमिक इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजन को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बताया कि चारों खाटू श्याम से घूमने के बाद नाहरगढ़ घूमने के लिए पहाड़ी पर चढ़ गए। रात को लगभग 11.30 बजे उतरते समय घुमाव पर असंतुलित होकर उनकी कार खाई में गिर गई। राहगीर ने मामले की सूचना कंट्रोल रूम में दी। जिसके बाद घटना के बारे में जानकारी ब्रह्मपुरी पुलिस को मिली। घटना की गंभीरता को भांपते हुए मौके पर सिविल डिफेंस को मौके पर बुलाया गया। पुलिस और सिविल डिफेंस ने मिलकर शनिवार 1.30 बजे सुबह तक घायलों को सैकडों फीट गहरी खाई में नीचे उतर कर रेस्कयू किया। उन्हें अस्पताल पहुंचाया। पुलिस प्रशासन ने देर रात पर्यटकों को खाई से निकाला। चारों सवारियों को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन गहराई के कारण अभी तक वाहन नहीं निकाला जा सका है।

जगदीश सोमानी प्रदेश महासचिव बने

जयपुर, (का.सं.)। जनता की आवाज फाउंडेशन की एक मीटिंग आज 3 बजे विश्वकर्मा रीक्रिएशन क्लब पर संपन्न हुई जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष सुंदर बोथरा राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण कुमार नरेडा तथा डॉक्टर मोतीलाल गुप्ता राष्ट्रीय सचिव एवं विपिन कुमार गुप्ता राष्ट्रीय सलाहकार उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में मोहनलाल गुप्ता पूर्व एम.एल.ए. एवं प्रथम महापौर जयपुर की अध्यक्षता में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। जनता की आवाज फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य एक राष्ट्र एक नाम भारत और भारत को भारत ही बोला जाए यह इसका मुख्य उद्देश्य के साथ इस संस्था की स्थापना हुई तथा पूरे भारत में इसकी शाखाएं हैं इसके राजस्थान प्रांत के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण अग्रवाल के द्वारा राजस्थान प्रांत की पूरी कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें प्रदेश महासचिव के रूप में जगदीश सोमानी जो की पूर्व अध्यक्ष विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन फोर्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष को महासचिव की जिम्मेदारी मिली।

ज्वैलरी पर लिखी किताब का प्रकाशन

जयपुर, (का.सं.)। हाल ही में हरियाणा के दीपमिष्ठी पब्लिकेशन से डॉ. नीरू जैन और डॉ. स्वाति फोफलिया द्वारा लिखित किताब मेटल डेकोटेशन टेक्नीक्स प्रकाशित हुई है। उन्होंने इस पुस्तक को एक महत्वपूर्ण सतह सजावट (सरफेस डेकोरेशन) के एक महत्वपूर्ण संग्रह के रूप में प्रस्तुत किया है, चाहे वो सोना हो, चांदी हो, या नकली गहने हो। इस पुस्तक में शामिल विभिन्न प्रकार तकनीकों एवम् सुंदर चित्रों की व्यापक रेंज इसके शीर्षक को सार्थक करती है और शिक्षण के उद्देश्यों के लिए मूल्यवान बनाती है। डॉ. नीरू जैन और डॉ. स्वाति फोफलिया ज्वैलरी डिज़ाइन उद्योग में प्रसिद्ध व्यक्तित्व हैं। इसके अलावा, वे रत्नों और ज्वैलरी के अध्ययन के बारे में भी अच्छे ज्ञान रखते हैं। यह पुस्तक आभूषण जगत के शौकीनों, पेशेवरों और सलाहकारों या किसी अन्य इच्छुक पाठक के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका के रूप में कार्य कर सकती है जो धातुओं की आकर्षक दुनिया और उनकी सजावट में शामिल कला और शिल्प में गहराई से उतरना चाहते हैं।

''हैप्पीनेस और वेल बीइंग'' सैशन

जयपुर। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट जयपुर के निदेशक डॉ. प्रभात पंकज ने शिल्पग्राम, जवाहर कला केंद्र, जयपुरमें आयोजित एसके फाइनेंस वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट में ''हैप्पीनेस और वेलबीइंग'' विषय पर एक प्रभावशाली भाषण दिया। यह एक आनंददायक और जीवंत अनुभव था, जिसने सभी को उत्साहित कर दिया। आकर्षक गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से, उन्होंने खुशी, कल्याण और दीर्घायु के लिए कार्यों में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की। उन्होंने इस बात के महत्व पर जोर दिया कि हम अपने दैनिक जीवन में खुशी को कैसे देखते हैं और उसका अनुसरण कैसे करते हैं। डॉ. पंकज का मार्गदर्शन मन, हृदय और आत्मा तक विस्तारित हुआ, जो खुशी प्राप्त करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है।

मंत्रालयिक कर्मियों में आक्रोश

जयपुर (कासं)। मंत्रालयिक एकता मंच ने आवश्यक बैठक कर मंत्रालयिक संवर्ग की वेतन विसंगतियों को दूर नहीं किए जाने पर राज्य सरकार के प्रति कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है।

प्रदेश कोर कमेटी सदस्य गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि मंत्रालयिक कर्मचारी निरंतर आंदोलन कर रहे हैं। इस वर्ष भी कई बड़े आंदोलन हुए। इसके बावजूद सरकार द्वारा कनिष्ठ सहायक के काटे गई वेतन की बहाली और सचिवालय पैटर्न लागू करने की मांग पूरी करने की बजाए एक ऐसा संशोधन किया गया जिसकी कोई मांग नहीं की गई थी। किसी भी संगठन की 6600 ग्रेड पे किए जाने की मांग नहीं थी। मंत्रालयिक एकता मंच ने इस पर भी विरोध जताया कि जब सरकार के पास पूरा समय था, फिर कर्मचारी मांगों के निराकरण के लिए आचार संहिता लगने से चंद दिन पहले का समय ही क्यों चुना गया। इससे स्पष्ट है कि सरकार की इच्छा मात्र घोषणाएं करना है, न कि किसी भी आदेश को लागू कर कर्मचारियों को आर्थिक लाभ देना। मंत्रालयिक संघर्ष समिति ने पिछले साल 11 नवंबर को शहीद स्मारक पर एक बड़ी सभा आयोजित की गई थी जिसमें सरकार के प्रतिनिधि भी आए थे और उन्होंने हजारों कर्मचारियों को विश्वास दिलाया था कि वह सचिवालय पैटर्न के लिए सरकार में उनकी पैरवी करेंगे। इसके बावजूद आज मंत्रालय कर्मचारी अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। इस साल भी 17 अप्रैल को मुख्यमंत्री निवास पर मंत्रालयिक एकता मंच के शिष्टमंडल को धर्मेंद्र सिंह राठौड की उपस्थिति व पैरवी में अशोक गहलोत ने भी 4200 ग्रेड पे करने का आश्वासन दिया था। राठौड़ ने बताया कि कनिष्ठ सहायक को आरंभिक वेतन 25500 दिया जाना उसका हक है। मंत्रालय की एकता मंच के प्रदेश प्रवक्ता देवेंद्र सिंह नरूका ने बताया सरकार द्वारा लगभग एक लाख कर्मचारियों की उपेक्षा की गई।

सिर्फ मुनाफा कमाना मेरा मकसद नहीं, जन कल्याण है असली लक्ष्य : बाबा रामदेव

जयपुर (कासं)। बाबा रामदेव ने कहा कि इस देश की गौरव और गरिमा को बढ़ाने के असली लक्ष्य के साथ मैंने पतंजलि की नींव रखी थी। आप जब किसी के लिए अच्छा करने निकलते हो तो सबसे पहले आपका अच्छा होता है, कुछ इस अन्दाज़ में रामदेव बाबा ने जयपुर में शनिवार को जीतो के आयोजित कार्यक्रम में सैशन के दौरान प्रश्नों का जवाब दिया।

अनिल सिंघवी, नवनीत मनोत, समीर अरोड़ा के साथ आयोजित हुए सैशन के दौरान रामदेव बाबा ने ऑडीयन्स में मौजूद सभी लोगों को स्वस्थ शरीर और मन रखने के तरीक़े बताए। इस दौरान उन्होंने युवाओं को केंद्रित करते हुए कहा कि देश आज जिस महान जगह पर पहुँच रहा है, उसमें युवाओं की सबसे बड़ी भागीदारी है, भारत के सभी युवा अपने कर्म को अपना धर्म बनाए। जीतो का उद्धरण देते हुए उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और आगे बढ़ने के साथ ही माँगने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनो, सच्चाई के

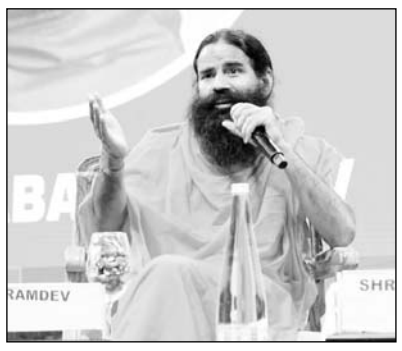

बाबा रामदेव

साथ अपना लक्ष्य पाओ और समाज के लिए मूल्यवान बनो। साथ ही उन्होंने सभी को अपना ग़ुस्सा शांत रखने को कहा, जिसके लिए सांस लेने की तकनीक और योगिक क्रियाएं बतायी। इसी के साथ सभी को अंधविश्वास से दूर रहते हुए कहा कि आदमी पर कोई भूत-प्रेत नहीं चढ़ता, उनका बुरा कर्म ही चढ़ता है।

उधर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन और संगीता लालवानी के बीच हुए संवाद के दौरान अदाकारा ने बताया कि मेरी सिनेमा की यात्रा असल में अद्भुत है, ये देखते हुए कि मैं फ़िल्मी परिवार से नहीं हूं। मैंने अपने एक्ट्रेस बनने के सपने के बारे में जब अपने परिवार को बताया तो वे मेरे लिए काफ़ी फ़िक्रमंद थे जो कि जायज़ भी था। सेंट ज़ेवियर में अपनी पढ़ाई पूरी करने के दौरान मुझे शो ''हम पांच'' का ऑफ़र आया। जिसके बाद बॉलीवुड की ओर रुख़ करने की कोशिश की मगर कभी जीत कठनाइयों के बिना मिलती है। एक साथ एक दजन फ़िल्मों से निकाले जाने के बाद परिणिति जैसी फ़िल्म मिलना ऐसा था मानों भगवान ने हाथ थाम लिया हो।

राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों ने जीते पदक

जयपुर । राज्य के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने एशियाड में अब तक राजस्थान पुलिस के 6 खिलाड़ियों सहित राजस्थान के 12 पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

मिश्रा ने खिलाड़ियों के साथ ही उनके प्रशिक्षकों, खेल अधिकारियों और टीम प्रबन्धकों को भी इस उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि एशियाड पदक विजेता राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों ने पुलिस के साथ ही प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उल्लेखनीय है कि एशियाड में अब तक राजस्थान पुलिस के 6 खिलाड़ी पदक जीत चुके हैं। एशियाड में स्वर्ण पदक विजेता पुरुष

कबड्डी टीम में सचिन तंवर राजस्थान पुलिस में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। महिला कबड्डी स्वर्ण पदक जीतने वाली 12 खिलाड़ियों की टीम में 4 खिलाड़ी उपनिरीक्षक निधी शर्मा, सुषमा शर्मा, प्लाटून कमांडर साक्षी कुमारी एवं मुस्कान मलिक राजस्थान पुलिस की हैं। उपाधीक्षक शालिनी पाठक इनकी कोच है। राजस्थान पुलिस की ही उपनिरीक्षक किरण बालियान ने शॉटपुट में कांस्य पदक जीता है।

''जिओ उत्सव-सेलिब्रेशन ऑफ इंडिया'' सेल आज से

जयपुर (कासं)। जियोमार्ट के ''जिओ उत्सव-सेलिब्रेशन ऑफ इंडिया'' सेल 8 अक्टूबर से शुरू होगी।

इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, होम एंड किचन, फैशन एंड लाइफस्टाइल, ब्यूटी, एफएमसीजी, किराणा व कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समेत कई श्रेणियों में छूट ऑफर्स मिलेंगे। इस प्लेटफॉर्म पर 2 मिलियन से ज्यादा सलेक्शन शामिल किए गए हैं, ताकि ग्राहकों को कोई भी प्रोडक्ट चुनने के लिए कई विकल्प मिलें। ''जिओ उत्सव-सेलिब्रेशन ऑफ इंडिया'' सेल के तहत प्रत्येक 24 घंटे में फ्लैश डील के साथ-साथ लगभग सभी कैटेगरी में 50 से 80 प्रतिशत तक की छूट के ऑफर्स उपलब्ध रहेंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स पर 70 प्रतिशत की छूट रहेगी, जिसके तहत ग्राहक 48 घंटे के भीतर मुफ्त इंस्टॉलेशन की सुविधा पा सकेंगे। इसी प्रकार स्मार्टफोन पर 15 हजार रुपये तक का एक्सचेंज बोनस मिलेगा। ग्राहकों को 12 महीने तक की नो-कॉस्ट ईएमआई जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी।

शाहपुरा कलेक्टर को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया

- कलेक्टर टीकाराम बोहरा शुक्रवार को सड़क हादसे में घायल हो गए थे

जयपुर । शाहपुरा (भीलवाड़ा) के जिला कलैक्टर टीकाराम बोहरा के शुक्रवार को सड़क हादसे में घायल होने के बाद शनिवार को ग्रीन कोरिडोर बनाकर जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालात स्थित है और ट्रोमा न्यूरो सर्जरी आईसीयू में उनका इलाज जारी है।

पुलिस उपायुक्त यातायात जयपुर प्रहलाद सिंह कृष्णियाँ के निर्देशन में यातायात पुलिस ने अजमेर रोड के व्यस्ततम यातायात एवं सडक पर चल रहे निर्माण कार्य में बावजूद ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एम्बुलेंस को ट्रोमा सेन्टर एसएमएस अस्पताल पहुंचाया। कृष्णियाँ ने बताया कि शाहपुरा जिला कलेक्टर टीकाराम बोहरा को उपचार के लिए शाहपुरा हॉस्पीटल से एसएमएस ट्रोमा सेन्टर लाये जाने और जयपुर सीमा में आने पर अजमेर रोड से ट्रोमा सेन्टर तक ग्रीन कॉरिडोर उपलब्ध कराये जाने की सूचना प्राप्त हुई। इस पर यातायात पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया गया। जयपुर सीमा में लगभग सवा चार बजे आई एम्बुलेंस को यातायात पुलिस द्वारा बनाये गये ग्रीन कॉरिडोर से समय लगभग पौने पांच बजे ट्रोमा सेन्टर पहुंचाया। इस मार्ग की दूरी लगभग 38 किलोमीटर को मात्र 31 मिनिट में तय किया गया। उधर एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि टीकाराम बोहरा को ट्रोमा सेंटर के न्यूरो सर्जरी आईसीयू में भर्ती किया गया है। जहां उनका विशेषज्ञ डॉक्टर्स की देखरेख में इलाज चल रहा है। हालांकि उनकी हालात स्थित बनी हुई है। उनके सिर में चोट है।

जयपुर के निजी अस्पतालों में बंद रही मेडिकल सेवाएं

निजी अस्पतालों में उपचार के लिए मरीज परेशान हुए, जांच सेंटर भी नहीं खोले

- निजी चिकित्सकों व अस्पतालों ने आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने तक आंदोलन व मेडिकल बंद रखने का निर्णय लिया।
- जे.एम.ए. से मोतीडूंगरी गणेश मंदिर तक आज रैली निकाली जाएगी

जयपुर । राजधानी के फोर्टिस हॉस्पीटल में मरीज और डॉक्टर्स के बीच मारपीट की घटना के विरोध में शनिवार को शहर के लगभग सभी निजी अस्पताल में ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं बंद रही। इसके कारण 400 से ज्यादा प्राइवेट अस्पतालों और छोटे-बड़े नर्सिंग होम में मरीज परेशान होते रहे। इधर, निजी चिकित्सकों ने मामले में पुलिस कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए आरोपियों की गिरफ़्तारी नहीं होने तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है।

दरअसल, शुक्रवार को जयपुर के फोर्टिस हॉस्पिटल में डॉक्टर से हुई मारपीट की घटना का प्राइवेट डॉक्टर्स और अस्पतालों ने शनिवार को मेडिकल बंद का आव्हान किया। घटना के विरोध में शनिवार को जयपुर के लगभग सभी निजी अस्पतालों में ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं बंद रखी गई। इसके साथ ही डायग्नोस्टिक सेंटर भी बंद रहे। जयपुर शहर में 400 से ज्यादा निजी छोटे-बड़े नर्सिंग होम, हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज संचालित है। हालांकि बड़े हॉस्पिटल जैसे महात्मा गांधी, दुर्लभजी समेत अन्य ने अपनी इमरजेंसी सेवाओं को शुरू रखा।

प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के प्रेसिडेंट डॉ. विजय कपूर ने बताया कि जयपुर के समस्त चिकित्सा संस्थान संपूर्ण रूप से बंद रहे व आपातकालीन सेवाएँ भी स्थगित रही। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा इस मामले में की गई कार्रवाई से उन्हें अवगत कराया गया। आरोपियों को समुचित धाराओं के तहत डिटेन करने के साथ यथोचित क़ानूनी कार्रवाई की गई है। वहीं मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट-2008 की धारा 3/4 के तहत मुक़दमा दर्ज कर लिया गया है।

डॉ. कपूर ने बताया कि मामले को लेकर चिकित्सकों की जेएमए सभागार में बैठक हुई। इसमें पुलिस कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आरोपियों की गिरफ़्तारी नहीं होने की सूरत में हड़ताल जारी रहेगी। वहीं रविवार को सुबह 11 बजे जेएमए से मोतीडूंगरी गणेश मंदिर तक रैली निकाली जाएगी।

ARBiT
it happens here...

World Octopus Day

Octopuses are worthy of appreciation for a number of reasons. First of all, they are one of the earth's great survivors. Indeed, despite their relatively short lifespan, octopus fossils date back more than 300 million years, meaning that they pre-date even dinosaurs. They are also believed to be highly intelligent. With around 500 million neurons located in their brains and arms, they are able to bypass their instincts, learn lessons and solve problems. Some of them have even been seen to be creative, by using discarded coconut shells and making them into mobile homes. Ingenious!

राष्ट्रदूत
SUNDAY
08 October 2023
A-B

Neerja Chowdhury
(Multimedia journalist and editor)
Published by Aleph book company
Promoted by Rupa Publications India

Lantern-lit boats
Littered on the sea
Which one will take me?

Towards the end of his life in 2003, strapped to a hospital bed in Apollo Hospital in New Delhi, V. P. Singh read out to me a couple of poems he had written. 'One morning I woke up very early, and looked out of the window,' V. P. Singh mused, 'I saw lantern-lit boats sail towards me.' He was at the time staying at the Raj Bhavan in Mumbai by the seaside. These were small boats out at the sea with lights on them.... In our religion and mythology, they say you undertake your last journey by boat.'

VP's kidneys had got damaged in 1994 after a dharna at Mumbai's Flora Fountain. He was now tied to the dialysis machine every second day. Then he got myeloma, a form of blood cancer, which damaged 50 per cent of his bone marrow. The doctors advised chemotherapy—but he managed to avoid it. He was in a reflective mood that day. Suddenly, he said, 'All my life I scribbled.' 'Now,' he added, 'I need an eraser.' 'You come to a stage when you ask—what is the meaning of all this?' After going out of power in 1990, he had gone back to painting and writing poetry, which he had started to do in his earlier years—first in Hindi, then in English, between interludes of dialysis.

The Mandal messiah was looking back at his life's journey. Some of the images he saw now inhabited his poems. 'I used to play with paper boats in my childhood.... When you are finishing your journey, you are reminded of your... paper boats.'

Suddenly I found afloat
My childhood paper boat
It signalled 'Come it's time to go.'

Mandal Kamandal

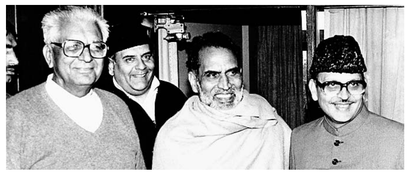

Vishwanath Pratap Singh was arguably the most controversial prime minister India has had. Undoubtedly, he was chain or politically crafty—and he could be tough. But there was also an emotional side to him, which his poetry reflected—and it defined this complex personality. VP was a contradiction in many ways—feudal and yet not feudal, a loyalist and rebel at the same time, a man of character and a political hypocrite. Many who knew him well said that it was impossible to know the 'real' VP or where his loyalties lay. While he was a loyalist par excellence in the early phase of his political career, he would often say in later years that there was 'no such thing as loyalty in politics', it was all about the convergence of interests.

What V. P. Singh did, no one else who had left the Congress over the years had managed to do. Neither Chandra Shekhar, nor Sharad Pawar, nor Ramkrishna Hegde, nor Mamata Banerjee, nor Jagan Mohan Reddy. They too had, like VP, severed relations with the Congress leadership in the 1970s, 1980s, and 1990s in the last century, and also in the twenty-first century. Hegde, Pawar, Banerjee, Reddy went on to replace the Congress in their states and became chief ministers, ironically sometimes in alliance with the Congress they had quit. Chandra Shekhar had become prime minister at the head of a rump supported by the larger, domineering Congress. But none had managed to create a national alternative to the Congress—like VP did, though it lasted just under a year. He brought together almost all the anti-Congress forces, of the Right, Left, Centre, and the regional parties on one platform in the first truly national coalition.

It was a three-tiered arrangement, in what was a rare show of Opposition unity. He gave the regional parties a stake in national governance at the centre. 'Even when the DMK did not have a single MP, I brought it into the cabinet,' he would say. 'The idea was that once they start to participate in the management of the country, there would be no fissiparous tendencies.' He saw this as one of his major achievements. Mandal speeded up the downfall of the Congress Party which fell between the two stools of caste and community, popularly referred to as the 'Mandal versus Kamandal' face-off.

Breaking the 'hegemony' of the Congress Party, VP inflicted such a body blow on the Congress that the grand old party of India—which had ruled the country for four decades, until VP took over (barring the interregnum when the Janata Party ruled (1977–79)—never recovered after that. Nor did it get a majority on its own. P. V. Narasimha Rao came to power in 1991 at the head of a minority government and Manmohan Singh headed a coalition for ten years from 2004–14. VP's emergence as Rajiv Gandhi's successor marked the end of the rule of the Nehru–Gandhi family. No member of India's first family, has since then, till the time of writing, led a government.

A 'secular' VP, party leaders'- joke

The massive wooden door creaked loudly as the prime minister walked into the room for the cabinet meeting. His colleagues, who were waiting for him restlessly, looked up expectantly. The cabinet meeting had been called to discuss Mandal, but many of them did not know this. It was 6 August 1990, a hot and muggy day in Delhi, long to be remembered—and cited—afterwards. V. P. Singh was dressed in an immaculately starched white kurta– pyjama. His attire normally indicated the role he saw for himself at that particular moment. When he donned his sherwani and winter cap, the head of government, the chief administrator, was on display. It would also signal a 'secular' VP, party leaders would joke.

When he dressed in a white kurta–pyjama, the politician in him came to the fore. The ministers had trickled in for the meeting earlier in the afternoon. Alighting from their cars outside South Block, which housed the PMO, they walked in and took the lift up to the room on the first floor where cabinet meetings were normally held. The officials had already taken their seats by the time the ministers began to arrive. B. G. Deshmukh, the principal secretary to the prime minister, sat next to Vinod Pande, the cabinet secretary. Pande, a bachelor from Allahabad, was also a novelist and had shared VP's father and older brother's interest in astrology. He had predicted that VP would become prime minister one day. This was when VP was finance minister and Pande, the revenue secretary under him (from 1985–87). VP trusted him and had brought him in to head the civil service. When he was inducted as 'Cab Sec', many were apprehensive about what Pande, though an upright officer, might do, given his reputation as a maverick. But they knew that he was VP's man and his word could not be disregarded.

How Prime Ministers Decide

PART:3

V. P. Singh's name continues to arouse passions—reviled by some, revered by others. Some see him as a cunning politician who in a desperate attempt to retain power let a genie out of the bottle which could not be put back. Others call him the messiah of social justice, and that is the way he liked to see himself. 'Some run governments,' he told me, speaking about the processes he had unleashed. 'I ran history. It will define governments and coalitions in the time to come.'

#POLTICS

V P Singh, the crafty prime minister who remade Indian politics

The problem lay not with the arithmetic, but with the chemistry between the leaders.

President R. Venkataraman had been waiting for the Janata Dal and its allies to choose their leader, who he could then invite to form the new government. The doors of the domed Central Hall were now shut. In the general election just concluded, the country's grand old party, the Indian National Congress, had been trounced. It had lost 217 seats of the record majority of 414 seats it had won in the 1984 general election. Yet, it had still managed to win 197 seats, the largest number of any of the parties contesting the polls. Rajiv Gandhi, the leader of the party—and the outgoing prime minister—had submitted his resignation to President Venkataraman on 29 November. He had decided not to stake his claim to form the new government despite leading the single largest party in the Lok Sabha. This had ended the president's dilemma. Rajiv was clear he did not have the stomach to run a coalition government. No one in the Congress disagreed with Rajiv's decision.

Not so with the winning side, the Janata Dal. It seemed to have the numbers, but there were squabbles over who would be leader. The Janata Dal that V. P. Singh had put together in 1988 had been victorious in 143 Lok Sabha constituencies. It could form the government with its allies—the ruling coalition would need at least 263 seats for a simple majority in the Lok Sabha. Prior to the elections, VP had put together the National Front, a coalition with the Janata Dal at the centre, supported by regional outfits—the TDP of Andhra Pradesh, DMK of Tamil Nadu, AGP of Assam and a breakaway faction of the Congress, the Indian Congress (Socialist). To VP's delight, the Janata Dal had managed a strike rate of 60 per cent in the polls. It had done particularly well in UP and Bihar where he had led the campaign. The party had won 54 of 85 seats in UP and got 32 out of 54 seats in Bihar. However, his southern allies had let him down. The TDP had got only 2 seats, and the DMK drew a blank. The Congress (S) got 1 seat. And the AGP got none. As the president waited for word from the Janata Dal, the party made no move to stake its claim to form the government. The problem lay not with the arithmetic, but with the chemistry between the leaders.

'Vishwanath if you contest, I will also contest,'

From 28 November to 1 December 1989, the struggle had intensified on who would be prime minister. V. P. Singh was the natural choice; it had been in his name that the elections had been won. But Devi Lal was eyeing the top slot. So was the old war horse Chandra Shekhar, who was determined to prevent VP from becoming prime minister. 'Vishwanath if you contest, I will also contest,' he told VP bluntly. He was not prepared to accept the leadership of a man he considered far junior to him. To him VP had been a courtier of the Gandhi family, when he had taken on the rich and powerful as the admired 'Young Turk' in the Congress and later battled Indira Gandhi herself during the 1975–77 Emergency. However, when it became clear that he would not have enough support within the party, he decided to back Devi Lal. Devi Lal had funded most of the candidates; he was confident he would have their backing. As the delay over government formation grew, criticism mounted against the Janata Dal leadership for its inability to choose a leader. a

V. P. Singh sprang up, 'I propose Devi Lal's name'

Finally, a meeting of the JDPP was called on 1 December. Inside the Central Hall, the tense meeting had started at 4 p.m. On the dais sat the veteran socialist Madhu Dandavate. Appointed the returning officer, he had to ensure a smooth and fair election. Seated beside him were the three possible contenders—V. P. Singh, Chandra Shekhar, and Devi Lal. Dandavate called the meeting to order—and invited nominations for the leader of the JDPP. V. P. Singh sprang up, 'I propose Devi Lal's name,' he said. It was immediately seconded by a smiling Chandra Shekhar. There was a shocked silence in the room. Since there was no other nomination, Dandavate declared Devi Lal elected. And the UNI reporter rushed out with his scoop before the rival agencies could beat him to it.

It was then that the tall and rustic Devi Lal rose slowly to his full height. He was casually attired in a white kurta and dhoti and a brown cardigan. 'The election has been fought against corruption,' he said slowly, '...and the battle has been led by V. P. Singh.' He continued: 'Aur phir Haryana maen jahan mujhe log tau keh kar pukarte hain, main wahan tau hi ban kar rehna chahta hoon (In Haryana people know me as uncle and it is as uncle I want to remain in Haryana),' he said with a flourish. 'I propose V. P. Singh's name as leader of the parliamentary party.' Then he declared triumphantly, 'VP ho gaya (VP is the winner).' The assembled parliamentarians broke into thunderous applause. Madhu Dandavate declared that V. P. Singh had been elected leader of the JDPP. 'Kill, kill, kill earlier story,' the wires buzzed again.

'Iska anjam acha nahin hoga- Chandra Shekhar

Chandra Shekhar now sat in a corner near the main entrance of Central Hall. His nostrils flared, his face was red with anger. He had been duped—and humiliated—publicly. 'The understanding, he said bitterly, as I talked to him, was that Devi Lal would be prime minister. That is what he had been told by both Biju Patnaik and Devi Lal at Orissa Bhavan only two hours earlier. 'Iska anjam acha nahin hoga (This does not portend well for the future),' he warned. 'Biju had called me to Orissa Bhavan and told me that VP would propose Devi Lal's name and I would second him,' Chandra Shekhar said. He then flounced out of parliament, and headed to his 'ashram' at Bhondsi in Gurgaon. Biju Patnaik rushed after him to placate him.

'Biju came to see me and offered me the deputy PM ship,' Chandra Shekhar revealed. '(Later) Devi Lal called me and offered me any portfolio. I refused.' When Chandra Shekhar became prime minister eleven months later, after the V. P. Singh government had been toppled, Patnaik said to him. 'Arrey Ballia, if I had known you would run a government like this, I would not have done what I did. He was referring to double-crossing me,' Chandra Shekhar added. The charade, or the 'formula' as it was called, to install V. P. Singh as prime minister, had been worked out in Orissa Bhavan only a few hours before the JDPP meeting. It had been decided that VP would first propose Devi Lal's name and he in turn would crown VP. That is how VP became the seventh prime minister of India.

...I made the Janata Dal. I am the one who has spent the money on the elections.'-Devi Lal

All through the election campaign Devi Lal had projected V. P. Singh for PM. But within hours of the election results being declared on 28 November 1989, he had changed his mind. Chandra Shekhar had encouraged him to make a bid for prime ministership. He was moving through Om Prakash Chautala. Devi Lal began to tell visitors, 'What is the Janata Dal without me? ...I made the Janata Dal. I am the one who has spent the money on the elections.'

As Devi Lal ambled around the lawns at Haryana Bhavan, his mind went over the bitter argument he had had the previous evening with the Janata Dal leader Som Pal. Pal, who was related to him and called him Mamaji (uncle), had quit the Congress along with VP—and made a strong pitch to make him PM. 'Mamaji, all through the campaign, you had said again and again that V. P. Singh will be prime minister,' Pal had reminded Devi Lal. 'Now, stick to what you had promised.' 'Chandra Shekhar plans to contest (for the leadership of the JDPP),' Devi Lal had countered. 'The numbers are stacked heavily against Chandra Shekhar,' Som Pal shot back. 'We have done our arithmetic.' He then reeled off the names of MPs who could be expected to go with Chandra Shekhar and with Devi Lal—they were in a minority. 'But Chandra Shekhar is not agreeing,' Devi Lal had persisted. 'And your man (VP) does not want (a) contest.' V. P. Singh wanted to be elected unanimously. A contest would divide the party at the outset, he said.

He did not want the government to start on a discordant note. VP would have won hands down. But he was apprehensive about other factors at work. Industrialists had sent their representatives to Delhi within hours of the results, armed with big money. They were putting up the newly elected MPs in five-star hotels to influence them. These were powerful businessmen against whom VP had carried out raids for tax evasion and financial misdoings when he was finance minister in Rajiv Gandhi's government. He suspected that they were now conspiring with Chandra Shekhar and Devi Lal to deny him the party leadership. Though many of the Janata Dal MPs wanted him to be PM, their loyalties might get divided, if it came to a vote. For Devi Lal had funded the campaign of many.

As he mulled over the events of the last hours, it was becoming clear to Devi Lal that the majority now favoured VP. As a plan began to take shape in his head, he asked to speak to some of the leaders loyal to him. If he wasn't going to get the top job, he had to strike a hard bargain. First, he called up Som Pal, and asked him to come over immediately. A Jat, not known to mince his words, Pal came straight to the point. He held out a sop to Devi Lal, 'If you support VP as PM…you can become the deputy prime minister. We can talk about it.' But the wily Devi Lal already knew that. He had heard that V. P. Singh was ready to make him deputy prime minister. Som Pal was not the only person who had told him this.

Devi Lal's eyes were now set not just on the deputy prime ministership. He also wanted to be home minister. Suddenly, as if he had just made up his mind, he turned to Som Pal and said, 'Send Arun Nehru to me.' So far he had refused to talk to Nehru, who was acting on behalf of VP. Som Pal rushed out of Haryana Bhavan to find Nehru.

For, by July 1990, Arun Nehru was disillusioned with the government— and vocal about his dissatisfaction: 'It has now become very difficult to remain in this government or to run it.' While in London, Nehru had revealed what was on his mind to Kuldip Nayar, the Indian high commissioner in the UK: 'VP is a self consuming target. We decided to utilize him. We knew he would destroy Rajiv Gandhi first and in the process he will destroy himself.' 'Kuldip Nayar told me this afterwards,' the senior Janata Dal politician Surendra Mohan said to me. 'In other words, the way would be cleared for Nehru for the top job.' The move by the Jan Morcha group to go back to the Congress was corroborated by others.

Arun Nehru had got in touch with Rajiv sometime in May–June 1990,' confirmed Fotedar. 'He (Arun Nehru) was constantly giving Rajiv information (about what was going on in the Janata Dal).' VP was aware that his former colleagues had opened up channels of communication with Rajiv Gandhi—and confirmed this later. 'I had asked VP why the Janata Dal had collapsed so quickly,' the former Congress politician Dinesh Trivedi told me. He was close to Arun Nehru, having quit the Congress and joined the Janata Dal. 'Ask your friends (he was referring to the Jan Morcha leaders),' VP replied cryptically. He then added, 'Arun Nehru and all of them wanted to go back to the Congress.' 'This was in the pre-Mandal (days),' Trivedi told me. Arun Nehru and his group had moved through M. L. Fotedar and Captain Satish Sharma. 'When Rajiv realized that the government could collapse, he hurried (up) the process.' H. R. Bhardwaj also revealed that Rajiv Gandhi had asked him to rush back from London in June 1990, saying the 'VP government is going'. 'VP used to be wary of Arun Nehru (and what he might do),' K. N. Govindacharya remarked. 'He was not so worried about what Rajiv Gandhi would do.'

S. N. Singh, VP's personal secretary, almost in tears, 'Even Rajiv Gandhi did not humiliate Raja sahib (V. P. Singh) like this

The V P Singh government was precariously balanced as was evident from the day one.

The reporter dashed out of the Central Hall of Parliament shouting, 'It is Devi Lal for PM.' He was rushing to file his copy. He worked for the wire service United News of India (UNI), and was headed to the press room on the first floor. Everyone within earshot was flabbergasted. They had expected Vishwanath Pratap Singh to be the new prime minister. It was under his leadership that the National Front, a coalition built by V. P. Singh, had won the most seats in the recent general election. Almost instantly, the news wires were humming: 'Devi Lal is the new prime minister of India.' Devi Lal, the maverick Jat leader, was the chief minister of the state of Haryana.

A couple of people standing next to me groaned in disappointment. It was 4.10 p.m. on 1 December 1989. I was taken aback by this turn of events. I had just come to parliament after meeting

Om Prakash Chautala, Devi Lal's eldest son. He had been leading the campaign to make his father prime minister. A journalist colleague, Harish Gupta, whom I had bumped into, was with me. We had found Chautala eating lunch. He did not look up from his thali to greet us. He looked morose, was monosyllabic in his responses, virtually admitting that the game was up for his father—and that V. P. Singh would be prime minister. All day, there had been frenetic political activity in the country's capital.

At 28, Lodi Estate, V. P. Singh's residence, hundreds of people had hung around Devi Lal had projected V. P. Singh for prime minister all through the election campaign in 1989. But, after the polls, he decided to make a bid for the top job himself. An agitated S. N. Singh, VP's personal secretary who had been with him since his early days in Allahabad, remarked, almost in tears, 'Even Rajiv Gandhi did not humiliate Raja sahib (V. P. Singh) like this. Some of the Janata Dal leaders have ganged up against him....' he added, his voice trailing off. They were determined to deny VP what many across the country felt was his due—India's prime ministership.

Elsewhere in the capital, Haryana Bhavan was also buzzing with activity. The day had started very early for Devi Lal. He had been camping in the national capital for some days. Devi Lal had viewed himself as the kingmaker in the loosely knit group of political parties that had fought the election on a common platform—until he began to glimpse the possibility of becoming prime minister himself. Politicians, journalists, academics, and political activists who had worked for the defeat of Rajiv Gandhi, walked in and out of Haryana Bhavan that morning, hoping to confer with Devi Lal.

There was another hive of activity at 14, Akbar Road, the residence of Arun Nehru, at one time the most powerful minister in Rajiv Gandhi's government until Rajiv sacked him and he made common cause with V. P. Singh. He had stayed by VP's side after their exit from the Congress in 1987 and helped craft the Janata Dal in 1988. He had just been elected to the Lok Sabha from Bilhaur in UP, and had emerged as VP's right-hand man in those days. 'I told VP two...days before the election (of the leader), leave this to me and you stay out of it,' Nehru told me.

'I never had problems in my cabinet. It was the party which proved to be my undoing.'

Bhalchandra G. Deshmukh had been principal secretary to Rajiv Gandhi when he was prime minister. Normally, when there was a change of government in Delhi, there was also a change of the top officials. Each PM wanted to have his own team, though the bureaucracy in India is supposed to be apolitical. Deshmukh had offered to resign soon after VP was sworn in. But the new prime minister asked him to continue. By retaining him, VP, who knew the ropes of administration well enough, having been a minister in the commerce, finance, and defence departments in the Congress governments of Indira Gandhi and Rajiv Gandhi, wanted to send a message to the bureaucracy that he was not going to be vindictive. VP's cabinet meetings were usually informal. Ministers and officials felt free to speak up. As he himself once put it, in an uncharacteristic moment of candour, 'I never had problems in my cabinet. It was the party which proved to be my undoing.'

It was clear to everyone present that V. P. Singh was determined to push through the decision that very day. All he wanted was the formal approval of the cabinet. The meeting did not last very long, Jaipal Reddy recalled. When it was finally all over, V. P. Singh declared, 'This, then, is the consensus.' He looked around at his colleagues, and said, 'The cabinet approves the decision to implement the Mandal Commission's recommendation for job reservations for the backward classes.'

If Devi Lal had been in your cabinet,' VP asked Yadav, 'saying the things he had been saying, what would you have done?'

On 1 August 1990, V. P. Singh sacked Devi Lal from his ministry. 'I was in favour of asking him to resign,' VP was to say many years later. 'But Biju Patnaik and Arun Nehru...told me...you have to be tough. Sack him. They knew a sack would make the break irretrievable.' An agitated UP chief minister Mulayam Singh Yadav confronted VP. 'You could have managed it differently,' he said, his voice laced with censure. 'If Devi Lal had been in your cabinet,' VP asked Yadav, 'saying the things he had been saying, what would you have done?' Yadav replied reluctantly, 'I would have dropped him.' The night before Devi Lal was dropped from the government, Som Pal was with V. P. Singh at his residence. They talked late into the night. Recounting that conversation to me, Som Pal said, 'VP was under the impression that Mandal would divide every party, including the Congress, right down the middle along Other Backward Classes (OBCs) and non OBC lines and it would help him politically.' History was to prove Som Pal right. But, in July 1990, VP did not want his government to go. Nor did he want an early election.

Paradoxically, V. P. Singh had not always been for Mandal. 'I had (once) asked him about his views on reservations,' Dinesh Trivedi recalled. Even as late as 1987–88, VP was of a different view. "Even if you have 100 per cent reservation, it won't make a dent," VP had replied. "How many people will get jobs? Where are the jobs?" In those days, he did not talk about reservations. He would talk about increasing jobs in the market.' The Janata Dal's 1989 election manifesto included Mandal as one of its promises. The OBC MPs of the party, especially those from UP and Bihar, who were a significant proportion of Janata Dal MPs, were for Mandal. It was just a matter of when it would be implemented. With the war in the ruling Janata Dal now out in the open, VP knew that if he had to save his government, he had to push back with something big. With Devi Lal's exit, the stage was now set for Mandal— the implementation of the recommendations of the Mandal Commission Report, which advocated 27 per cent reservations for the socially and educationally backward classes in central government jobs. 'Mandal was the realization of the Janata Dal politically,' VP was to say of his decision years later. The political history of independent India might have been different had Rajiv Gandhi and V. P. Singh not fallen out in 1987. VP might not have become prime minister and the story of affirmative action for the OBCs might have taken a different trajectory. Their relationship was marked by periods of great camaraderie as well as deep mistrust and bitterness. When Rajiv Gandhi contested the Lok Sabha election in mid-1981 from Amethi in UP, VP went there to campaign for him. He was chief minister of the state at the time. 'I have seen them lie down on the same charpoy on a tour of Amethi,' recalled H. R. Bhardwaj, the Congress politician. 'I remember this distinctly. We were electioneering in Amethi, and Rajiv was drawing huge crowds.

We were at this guest house near the canal, where we had stopped for refreshments. There was time only for half an hour's rest. Rajiv and VP had a dip in the canal. But there was only one charpoy to rest on. Both of them lay down on it in their kachcha-banians after bathing.' In the 1970s, and till the mid-1980s, VP's loyalty to the Gandhi–Nehru family, first to Sanjay, then to Indira, and finally to Rajiv Gandhi was unquestioned. Before she was assassinated, Indira had expressed the hope that VP would be part of Rajiv's core team. She saw his clean image and loyalty to the Nehru–Gandhi family as an asset

VP's elevation as the chief minister of UP was one of those quirky lucky breaks that came his way, thanks to his loyalist persona. When Indira refused to agree to Sanjay becoming the chief minister of Uttar Pradesh in June 1980, as we saw Chapter 1, Sanjay chose VP to head the country's largest state. Initially, VP was reluctant to take over as chief minister. But he allowed himself to be persuaded by Sanjay and took charge on 9 June 1980—just two weeks before Sanjay died in an aircrash. Being a reluctant politician as opposed to one who was seen to be grasping power was a strategy he would use to great effect during his political career.

Quotes options

Paradoxically, V. P. Singh had not always been for Mandal. 'I had (once) asked him about his views on reservations,' Dinesh Trivedi recalled. Even as late as 1987–88, VP was of a different view. "Even if you have 100 per cent reservation, it won't make a dent," VP had replied. "How many people will get jobs? Where are the jobs?"

Indira Gandhi had liked V. P. Singh from the beginning. He was devoted to her and looked upon her as his political mentor. When the excesses of the 1975–77 Emergency began to be probed, and dozens of Congress leaders turned against her, VP stuck by her.

The political history of independent India might have been different had Rajiv Gandhi and V. P. Singh not fallen out in 1987. VP might not have become prime minister and the story of affirmative action for the OBCs might have taken a different trajectory.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

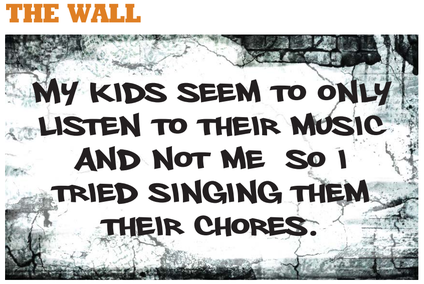

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

डकैती की योजना बनाते तीन इनामी बदमाशों सहित पांच गिरफ्तार

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने हथियार व कारतूस भी बरामद किये

गंगापुर सिटी, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार यादव के निर्देशन में व एएसपी प्रकाश चंद एवं पुलिस उपाधीक्षक बाबू लाल विश्नोई के सुपर विजन में उदेई मोड थानाधिकारी लाखन सिंह के नेतृत्व में डकैती की योजना बनाते हुए पांच-पांच हजार के तीन इनामी बदमाश सहित कुल पांच बदमाशों को अवैध हथियारों व कारतूसों सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक राजेश यादव ने बताया कि उदेई मोड थानाधिकारी लाखन सिंह ने अपनी टीम जिसमें एएसआई अजीत मोंगा, हैड कानि. राजेश खन्ना, जितेन्द्र सिंह, कनि. सत्यभान सिंह, राजाराम, समय सिंह, विजय सिंह, विश्वनाथ प्रताप सिंह, अखिलेश एवं चालक वीरेन्द्र सिंह के साथ रीको एरिया के एक खाली प्लॉट में डकैती की योजना बनाते हुए पांच बदमाशों घेरा डाल कर दबोच लिया। जिसमें साबिर उर्फ टाडा के कब्जे से एक पिस्टल 32बोर मय तीन जिंदा कारतूस, मिर्ची पाउडर व एक बिना नंबरी मोटरसाईकिल, सद्दाम उर्फ अद्दू से एक देशी कट्टा 315 बोर व दो जिंदा कारतूस, मोहसिन कुरैशी से 315 बोर का एक देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस, गौरव मीना से एक 12 बोर बंदूक व 16 जिंदा कारतूस व एक बिना नंबरी मोटरसाईकिल, शौएब उर्फ शौबी से एक मोटरसाईकिल की चैन बरामद कर मौके से गिरफ्तार किया गया है। बदमाशो के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गहनता से पूछताछ की जा रही है कि वो ये अवैध हथियार कहां से लाते थे।

पुलिस ने डकैती की योजना बनाते पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- इनमें पांच-पांच हजार के तीन इनामी बदमाश भी शामिल

पुलिस ने बताया कि उक्त बदमाशों से ओर भी वारदात खुलने की संभावना है। पुलिस ने आरोपियो को शनिवार को थाना से पैदल ही कोर्ट में पेश किया। इस दौरान अपराधियों को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड पडा। वहीं सभी ने पुलिस की इस कार्यप्रणाली प्रशंसा की। थानाधिकारी लाखन सिंह ने बताया कि इस दौरान बदमाश आमजन से माफी मांग रहे थे। उन्होंने बताया कि पांच आरोपियों में तीन थाने के हिस्ट्रीशीटर है जिन पर पांच-पांच हजार रूपए के इनाम घोषित है। पुलिस पैदल ही उन्हे कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हे पुलिस को पीसी रिमाण्ड पर सौप दिया।

अधेड़ की हत्या का पर्दाफाश, पत्नी गिरफ्तार

मारपीट से तंग आकर पत्नी ने ही की पति की हत्या

राजसमंद पुलिस ने पति की हत्या के आरोप में पत्नी को गिरफ्तार किया।

राजसमंद, (निसं)। जिले की कांकरोली थाना पुलिस ने पिछले दिनों राज्यावास गांव में हुई अधेड़ की हत्या का मामला सुलझा लिया है। हत्यारिन मृतक की पत्नी ही निकली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी। आरोपी पत्नी ने कबूल किया कि आये दिन मारपीट से तंग आकर उसने ही पति की हत्या की थी।

थानाधिकारी दुर्गाप्रसाद दाधिच ने बताया कि 2 अक्टूबर को प्रार्थी निर्मलकुमार पंचोली (32) पुत्र किसन तेली निवासी राज्यावास ने थाना में एक रिपोर्ट लिखवाई कि हम तीन भाई हैं। सबसे बडा गणपत कुमार जो गुजरात में रहकर व्यवसाय करता है। उससे छोटा राजकुमार व उससे छोटा मैं हूं। हम दोनों भाई गांव के पुराने पैतृक मकान में साथ रहते हैं। मेरी मां मनोहरी बाई व पिता किसनलाल तेली राज्यावास मेन रोड के पास आरा मशीन के पास बने मकान मे रहते हैं। 2 अक्टूबर को सुबह करीब 3 बजे मुझे मेरे बडे भाई राजकुमार ने उठाया और बताया कि घर पर पिताजी के साथ कोई घटना हो गई है।

हम दोनों भाई घर पर आये। घर के बाहर मेरी मां खडी थी। मां ने बताया कि चक्की वाली दुकान में पिताजी की लाश खून से लथपथ पडी है व अन्दर से कमरा बन्द है। हम किवाड तोडकर अन्दर गये व देखा कि मेरे पिताजी की खून से लथपथ लाश पर एक कम्बल डाला हुआ था जो चेहरे पर पडा हुआ था। जिसको हटा कर देखा तो मेरे पिता जी के सिर में गम्भीर चोट थी और सिर की चमडी उखडी हुई थी। दिवार पर चमडी सहित बाल खून के साथ चिपके हुये थे। टूटी हुई चुडियां पडी हुई थी एक गिलास व बोतल में थोडी शराब भी पडी हुई थी। हमने सरपंच विक्रमसिंह को घटना की जानकारी देकर पुलिस सूचना देने के लिए फोन किया। हमने कमरे का विडियो भी बनाया है। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया।

एसपी सुधीर जोशी के निर्देशानुसार एएसपी शिवलाल बैरवा, डीएसपी रुद्रप्रकाश शर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रकरण के अनुसंधान के सन्दर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। अन्य कार्रवाई के साथ मृतक की पत्नी व उसके बेटों से भी पूछताछ की गई। जिसमें मनोहरी देवी द्वारा बार बार अपने बयानों से पलटना सामने आया व उनकी घटना के बाद की गतिविधियां संदेहास्पद पाई गई।

पूछताछ के दौरान मनोहरी देवी ने अपने पति किशनलाल तेली की हत्या करना कबूल करते हुये अपने पति मृतक किशनलाल द्वारा छोटी-छोटी बातों बात गुस्सा होकर आये दिन लकडी से मारपीट करना बताया। जिस रात्रि को मृतक की हत्या की गई। उस शाम को भी मृतक किशनलाल तेली द्वारा लकडी से मारपीट करना बताया। मृतक द्वारा किये जा रहे दुर्व्यवहार व मारपीट गाली गलौच से तंग आकर किशनलाल तेली को मिर्गी का दौरा पडने पर जब मृतक को कुछ भान नहीं रहता है उसे बाहर से अन्दर दुकान में ले जाकर लोहे के पाइप से वार कर हत्या कर देना कबूल किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

राजस्थान में फ्लॉप फिल्म ''किस्सा कुर्सी का'' चल रही है : राजेन्द्र राठौड़

चूरू, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा है कि राजस्थान में फ्लॉप फिल्म ''किस्सा कुर्सी का'' चल रही है, जिसके हीरो अशोक गहलोत, साइड हीरो सचिन पायलट और खलनायक गोविन्दसिंह डोटासरा हैं। राठौड़ ने कहा कि यह फिल्म बनाने का ठेका दो हजार करोड़ रुपए में अरोड़ा को दिया है। राठौड़ शनिवार को अपने चूरू आवास पर प्रदेश सरकार की नाकामियों को लेकर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने पत्रकारों से वार्ता की।

राठौड़ ने कहा कि ग्राम पंचायत से जिला बन जाए, ऐसा पहली बार देखा है। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री रोज लोकलुभावनी बात कर रहे हैं। किसान व नौजवान मुख्यमंत्री से बदला लेंगे। राठौड़ ने कांग्रेस नेता रफीक मण्डेलिया पर व्यंग्य कसते हुए कहा कि मुम्बई से किरदार आए हुए हैं। इस मौके पर हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि राजस्थान के किसानों की स्थिति खराब है और यदि किसानों को मुख्य धारा में लाना है तो भाजपा की डबल इंजन की सरकार प्रदेश में बननी जरूरी है। दलाल ने कहा कि राजस्थान से कांग्रेस सरकार जा रही है और भाजपा आ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही आमजन का भला कर सकती है। उन्होंने कहा कि लगता है राजस्थान में मुख्यमंत्री हर गांव को जिला बना देंगे। दलाल ने हरियाणा सरकार की विभिन्न योजनाएं गिनाई। इस मौके पर भाजपा के दीनदयाल सैनी, सुरेश सारस्वत आदि सहित कई कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

करणराज सिंह सोढ़ा का राजस्थान टीम में चयन

जोधपुर, (कासं)। असम में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय सीनियर फुटबाल प्रतियोगिता (संतोष ट्रॉफी) में जोधपुर के खिलाड़ी करणराज सिंह सोढ़ा का राजस्थान की टीम में चयन हुआ है। अखिल भारतीय फुटबाल फेडरेशन द्वारा आयोजित संतोष ट्रॉफी में भाग लेने सोढा असम के लिए रवाना हो गए।

खिलाड़ी करणराज सिंह सोढ़ा का चयन गत मार्च माह में अलवर में आयोजित सीनियर फुटबाल प्रतियोगिता के दौरान उनके उत्कर्ष प्रदर्शन के आधार पर किया गया। सोढा डॉ. दिनेश सिंह चौहान के नियमित प्रशिक्षु है। नागौर जिले की सांजू तहसील के चुड़ियास गांव के मूल निवासी स्वर्गीय लाल सिंह सोढ़ा के पौत्र एवम रेलवे में कार्यरत वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी (लेखा) ऋषिराज सिंह सोढ़ा के पुत्र व ओसिया निवासी स्वर्गीय मनोहर सिंह भाटी के दोहिते करण राज सिंह सोढ़ा का संतोष ट्रॉफी में चयन होने पर गोविंद सिंह राठौड़ नाडसर, गोपाल सिंह राठौड़ जालसू, ऋषिराज सिंह सोढ़ा चुडियास, महिपाल सिंह भाटी ओसियां, चंद्रपाल चौहान सजाडा, प्रदीप सिंह राठौड़ बोलागुडा, गिरवर सिंह कुंपावत सिंघासनी, नरेंद्र सिंह राठौड़ भाखरी, अभय सिंह देवड़ा पैरवा, ओनरारी कैप्टन नारायण सिंह भाटी खुडियाला, प्रेमपाल सिंह राठौड़ मुंडारा, बृजपाल सिंह रिया श्यामदास, अभय सिंह चौहान श्रीसेला, कुलदीप सिंह राठौड़ नाडसर, संजय जोधा जालसू, कुलराज सिंह सोढ़ा चुडियास, अरविंद सिंह राठौड़ जालसू, प्रदीप सिंह भाटी ओसियां, आदित्यपाल सिंह राठौड़ मुंडारा एवं पोलो खिलाड़ी आर्यवर्धन सिंह चौहान सजाडा आदि ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत के अनुसार राजस्थान की टीम का शुरुआती मुकाबला 8 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश की टीम से होगा।

राहगीरों को लूटने वाली ईरानी गैंग का सरगना गिरफ्तार

पुलिस की फर्जी आईडी दिखाकर राहगीरों को लूटते थे

अजमेर, (कासं)। पुलिस का फर्जी आईडी दिखाकर राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में राहगीरों को लूटने वाली ईरानी गैंग का सरगना हसन अली आखिर पकड़ा गया। अजमेर पुलिस ने आरोपी को शनिवार को अजमेर के गांधी भवन मार्ग पर धरदबोचा। ये रास्ते में गुजर रहे बुजुर्गों को रोक कर उनसे सोने-चांदी के जेवरात उतरवा लेता था। आज जब ये दुबारा वारदात को अंजाम देने अजमेर पहुंचे तो पुलिस को भनक लग गई और इन्हें पकड़ लिया गया। आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर एक घंटे में चार वारदातों को अंजाम देकर बाइक से कोटा भाग निकलते थे। ये हर वारदात के बाद अपनी शर्ट बदल लेते ताकि सीसीटीवी फुटेज में पहचान में ना आ सके। मामला अजमेर के चार पुलिस थानों में 20 सितम्बर को दर्ज होने से सुर्खियों में आया।

अजमेर उत्तर सीओ भोपाल सिंह भाटी ने बताया कि टीम को इनके हुलिए से मिलते जुलते संदिग्ध लोगों के कोटा में होने की सूचना मिली थी। शनिवार 11 बजे कार्रवाई करते हुए गांधी भवन के पास से किशोरपुरा कोटा सिटी निवासी हसन अली (27) पुत्र यासीन अली उर्फ सिया उर्फ कुर्बान अली को गिरफ्तार किया गया। आरोपी हसन अली ईरानी गैंग का सरगना है। साल 2019 में जिला बूंदी में इसी तरह की वारदातों में जेल जा चुका है। 2020 में जमानत पर बाहर निकलने के बाद वह फिर से ठगी की वारदातों में लिप्त हो गया। सरगना ने अपने अन्य साथियों के साथ राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में वारदात को अंजाम दिया था। 1 सितंबर 2023 को कोटा सिटी में तीन वारदात व 21 सितंबर 2023 को कोटा सिटी में दो वारदात को अंजाम दिया गया। गैंग द्वारा इस प्रकार की घटनाएं संपूर्ण भारत में करना पाया गया है। पुलिस गिरफ्तार किए गए आरोपी से उसके अन्य साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है। जिसमें कई महिलाएं भी शामिल है।

पुलिस ने ईरानी गैंग के बदमाश को पकड़ा।

- आरोपियों ने एक घंटे में राह चलते चार वारदातों को दिया था अंजाम

अजमेर उत्तर सीओ भोपाल सिंह भाटी ने कहा कि 20 सितंबर को अजमेर के कोतवाली थाने पर फॉयसागर निवासी हरीश वाधवानी ने मुकदमा दर्ज करवाया था। शिकायत में पीड़ित ने बताया था कि सुबह जब वह घर से स्कूटर पर अपनी दुकान की तरफ जा रहा था तो जीपीओ के बाहर दो युवकों ने रुकवाया व स्वयं को पुलिस अधिकारी बताकर उसकी चेन, अंगूठी उतार कर एक लिफाफे में रखवा ली और उसे झांसा देकर दूसरा लिफाफा पकड़ा दिया और जेवर लेकर भाग गए। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर टीम का गठन किया गया और कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी दिन अलवर गेट थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला, फिर रामगंज में बुजुर्ग दंपति और आखिर में क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र में स्टूडेंट को वारदात का शिकार बनाया था।

चम्बल परियोजना की नींव रखी

भीम, (निसं)। प्रभारी मंत्री आंजना एवं विधायक रावत ने आंजना में चम्बल परियोजना की नींव रखी। मेवाड़ के राजसमंद जिले की देवगढ़ के आंजना की भूमि भविष्य में इतिहास के पन्नों में चम्बल परियोजना के लिए स्वर्णिम अक्षरों लिखी जाएगी।

शनिवार को राजसमंद जिले की ऐतिहासिक चंबल परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर सुबह से भीम देवगढ़ के प्रत्येक गांव ढाणी में खासा उत्साह देखा गया। ग्रामीण जहा एक और खुद अपने वाहनों से कार्यक्रम स्थल पहुंचे वही पार्टी पदाधिकारियों के द्वारा भेजे गए वाहनों में भरे खासी भीड़ देखी गई।

शनिवार को आयोजित हुए ऐतिहासिक कार्यक्रम में कार्यक्रम के निर्धारित समय से पूर्व ही भारी टेंट में लगी कुर्सियां भर गई। आम जन में इतना उत्साह देखा गया कि विशाल टेंट भी छोटा पड गया। जानकार सूत्रों के अनुसार करीब 7 हजार कुर्सियों की बैठक व्यवस्था की गई थी परन्तु लोगों में अत्यधिक उत्साह के चलते भारी जन समूह को खड़े रहना पड़ा। चम्बल प्रोजेक्ट के शिलान्यास समारोह को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरी सिंह राठौड़ ने कहा कि आम तौर पर जो काम मंत्री नही करवा पाते जो आपके विधायक सुदर्शन सिंह रावत भविष्य में मगरे में भागीरथ के रूप में जाने जाएंगे।डॉ. रावत ने समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्वगृह राज्य मंत्री मगरा बोर्ड अध्यक्ष राज्य वित्त आयोग के सदस्य स्क्वाड्रन लीडर डा. लक्ष्मण सिंह रावत ने कहा विपक्ष पर चुटकी लेते हुए कहा कि आज हमारी अशोक गहलोत सरकार की आम और आवाम से जुड़ी राहत की योजनाओं को बंद कर देंगे। इसलिए आपको बटन दबाते समय पूरा ध्यान रखना है।

मारपीट का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। साथी बंदी द्वारा पीडित के साथ जेल में कुकृत्य करने एवं इसकी शिकायत करने पर जेलर व गार्ड द्वारा मारपीट करने की जानकारी मिलने पर बंदी के पिता ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जानकारी के अनुसार पीडित ने जेल में बदी शिवलाल डांगी, जेलर सुरेश चन्द्र तथा गार्ड मुकेश के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि 6 अक्टूबर को मैं उदयपुर केन्द्रीय कारागृह में बंदी अपने पुत्र से मिलने के लिए गया था। इस दौरान पुत्र ने बताया कि साथी बंदी ने मेरे साथ कुकृत्य किया।

गौशाला और मन्दिर में सामान चोरी

गौशाला से बिजली का सामान चोरी, दो मन्दिरों में भी हाथ मारा

जोधपुर, (कासं)। शहर के तनावड़ा स्थित गौशाला से इलेक्ट्रानिक सामान चोरी हो गया। इसमें नामजद के खिलाफ विवेक विहार थाने में मामला दर्ज करवाय गया है। पुलिस ने बताया कि आसोप थानान्तर्गत मंगेरिया भोपालगढ़ निवासी सुनिल पुत्र मोहनराम जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि तनावड़ा में स्थित महादेव गौशाला में काम करने वाला ब्यावर निवासी नैना काठात गौशाला परिसर से इलेक्ट्रानिक सामान चोरी कर ले गया। वह काफी दिनों से लापता है। विवेक विहार पुलिस इसमें अब जांच कर रही है।

इसी प्रकार शहर के मंडोर रोड स्थित आरएसी बटालियन क्षेत्र में एक मंदिर में चोरों ने सेंध लगाकर वहां से सामान चोरी कर लिया। आरएसी के कांस्टेबल की तरफ से इस बारे में मंडोर थाने में रिपोर्ट दी गई है। आरएएसी के कांस्टेबल नारायण सिंह पुत्र दुर्गासिंह राजपुरोहित ने मंडोर पुलिस को बताया कि आरएसी प्रथम बटालियन मंडोर रोड परिसर में स्थित मंदिर में 4 अक्टूबर को अज्ञात चोर ने मंदिर में सैंधमारी करके कीमती सामान और नकदी आदि चुराकर ले गए। मंडोर पुलिस अब चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। दूसरी तरफ बालेसर तहसील के जीयाबेरी निम्बों का गांव बालेसर निवासी मनोहर सिंह पुत्र भगसिंह ने पुलिस को बताया कि जीयाबेरी बेलवा में स्थित मंदिर के ताले रात्रि के समय तोड़कर अज्ञात नकबजन चांदी के छत्र, भगवान के जेवरात और भेंटपात्र में रखी नकदी चुराकर ले गए।

दस हजार रुपये का इनामी बदमाश गिरफ्तार

लंबे समय से था फरार, धौलपुर में पकड़ा

जयपुर, (निसं)। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की टीम ने शनिवार को धौलपुर जिले में एक 10 हजार के इनामी बदमाश को पकड़ा है। आरोपी कैलाशी गुर्जर पुत्र दीवान धौलपुर जिले के थाना सदर इलाके में घड़ी सादरा गांव का रहने वाला है। डकैती व आर्म्स एक्ट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच टीम द्वारा इनामी अपराधियों और अवैध मादक पदार्थ के तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में शनिवार को बारां डीएसटी और धौलपुर सदर थाने के सहयोग से बारां जिले के भंवरगढ़ थाने में दर्ज मुकदमे में वांछित दस हजार के इनामी को गिरफ्तार किया गया।

एडीजी एमएन ने बताया कि डकैती व आर्म्स एक्ट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कैलाशी गुर्जर के बारे में क्राइम ब्रांच टीम के सदस्य कांस्टेबल नरेश कुमार को सूचना मिली थी। सूचना पुख्ता कर आरोपी की दस्तयाबी के लिए आईजी प्रफुल्ल कुमार के पर्यवेक्षण एवं एडिशनल एसपी नरोत्तम वर्मा व राजेश मलिक के सुपरविजन तथा इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, रविंद्र सिंह राकेश जाखड़ व कांस्टेबल नरेश की टीम गठित कर रवाना की गई। एडीजी ने बताया कि टीम ने धौलपुर पहुंच थाना सदर के एएसआई विष्णु दत्त के सहयोग से सूचना को विकसित कर पुख्ता किया।

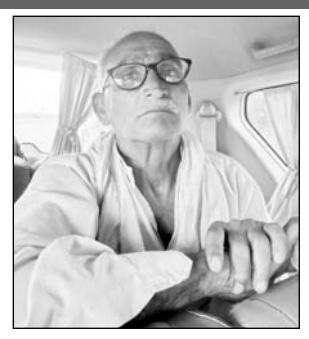

आरोपी कैलाशी गुर्जर

शनिवार को थाना पुलिस व बारां डीएसटी के सहयोग से आरोपी को दस्तयाब कर डीएसटी को सुपुर्द किया गया। संपूर्ण कार्रवाई में कांस्टेबल नरेंद्र कुमार व हेड कांस्टेबल राकेश जाखड़ की विशेष भूमिका रही, वहीं हेड कांस्टेबल महेश सोमरा व रविंद्र सिंह की तकनीकी भूमिका रही। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर द्वारा किया गया। धौलपुर सदर थाने के एएसआई विष्णु दत्त मय टीम और बारां डीएसटी का सहयोग रहा।

सांभर पालिका में 60 लाख के विकास कार्य अटके

विकास कार्यों के लिए अभी तक वर्कआर्डर जारी नहीं हो सके हैं

सांभरझील, (निसं)। सांभर पालिका प्रशासन की ओर से अनेक स्थानों पर करीब 60 लाख रुपए की लागत से करवाए जाने वाले विकास कार्यों के लिए अभी तक वर्क आर्डर जारी नहीं हो सके हैं। बताया जा रहा है कि पूर्व में तत्कालीन अधिशाषी अधिकारी का पद रिक्त होने तथा वर्तमान में अधिशाषी अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर वेरीफाई नहीं होने से मामला अटका पड़ा है। डिजिटल सिग्नेचर वेरीफाई होने के बाद ही निविदा ओपन हो सकेगी लेकिन तकनीकी कारणों से अभी तक यह मामला उलझा हुआ है।

अधिशाषी अधिकारी कंचन राठौड़ के ज्वाइन करने के बाद अब इन विकास कार्यों के लिए ठेकेदार को हरी झंडी मिलने का इंतजार है यानी वर्क आर्डर जारी होने के बाद काम शुरू हो सकेंगे। इन विकास कार्य में प्रमुख रूप से पार्क, शौचालय, बेंच, चबूतरा, श्मशान घाट, कब्रिस्तान, रखरखाव, जीणोद्धार जैसे कार्यों पर करीब 47 लाख रुपए का बजट रखा गया है। इसी प्रकार जागेश्वर विहार कॉलोनी के विकास कार्यों पर भी करीब 15 लाख रुपए खर्च होंगे।

सांभर के शमशान घाट में तूफान से उड़े टीनशेड आज भी यथास्थिति में पड़े हुये हैं।

- नगरपालिका ने दो माह पहले जारी की थी निविदा

जानकारी के अनुसार शमशान घाट में एक समाज के कुछ माह पहले टीनशेड तूफान में उड़ गए थे उसके बाद आज तक यथा स्थिति में है।

पार्षद पति टीकमचंद कुमावत ने बताया कि इस मामले में यहां की पार्षद ज्योति कुमावत ने वरिष्ठ नेता विद्याधर सिंह चौधरी को पत्र लिखकर इसके लिए अवगत करवाया था और वर्तमान में भी इसके लिए अनुरोध किया जा चुका है लेकिन अभी तक इन कार्य के लिए कोई आसान नजर नहीं आ रहे हैं। श्मशान घाट में भी अभी तक टीनशैड को खड़ा नहीं किया गया है और वहां पर अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों के लिए अभी और बेंच रखी जाने की जरूरत है।

हथियार की नोक पर बदमाशों ने बैंक में घुसकर 3.76 लाख रुपए लूटे

गन लिये लुटेरों ने बैंक को बम से उड़ाने की धमकी देकर मैनेजर से 40 लाख रूपये की मांग की

हथियार सहित बैंक में घुसे नकाबपोश बदमाश।

पुलिस ने वारदात के बाद मौके पर जाकर जानकारी ली।

- पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज सहित हुलिये को जांच के दायरे में लेकर बदमाशों की खोज शुरू की
- पांच मिनिट बैंक में रुके दोनों लुटेरे कैशियर से 3 लाख 76 हजार रूपये लूटकर भाग गये

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। दिनदहाड़े बदमाश खोड़ा गणेश रोड़ स्थित इलाहबाद बैंक में घुस गये और हथियार की नौक पर स्टॉफ को कमरे में बंद कर कैशियर से करीब चार लाख नगदी लूटकर फरार हो गये। बैंक को डायनामाईट से उड़ाने की धमकी देने वाले बाईक सवार आरोपियों ने मैनेजर से 40 लाख रूपये की मांग की। वारदात को लेकर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज सहित हुलिये को जांच के दायरे में लेकर बदमाशों की खोजबीन शुरू कर दी है।

इलाहाबाद बैंक में शनिवार को दोपहर करीब सवा तीन बजे दो नकाबपोश बदमाश अंदर घुस गये। मैनेजर की कैबीन में जाकर 40 लाख रूपये की मांग की, नहीं देने पर बैंक को उड़ाने की धमकी दी गई, कहा कि डायनामाईट है, किसी को फोन किया तो फट जायेगा। बैंक मैनेजर ने कहा कि लॉकर की चाबी मेरे पास नहीं है। इंकार करने पर असिस्टेंट मैनेजर व एक अन्य कार्मिक के साथ दो ग्राहकों को भी गन प्वाइंट पर ले लिया। केवल पांच मिनिट बैंक में रुके दोनों लुटेरे कैशियर से 3 लाख 76 हजार 130 रूपये लूटकर भाग गये।

मदनगंज थाना प्रभारी घनश्याम सिंह ने बताया कि दोपहर 3 बजकर 22 मिनिट पर सूचना मिली कि इलाहाबाद बैंक में लूट की वारदात हुई हैं। इस पर बैंक पहुंचकर अधिकारियों से बातचीत की। लूट की सूचना पुख्ता होने पर क्षेत्र में नाकाबंदी करवाकर स्पेशल पुलिस टीम को इतला की गई। साथ ही सीसीटीवी खंगाले गए। सीसीटीवी फुटेज में दो नकाबपोश नजर आ रहे हैं और दोनों के हाथों में गन थी। एक ने हेलमेट पहन रखा था, जबकि दूसरे ने काला नकाब पहन रखा था। पुलिस उपाधीक्षक मनीष शर्मा व जिला स्पेशल टीम ने मौके पर पहुंचकर हर पहलू की बारीकी से पड़ताल की। बैंक अग्रसेन सर्किल से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर है। इस मार्ग पर आमतौर पर वाहनों की आवाजाही कम रहती है। इसलिए बदमाशों ने संभवततया वारदात के लिए इसी बैंक शाखा को चुना।

बताया जा रहा है कि दोनों दोपहर करीब 3 बजकर 15 मिनिट पर बैंक में घुसे थे। एक मिनिट बाद नकाब पहना बदमाश बैंक मैनेजर कुलदीप सिंह के कक्ष में घुस गया और दूसरा हेलमेट पहना बदमाश बैंक के बीच खड़ा हो गया। नकाब पहना बदमाश बैंक मैनेजर को लेकर बाहर आया। अगले ही मिनट कैशियर से काउंटर पर रखी 3 लाख 76 हजार 130 रुपए की राशि लुटकर पांच मिनिट बाद 3 बजकर 20 मिनिट पर दोनों लुटेरे बाहर निकल बाइक से फरार होने में कामयाब हो गये। मदनगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निजी बस की डिक्की में 1.34 करोड़ का सोना-चांदी जब्त

बीकानेर के युवक से 10 लाख रुपए जब्त, एक गिरफ्तार

पाली, (नि.सं.)। निजी बस से सवा करोड़ का सोना-चांदी जब्त किया गया। वहीं 10 लाख रुपए के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। रुपयों के बारे में युवक कोई जवाब नहीं पाया। पाली के गुड़ा एंदला पुलिस और डीएसटी टीम ने कार्रवाई की।

टीम ने शनिवार रात को गुजरात से आ रही ट्रेवल्स की बस को पणिहारी के पास रूकवाया था। बस की तलाशी के दौरान एक सवारी रेवन्तराम (48) पुत्र हेमाराम जाट के बैग में 10 लाख रुपए मिले। वह बीकानेर जिले के सुजानगढ़ रोड नोखा के रहने वाले है। रुपयों के बारे में वह कोई जवाब नहीं दे सका। टीम ने रुपयों को जब्त कर सवारी को शांतिभंग में गिरफ्तार किया।

- पाली के गुड़ा एंदला पुलिस और डीएसटी टीम ने कार्रवाई की

डिग्गी में मिला सवा करोड़ का सोना-चांदी :- टीम को तलाशी के दौरान बस की डिग्गी में भी 186 किलो चांदी और 18.5 ग्राम सोना मिला। डिग्गी में रखने वाला व्यक्ति सामने नहीं आया। इस पर सोना-चांदी भी जब्त किया गया, जिसकी बाजार कीमत करीब 1 करोड़ 34 लाख 10 हजार 600 रुपए बताई जा रही है। पुलिस मालिक की तलाश में जुटी है।

नागौर एस.पी. की गाड़ी ने मासूम को टक्कर मारी

पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बना घायल मासूम को जोधपुर रैफर किया

नागौर, (निसं)। नागौर के बुरड़ी गांव में जिला पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस की गाड़ी ने मासूम बच्ची को टक्कर मार दी, हादसे में मासूम घायल हो गई। जिसे नागौर के अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया, जहां कुछ ही देर में उपचार के बाद जोधपुर के एमडीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मासूम के लिए जोधपुर के एमडीएम अस्पताल तक ठीन कॉरिडोर बनाया।

वहीं हादसे के बाद भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात हो गया, लेकिन तब तक लोगों को महज हादसे के बारे में ही पता था। लेकिन बड़ी संख्या में पुलिस अस्पताल में उसी बच्ची के उपचार के लिए खड़ी होने से कई सवाल उठे। लेकिन धीरे-धीरे असल बात सामने आई की एसपी की गाड़ी की टक्कर से मासूम घायल हुई थी। जिससे बड़ी संख्या में पुलिस उस बच्ची के उपचार के लिए इमरजेंसी में तैनात थी।

- एसपी नारायण टोगस सुरपालिया थाने का निरीक्षण कर नागौर लौट रहे थे

जानकारी अनुसार सड़क हादसे में बुरड़ी गांव की सात साल की कुसुम पुत्री जगदीश जाट गंभीर रूप से घायल हो गई। गंभीर घायल को नागौर के जेएलएन हॉस्पिटल लाया गया।

जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जोधपुर रेफर कर दिया। दरअसल, एसपी नारायण टोगस सुरपालिया थाने का औचक निरीक्षण करने गए थे। दो दिन पहले ही उन्होंने नागौर एसपी का पद ग्रहण किया था। लेकिन सुरपालिया थाने से वापस लौटते समय बुरड़ी गांव की कुसुम पुत्री जगदीश जाट को कार ने टक्कर मार दी, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गई।

सड़क हादसे में सरपंच की पुत्रवधू व पोते की मौत

तेज रफ्तार ट्रोले ने बाईक को चपेट में ले लिया था

बांसवाड़ा, (निसं)। सड़क हादसे में बोरदा सरपंच गौतमलाल बरोड़ की पुत्रवधू रेखा एवं पौते कियान की दर्दनाक मौत हो गयी। वहीं सरपंच पुत्र गंभीर रुप से घायल हो गया।

बताया जाता है कि सरपंच पुत्र विजयलाल अपनी पत्नी रेखा एवं तीन साल के बेटे कियान के साथ घाटोल से अपने घर की तरफ बाईक पर आ रहा था। घर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर जब वह अपने निर्माणाधीन मकान की ओर मुड़ने लगा तो तेज रफ्तार से आ रहे ट्रोले ने बाईक को चपेट में ले लिया। ट्रोला बाईक को घसीटता हुआ कई फीट दूर तक ले गया और असंतुलित होकर पलट गया। इस हादसे में विजयपाल अपनी बाईक से दूर जा गिरा वहीं रेखा एवं कियान हवा में उड़कर सड़क पर जा गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया। मोटागांव थानाधिकारी छबिलाल ने बताया कि घाटोल से गनोड़ा मार्ग पर विजयपाल की बाईक के पीछे एक ट्रोला बामनपाड़ा के घाटे की तरफ से तेज रफ्तार से आ रहा था। ट्रोले ने बाईक को चपेट में लिया तो धमाके की आवाज हुई।

कुछ ही देर में दुर्घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गयी। गंभीर रुप से घायल विजयपाल को 108 की मदद से जिला मुख्यालय रेफर किया गया। दुर्घटना के बाद ट्रोला चालक फरार हो गया। ट्रोले की रफ्तार का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि ब्रेक लगाने पर कई फीट सड़क तक पहिये के निशान पड़ गये। घटना स्थल पर मोटागांव एवं घाटोल थाना पुलिस पहुंची एवं यातायात सुचारु किया। बताया जाता है कि विजयपाल खैरवा में शिक्षक है वहीं रेखा गोलियावाड़ा में पटवारी थी। विजयपाल घाटोल में अपने रिश्तेदार के यहां रहता था और निर्माणाधीन मकान की देखरेख के लिये अक्सर आता रहता था।

नाल एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए फ्लाइट शुरू

बीकानेर, (कासं)। यहां नाल सिविल एयर पोर्ट पर दोपहर 3.15 बजे दिल्ली से विमान बीकानेर पहुंचा। अलायंस एयर की इस फ्लाइट से चार महीने से सुनसान पड़े एयरपोर्ट पर रौनक लौट आई। लम्बे समय बाद हवाई सेवा शुरू होने से एयरपोर्ट अधिकारियों और स्टाफ ने भी यात्रियों का स्वागत किया। फीता काटकर यात्रियों का एयरपोर्ट में दिल्ली की फ्लाइट में सवार होने के लिए रवाना किया गया। करीब चार महीने पहले एक मात्र दिल्ली-बीकानेर-दिल्ली हवाई सेवा को बंद कर दिया गया था। इसके बाद एयरपोर्ट पर कार्यरत स्टाफ और रनवे पर कभी कभार कोई निजी या विशेष विमान के आगमन पर ही हलचल होती थी। यात्रियों की चहल-पहन नहीं रहने से कई तरह की सुविधाएं भी बंद पड़ी थी।

आठ दिन से लापता युवक का शव मिला

लालसोट, (निसं)। थाना क्षेत्र के खटुम्बर गांव के रहने वाले एक युवक सेठ गुर्जर का शव उसी के गांव के पास संदिग्ध हालातों में मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवक करीब एक हफ्ते पहले खुद की बीमारी इलाज करने के लिए लालसोट गया हुआ था वहां से ही लापता चल रहा था।

इस मामले को लेकर परिजनों द्वारा युवक सेट गुर्जर की गुमशुदगी का मामला भी लालसोट थाने में दर्ज करवाया था जिसके बाद से ही लापता युवक को पुलिस ढूंढने में लगी हुई थी। जहां शनिवार को पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक का शव खटुम्बर गांव के पास संदिग्ध हालातों में पड़ा हुआ है। वहीं शव को दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो युवक की शिनाख्त गुमशुदा युवक सेठ गुर्जर के रूप में हुई।

वहीं सूचना मिलने पर घटनास्थल पर अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक रामचंद्र एवं थाना अधिकारी नाथूलाल मीणा द्वारा पहुंचकर घटनास्थल पर एमओबी व एफएसएल टीम को बुलाकर मौके से साक्ष उठाए गए। वहीं पुलिस द्वारा युवक के शव को लालसोट अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया एवं मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा सर्व परिजनों को सुपुर्द किया गया। वहीं पूरे मामले को लेकर लालसोट पुलिस थाना जांच में जुटी हुई है।

मृतक सेठ गुर्जर

- युवक एक सप्ताह पहले बीमारी का इलाज करने लालसोट गया था
- घटनास्थल से एफ.एस.एल. व एम.ओ.बी. टीम ने उठाए साक्ष्य

युवक की मौत

बीदासर, (निसं)। निकटवर्ती गांव डुंगरास के क्रेसर स्टोन पर शुक्रवार की शाम माल की ढेरी ढह जाने से उसके नीचे दबने के कारण 24 वर्षिय सरदारशहर निवासी रामनिवास स्वामी की दर्दनाक मृत्यु हो गई। पुलिस सुत्रों के अनुसार मृतक के भाई संदीप स्वामी ने लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मेरा भाई रामनिवास शुक्रवार को अपना डंपर में ग्राम डुंगरास स्थित जय माँ दुर्गा स्टोन क्रेसर से डंपर भरवा रहे थे। तब मेरा भाई स्टोन क्रेसर के लोडर के पास खड़ा था, उसी वक्त एक अन्य गाड़ी जिसको अन्य चालक चला रहा था। जिससे स्टोन क्रेसर माल की ढेरी के धक्का लगा। जिससे मेरा भाई माल के अंदर दब गया। उस वक्त हमने व अन्य लोगो ने माल हटाकर मेरे भाई को बाहर निकाला, तब वह बुरी तरह से घायल अवस्था में था। तो हम तुरन्त गाड़ी से बीदासर सीएचसी लेकर आये, जहाँ चिकित्सको ने जाँच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतका के भाई संदीप स्वामी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

सड़क से नीचे उतरी गाड़ी, मासूम की मौत

माता-पिता भी गंभीर रूप से घायल

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर सिमलावाडा मार्ग पर गेजी घाटा के निकट शविवार सुबह सड़क किनारे उतरी एको गाड़ी रिवर्स लेने के दौरान हादसे का शिकार हो गई।

हादसे में एक दो माह के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं बच्चे के माता-पिता भी गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें 108 की मदद से डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचा गया। जहां घायलों का इलाज जारी है। जानकारी अनुसार गडा गोकल निवासी महेश पुत्र गोतम लाला आमलिया अपनी पत्नी बबली तीन बच्चों सहित अपने जीजा और बहन को लेकर एको गाड़ी लेकर गडा गोकल गणेशपुर गांव जा रहा था।

रास्ते में गेंजी घाटा के निकट सामने से अचानक से एक बडा वाहन आ गया। वाहन से बचाने के लिए महेश ने इको गाड़ी को सड़क किनारे उतार दी। जिसके बाद महेश ने इको गाड़ी को रिवर्स लेकर सडक पर लाने के दौरान गाडी पलट गई। गाडी के पलटने से अंदर बैठे लोगो में चीख उपकार मचा गई। सडक से गुजार रहे लोगों ने चीख सुनकर दौड़ कर पहुंचे तथा गाड़ी में फंसे लोगों को व बच्चों बाहर निकाला और 108 की मदद जिला अस्पताल में पहुंचा। हादसे में पति-पत्नी को गंभीर चोटे आई है। वहीं दो माह के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई।

झांसा देकर जेवर व नकदी ठगी

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना क्षैत्र में कार में सवार बदमाश राह चलते पीडित को झांसे में लेकर जेवर व नकदी की ठगी कर ले गए। अशोक कुमार ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 6 सितंबर रात में मैं मेडिकल स्टोर पर रूपये जमा करवा कर वापस पैदल घर लौट रहा था। इस दौरान रूकी कार में सवार साधु वेश में व्यक्ति ने आवाज लगाई। पास पहुंचने पर हुई बातचीत के दौरान हाथ मिलाया। इस दौरान उसने मेरे हाथ से सोने की अंगुठी व जेल से करीब 15 हजार रूपये निकाल ली तथा मौके से फरार हो गए।

पति-पत्नी ने फंदा लगाकर आत्महत्या की

मृतकों के पास खाली डिब्बे के टुकड़े पर सुसाइड नोट की चार लाइन लिखी मिली

करौली, (निसं)। सपोटरा उपखण्ड के गोपालपुर गांव में एक पति-पत्नि ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली जिनके शव के पास चार लाइन का लिखा सुसाइड नोट भी मिला है। करौली जिले के सपोटरा उपखंड की सिमिर ग्राम पंचायत के गोपालपुर गांव में एक दम्पति ने फंदे पर लटककर अपनी जान दे दी। सूचना मिलने पर पहुंची सपोटरा थाना पुलिस में मृतकों के शव फंदे से उतार कर हाडौती हॉस्पिटल पहुंचाये मृतकों के पास एक खाली डिब्बे के टुकड़े पर सुसाइड नोट की चार लाइन लिखी मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सपोटरा थाना अधिकारी यशपाल सिंह ने बताया कि सिमर ग्राम पंचायत के गोपालपुर गांव में एक दंपति फंदे पर लटका हुआ होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो बंद कमरे में पति-पत्नी फंदे पर लटके हुए मिले। परिजन और लोगों की मदद से कमरे के किवाड़ खोलकर शवो को फंदे से उतरा और उन्हें हाडौती अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया उन्होंने बताया कि मृतक राजू बैरवा पुत्र रंगजी और कविता पत्नी राजू बैरवा निवासी गोपालपुर है। मृतक सुसाइड नोट छोड़ गए है। सुसाइड नोट में लिखा है कि सासू मां मुझे माफ करना आपने मुझे इस कदर मजबूर कर दिया कि मुझे इतना बड़ा कदम उठाना पड़ा हमारी मौत के जिम्मेदार हम खुद हैं किसी पर कोई जवाब नहीं है मैं हार चुका हूं इसलिए जा रहा हूं। सुसाइड नोट मिलने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिए।

पीट-पीटकर युवक की हत्या, मुख्य आरोपी दस्तयाब

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी रेलवे स्टेशन के बाहर पार्किंग में शुक्रवार की देर शाम को ई-मित्र संचालक और उसके दोस्तों ने मिलकर एक युवक पर लाठियों-डंडों से हमला कर दिया। हमले में घायल युवक को एम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जिसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया और हत्या के मुख्य आरोपी को दस्तयाब कर लिया। भगत की कोठी थाने में हत्या का केस दर्ज हुआ है। उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है। इधर पुलिस ने दोपहर में शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया। तीन चार दिन पहले ई-मित्र संचालक और मृतक के बीच हुई कहासुनी हुई थी।

थानाधिकारी सफीक मोहम्मद ने बताया कि मूलत: उत्तरप्रदेश हाल रामेश्वर नगर निवासी 48 साल के रण विजय यादव पुत्र उदयराज यादव की हत्या की गई है। उसकी तीन-चार दिन पहले ई-मित्र संचालक देव शर्मा के साथ किसी बात को लेकर बहसबाजी होने के साथ विवाद हो गया था। रण विजय यादव द्वारा उससे गाली गलौच भी की गई थी। तब मामला सुलझ गया था।

- ई-मित्र संचालक से चार दिन पहले हुई थी कहासुनी
- ई-मित्र संचालक और उसके दोस्तों ने मिलकर की वारदात

शुक्रवार की देर शाम रणविजय यादव बासनी रेलवे स्टेशन के बाहर पार्किंग में बैठा था। तब ई-मित्र संचालक देव शर्मा भी वहां अपने कुछ दोस्तों के साथ पहुंच गया। पूर्व में हो रखी आपसी बोलचाल को लेकर इनमें फिर से विवाद हो गया। तब देव शर्मा और उसके साथ आए 7-8 युवकों ने लाठियां, डंडों से उसकी बुरी तरह पिटाई कर डाली। इससे रणविजय यादव बुरी तरह जख्मी हो गया। उसके नाक से खून रिसने लगा था। बाद में उसने भाई शिकारगढ़ निवासी दुर्ग विजय को फोन कर जानकारी दी। इस पर खुद रणविजय एम्स अस्पताल में भर्ती हो गया। वहां रणविजय की उपचार के बीच में मौत हो गई।

थानाधिकारी सफीक मोहम्मद ने बताया कि देव शर्मा और मृतक के बीच में ई-मित्र को लेकर कहासुनी हुई थी। रणविजय ने ईमित्र को लेकर गलत टिप्पणी करने के साथ गाली गलौच भी किया। गाली देव शर्मा को चुभ गई। इस बात लेकर उसने फिर से विवाद किया। मामले में अब मृतक रण विजय के भाई दुर्ग विजय की तरफ से भगत की कोठी थाने में हत्या की रिपोर्ट दी गई है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द कर दिया गया।

धारदार हथियार से व्यक्ति की गला काटकर हत्या

करौली, (निसं)। गज्जूपुरा ग्राम पंचायत के खावदा गांव में चारपाई पर सों रहे एक व्यक्ति की धारदार हथियारों से गला काटकर हत्या कर दी जिसकी पुलिस जांच कर रही है। करौली जिले के सपोटरा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत गज्जूपुरा के खावद्रा गांव में चारपाई पर सो रहे एक व्यक्ति की धारदार हथियारों से गला काटकर हत्या कर दी। हत्या की सूचना पर सपोटरा थाना अधिकारी यशपाल सिंह और पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची जहां घटना की जानकारी लेते हुए उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। मौके पर एफएसएल टीम को भी करौली से बुलाया जहां साक्ष्य जुटाए गए।

सपोटरा थाना अधिकारी यशपाल सिंह ने बताया कि खावदा निवासी राधेश्याम पाल गुजरात में अपनी पत्नी देवेंद्र कवर के साथ मजदूरी का कार्य करता था। राधेश्याम के दो बेटे जयपुर में रहकर मजदूरी का कार्य करते हैं। राधेश्याम पाल गत पांच दिन पूर्व ही अपने गांव खवदा लौटा था। रात को उसने अपनी पत्नी, बड़े बेटे गोविंदपाल की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ शराब पार्टी की थी। राधेश्याम पाल की पत्नी देवेंद्र कंवर ने थाना अधिकारी यशपाल सिंह को बताया कि शराब पीने के बाद खाना खाकर सब लोग सो गए। प्रात: जब वह दूध निकालने के लिए अपने पति को जगाने कमरे में गई तो उसकी गर्दन धारदार हथियार से कटी हुई थी और कमरे में खून फैला हुआ था। पत्नी ने कमरे में खून देखा तो तुरंत अन्य परिवार जन को घटना की जानकारी दी। सपोटरा थाना अधिकारी और पुलिस घटना को लेकर परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रही है। एफएसएल टीम को भी करौली घटना स्थल पर साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। वहीं पुलिस ने मृतक के शव को अस्पताल पहुंचाकर पोस्टमार्टम कराते हुए परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

- मृतक राधेश्याम पाल पांच दिन पूर्व ही अपने गांव खावदा लौटा था

छोटे भाई की सरिए से हमला कर हत्या

छोटे भाई के हिस्से का बाजरा काटकर अपने घर ले आया था बड़ा भाई

भरतपुर, (निसं)। उद्योग नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात बड़े भाई ने सोते हुए अपने छोटे भाई के सिर पर सरिए जैसे हथियार से हमला कर हत्या कर दी। बड़ा भाई छोटे भाई के हिस्से का बाजरा काटकर अपने घर ले आया था। इसी पर देर रात उनके बीच बहस हो गई थी।

उद्योगनगर थाना इंचार्ज राकेश ख्यालिया ने बताया कंट्रोल रूम से आज सुबह 7 बजे सूचना मिली थी कि थाना इलाके के कुम्हेर तहसील के ताखा गांव में रात में एक युवक की मौत हो गई। पिता ने सूचना दी कि उसके बड़े बेटे लोकेश ने छोटे धनवीर का सिर फोड़कर मर्डर कर दिया है। बॉडी को डिस्पोज करने की कार्रवाई की जा रही है। इस पर उद्योगनगर थाना से पुलिस टीम सुबह 8 बजे ताखा गांव पहुंची। बॉडी का निरीक्षण किया तो सिर पर गहरी चोट मिली। युवक के सिर पर सरिए या किसी धारदार हथियार से चोट कर हत्या की गई है। आरोपी को डिटने करने की कोशिश कर रहे हैं। बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भरतपुर के जिला हॉस्पिटल लाया गया। जहां से पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को शव सौंप दिया गया। पिता पूरण सिंह ने बताया शुक्रवार को खेत से बाजरे की फसल काटकर घर में लाई गई थी।

- इसी पर देर रात दोनों भाईयों में बहस हो गई थी

बड़ा बेटा लोकेश अपने छोटे भाई धनवीर की फसल भी काटकर घर ले आ आया था। इसी पर दोनों भाइयों के बीच शुक्रवार रात बहस हो गई थी। लोकेश शादीशुदा है जबकि धनवीर की शादी नहीं हुई थी। रात में दोनों शराब के नशे में थे। इस दौरान फसल बंटवारे को लेकर बहस हो गई। शराब पीकर वे झगड़ पड़े। मामला शांत हुआ तो सभी लोग सो गए। रात करीब 12 बजे लोकेश उठा और सोते हुए धनवीर के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। धनवीर जोर से चिल्लाया तो परिजन उठे। तब तक लोकेश मौके से फरार हो गया। धनवीर की थोड़ी देर में ही मौत हो गई। इसके बाद घर के बाकी सदस्य सुबह गुपचुप अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे कि पिता ने पुलिस को सूचना दे दी।

संक्षिप्त

भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। विधायक रामलाल शर्मा की उपस्थिति में ग्राम पंचायत गुडलिया निवासी कांग्रेस पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। विधायक रामलाल शर्मा ने सभी को पार्टी का दुपट्टा ओढाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई। सदस्यता ग्रहण करने वालों में परताराम पिंगोलिया, उदाराम पिंगोलिया, जगन्नाथ रेगर सहित अन्य लोग शामिल हुए। इस मौके पर प्रधान रामस्वरूप यादव, जयप्रकाश चौधरी, पूर्व सरपंच सरदार जाखड़ सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अवैध शराब सहित एक जना पकड़ा

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस ने अवैध शराब मादक पदार्थ रोकथाम अभियान के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए एक युवक को अवैध देशी शराब के 50 पव्वों के साथ गिरफतार किया। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर दौराने गश्त पर पुलिस टीम ने देवल के पास अवैध शराब परिवहन करते आरोपी युवक सांवरलाल पुत्र हनुमान कुम्हार निवासी बुढा देवल को गिरफ्तार कर कब्जे से 50 पव्वे अवैध देशी शराब की जप्ती की कार्यवाही की गई।

चार घण्टे बिजली बंद रहेगी

निवाई, (निसं)। कनिष्ठ अभियंता शहर प्रथम राघव अग्रवाल ने बताया कि विद्युत तंत्र के रख-रखाव के चलते रविवार सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक दशहरा मैदान, भरकुआ तालाब, कीर कालोनी सहित आसपास के क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रखी जाएगी।

विभिन्न कार्यों की स्वीकृति जारी

दूदू (नि.स) नवगठित नगर परिषद दूदू जिला के आयुक्त सी के एस कांकरिया एवं सभापति कमलेश जाट ने आदेश जारी कर विभिन्न वार्डों में सी.सी. सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों, पार्षद गणों व जनप्रतिनिधियों के साइन बोर्ड लगाने, सड़कों पर पोर्टल निर्माण, वार्डों एवं मुख्य सड़कों पर हाइमास्ट लाइट लगाने के सहित 38 कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृती जारी कर दी है।

मेडिकल की दुकान में हुई चोरी का पर्दाफाश, एक जना गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मैड में हुई नकबजनी की घटना का पर्दाफाश करते हुए विराटनगर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

विराटनगर थाना पुलिस के अनुसार 2 अगस्त को रात्रि में ग्राम मैड में मोहन राम पुत्र सगराराम निवासी मैड की श्री कृष्णा मेडिकल की दुकान का ताला तोड़कर मेडिसिन, कॉस्मेटिक, एलसीडी चोरी करने का पर्दाफाश करने के मामले में विराट नगर थाना पुलिस ने विजय

- आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में ले अनुसंधान शुरू किया

सिंह उर्फ सोनू पुत्र राजेंद्र सिंह उम्र 30 साल निवासी भैसलाना को गिरफ्तार किया है। मामले को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड रंजीता शर्मा के आदेश व निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली दिनेश सिंह व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर रोहित सांखला के निर्देशन व विराटनगर थाना प्रभारी प्रकाश सिंह के नेतृत्व मे टीम का गठन कर माल मशरूका व मुल्जिमान की गहनता से तलाश करते हुए दुकान व आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालते हुए विजय सिंह उर्फ सोनू को पुलिस अभिरक्षा में लेते हुए अनुसंधान जारी है।

विराटनगर थाना पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के एस बी एन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान पर अंडर - 17/19 छात्र-छात्रा वर्ग के जूडो, वुशु ,ताइक्वांडो, लॉन टेनिस और मलखंब प्रतियोगिताओं का समापन हुआ, जिसमें 27 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। खेल आयोजन सचिव बनवारी लाल जीतरवाल ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरियावास ने तीन, शास्त्री स्कूल श्रीमाधोपुर व एसबीएन स्कूल श्रीमाधोपुर ने दो दो चैंपियनशिप पर कब्जा किया, वायु सैनिक स्कूल खेतड़ी ने एक चैंपियनशिप पर कब्जा किया। इस प्रतियोगिता में कुल 133 मेडल में से सर्वाधिक मेडल एसबीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल श्रीमाधोपुर ने 30 मेडल, श्री शास्त्री स्कूल श्रीमाधोपुर ने 20 मेडल, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरियावास में 16 मेडल व वायु सैनिक स्कूल खेतड़ी ने 8 मेडल प्राप्त किए।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉक्टर मुकेश बल्डवाल सचिव इंजीनियर प्रदीप धायल ने की। प्राचार्य सागरमल चौधरी ने बताया कि सभी खेलों में अलग-अलग भार वर्ग में विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर निर्णायक मंडल में आए हुए शारीरिक शिक्षकों को स्मृति चिन्ह व ऑफिशल लिखी हुई टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया।

सार-समाचार

खुली नालियां हादसों को देरी न्यौता

दूदू, (निसं)। जिला मुख्यालय पर जयपुर-अजमेर रोड पर बनी नालियों के फेरो कवर नहीं होने के कारण आम राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। फेरो कवर नहीं होने पर आये दिन पशुधन एवं राहगीर नालियों में गिर जाते हैं। इतना ही नही गंदी नालियों की बदबू से व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर व्यापारियों का बैठना भी दूभर हो रहा है। स्थानीय लोगों ने कम्पनी के अधिकारियों को भी अवगत करा कर फेरो कवर लगवाने की मांग की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

धर्मशाला निर्माण को लेकर बैठक आज

मंडावरी, (निसं)। सैनी माली समाज संस्था शकरपुरिया द्वारा समाज की धर्मशाला निर्माण को लेकर आयोजित होने वाली बैठक को लेकर सामाजिक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया। धर्मशाला निर्माण मामले को लेकर बताया कि सैनी माली समाज की जमीन में धर्मशाला बनवाने में कुछ तथ्यों पर विचार विमर्श कर आगामी रुपरेखा बनाने के संदर्भ में एक बैठक का आयोजन किया जा रहा है। बताया कि यह बैठक 8 अक्टूबर आज सुबह 11 बजे मंडावरी मे आयोजित की जाएगी। सैनी माली समाज मंडावरी के अध्यक्ष चिरंजी लाल, जगदीश हरिप्रसाद रंगलाल रामेश्वर कैलाश आदि द्वारा समाज के जिला अध्यक्ष गिरिराज प्रसाद माली महात्मा ज्योतिबा फुले सेवा समिति के अध्यक्ष बाबूलाल सैनी जमात पूर्व अध्यक्ष बुधराम खेड़ला, सभापति रामपाल बगड़ी, ग्राम इकाई व पंच पटेल बद्री लाल रेसवाल सुरतपुरा, रामबाबू रामगढ़ पचवारा, भागचंद आढतिया, जगराम बगड़ी, कजोड़ सरपंच बिलौना कला चंदा लाल आढ़तीया, गंगाधर बगड़ी, मीठा लाल पूर्व सरपंच किशनपुरा मुकेश सैनी बगड़ी, श्रवण लाल धाकड़या, रामजीलाल सैनी मोहम्मदपुर, लालू सैनी हरिपुरा, कमलेश सैनी मंडावरी आदि को आमंत्रित किया कई समाज के लोगों को आमंत्रण पत्र दिया गया।

तीन दिवसीय मेकअप वर्कशॉप संपन्न

टोंक, (निसं)। खुशी मेकोवर टोंक पर तीन दिवसीय मेकअप वर्कशॉप के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि जिला प्रमुख सरोज बंसल ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किए और महिलाओं बालिकाओं को अपने पैरों पर खड़े होकर घर पर रहकर ब्यूटी पार्लर का कार्य करने पर महिलाओं बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाता है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने घर पर रहते हुए अपना स्वयं का कार्य कर आर्थिक दृष्टि से मजबूत होती है। उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित महिलाओं बालिकाओं का उत्साह वर्धन किया। कार्यशाला में बाहर से आई ब्यूटिशियन ने आने वाले सीजन में टेक्निक से मेकअप सिखा खुशी मेकोवर की ऑनर रेखा जैन ने बताया कि आने वाले सीजन में मेकअप गुर बहुत काम आयेंगे। यंगेस्ट मेकअप आर्टिस्ट खुशी जैन के द्वारा तीन दिवसीय नई तकनीक पर आधारित मेकअप सिखाया स इस अवसर पर कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रशिक्षणार्थियों उपस्थित थे।।

महाविद्यालय को स्थाई प्राचार्य मिला

कार्य ग्रहण करने पर स्टाफ ने प्राचार्य का स्वागत किया।

लालसोट, (निसं)। राजेश पायलट राजकीय महाविद्यालय के प्रोफेसर सुभाष पहाड़िया को तीन माह पूर्व राजकीय कन्या महाविद्यालय रामगढ़ पचवारा में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर ने चयन के उपरांत प्राचार्य पद पर नियुक्त किया था। प्रोफेसर पहाड़िया ने आज राजकीय कन्या महाविद्यालय लालसोट में प्राचार्य पद पर कार्य ग्रहण कर लिया । महाविद्यालय को स्थाई प्राचार्य मिलने से बालिकाओं की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण होगा। डॉ. सुभाष पहाड़िया क्षेत्र के जाने माने पक्षी विशेषज्ञ भी है। उन्होंने बताया की मेरी पहली प्राथमिकता छात्राओं की नियमित कक्षा लगवाना है। कन्या महाविद्यालय लालसोट के स्टाफ के द्वारा प्राचार्य का स्वागत किया गया जिसमे प्रोफेसर हरिसिंह मीना, रामखिलाडी मीना, अनुराधा शर्मा, जितेंद्र मीना, गिर्राज शर्मा,हनुमान मीना आदि उपस्थित रहे।

भाजपा महिला मोर्चा का अधिवेशन

मालपुरा, (निसं)। केन्द्र सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू किये जाने के बाद शनिवार को महेश सेवा सदन में महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन किया गया। क्षेत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी की धर्मपत्नी राधा देवी चौधरी, पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष त्रिलोक चंद जैन, वरिष्ठ भाजपाई व पूर्व पालिका अध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार जैन ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल्लित कर महिला अधिवेशन का आगाज किया। राधा चौधरी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने पर मोदी सरकार का आभार जता केन्द्र सरकार के इस निर्णय व विधेयक की सराहना करते हुए महिला के उत्थान को लेकर महत्वपूर्ण बिल बताया।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मलेन आज

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत काचरोदा के अखाड़ा बालाजी परिसर में रविवार को दोपहर 3 बजे कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मलेन का आयोजन काचरोदा ईकाई अध्यक्ष मुकेश कुमार सेन की अध्यक्षता में किया जायेगा। संगठन महासचिव देवेन्द्र कुमावत ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधानसभा के जनसेवक विद्याधर चौधरी रहेगे। साथ ही आगे बताया कि कार्यकर्ता सम्मेलन में विधानसभा के आगामी चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा एवं पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौपी जाएगी। वहीं कांग्रेस सदस्यता अभियान के दौरान नये कार्यकर्ता सदस्यता ग्रहण करेंगें।

आकांशी रथों को रवाना किया

कोटपूतली, (निसं)। भाजपा नगर मंडल द्वारा शुक्रवार को कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में 'सुझाव आपका-संकल्प हमारा' अभियान के तहत आकांशी रथों को रवाना किया गया। इस मौके पर रथों में लगी पेटी में सुझाव पर्ची डाली गई। रथ द्वारा पूरे क्षेत्र में आमजन से सुझाव मांगे जाएंगे। इस दौरान भाजपा विधानसभा प्रभारी नरेश शर्मा, विस्तारक मोहर सिंह, संयोजक पूरण सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना के प्रतिनिधि इंजी. विक्रम कसाना, भाजपा नेता हंसराज पटेल, भाजपा नेता पूरणमल भरगड़, नगर मंडल अध्यक्ष गोपाल मोरिजावाला, पूर्व सरपंच जयराम गुर्जर, मंडल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

सी.एल.जी. सदस्यों की बैठक आयोजित

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जंक्शन पर शनिवार को दोपहर 2 बजे प्लेटफार्म स्थित वीआईपी रूम में जीआरपी थानाधिकारी सीआई गुलजारी लाल की अध्यक्षता में सीएलजी सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न सुरक्षाओं को लेकर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया।

गौरतलब है कि, उक्त बैठक के दौरान वन्दे भारत ट्रेन की सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं थानाधिकारी गुलजारी लाल ने बताया कि हाल ही में भीलवाड़ा जिले में कुछ असामाजिक तत्वों एवं शरारती लोगों द्वारा ट्रेनों को नुक्सान पहुंचाने के लिए रेल लाइन पर पत्थर सहित अन्य कई सामान रख दिये गये थे। परन्तु रेल चालक की सतर्कता से बड़ा रेल हादसा होते होते टल गया। इसको लेकर थानाधिकारी ने सभी सदस्यों एवं आमजन से अपील करते हुए कहा कि रेल लाइन के आसपास कही भी कोई बच्चे, जानवर या कोई संदिग्ध व्यक्ती नजर आये तो उसे सुरक्षा की दृष्टि हटाने का प्रयास करे। स्थानीय रेलवे स्टेशन व रेल परिसर में घूम रहे आवारा पशुओं की रोक थाम करने के लिए भी चर्चा की गई। साथ ही स्थानीय जनता से भी अपील की गई कि वह अपने पालतू पशुओं को बांध कर रखें। जबकि आवारा पशु भी दुर्घटनाओं का कारन बन सकते है। वहीं बैठक में प्लेटफार्म नम्बर 4 व 5 पर यात्रियों के लिए शौचालय निर्माण हेतु रेल प्रशासन को पत्र लिखे जाने का निर्णय लिया गया।

इसी के साथ बैठक में स्टेशन अधीक्षक सतीश चन्द्र, रेलवे सुरक्षा बल आईपीएफ राजेश सिंह द्वारा विधानसभा आगामी चुनाव एवं आगामी त्यौहार पर बाहर से आने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर प्रशासन द्वारा नजर रखने हेतु भी विचार विमर्श किया।

दिव्यांग बालकों ने रैली निकाली

निवाई, (निसं)। योगेश विशेष विद्यालय के प्रागंण में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग टोंक योगेश शैक्षिक पुर्नवास एवं शोध संस्थान व लायन्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांग जन कल्याण दिवस एवं समाज कल्याण सप्ताह का आयोजन किया गया। शनिवार को कल्याण सप्ताह का समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि लायन्स क्लब अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन रहे। सप्ताह को लेकर दिव्यांग बालकों की रैली का आयोजन किया गया। रैली में विद्यालय के दिव्यांग बालक-बालिकाओं सहित राजस्थान विकंलाग मंच के सदस्य, योगेश विशेष प्रशिक्षण केन्द्र के सभी छात्र व लायन्स क्लब के सदस्यों ने भाग लिया।

रैली महावीर जनोपयोगी भवन से रवाना होकर झिलाय रोड, कृषि मण्डी, श्याम मंदिर होते हुए योगेश विशेष विद्यालय पहुंची जहां दिव्यांग जनकल्याण दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ लायन्स क्लब अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन, संरक्षक हुकमचंद जैन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता के चांदमल सैनी व आईडीएफसी बैंक के प्रबंधक सुभाष चन्द्र ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। संस्था सचिव डॉ. सीताराम स्वामी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर राजस्थान विकलांग मंच के अध्यक्ष भैरूलाल सैन, नितिन जैन, राधेश्याम अग्रवाल, ममता जैन, सुमन लटुरिया, सोहनसिंह, गजेन्द्रसिंह, शंकरलाल बैरवा, मनोज स्वामी, अरविन्द कुमार टेलर, विरेन्द्र यादव, जेपी गुप्ता, केशव पराशर, दामोदर पारीक, श्योपाल गुर्जर व हिमांशुसिंह उपस्थित रहे।

दिव्यांग जन कल्याण दिवस एवं समाज कल्याण सप्ताह का समापन।

गणेश पूजन के साथ रामलीला का मंचन शुरू

पावटा, (निसं)। आदर्श रामलीला मंडल पावटा द्वारा शनिवार को गणेश पूजन व नारद मोह की लीला के साथ कस्बे में कई वर्षों से चली आ रही परम्परा का निर्वाह करते हुए रामलीला का मंचन शुरू कर दिया गया।

उपखंड पावटा स्थित रामलीला मैदान में आदर्श रामलीला मंडल पावटा कमेटी की ओर से रामलीला मंचन का आयोजन शुरू किया गया है। जहां गणेश महाराज का पूजन मनोज शास्त्री व अश्वनी शास्त्री के मंत्रोच्चार के साथ गोपाल भैया मंदिर महंत मोहनदास रामायणी के द्वारा व व्यास पीठ पर मंडल अध्यक्ष योगेश शर्मा, राम का पात्र करने वाले लक्की शर्मा, लक्ष्मण का पात्र करने वाले शुभम शर्मा, सीता का पात्र करने वाले विजय सोनी, हनुमान का पात्र करने वाले रामशरण बोहरा द्वारा गणेश पूजन करवाया गया। वही इस

- पहले दिन नारद मोह की लीला का मंचन किया

दौरान महंत मोहनदास रामायणी ने लोगों से राम के आदर्शों को अपनाने पर जोर दिया। इसके बाद नारद मोह लीला से रामलीला मंचन शुरू हुआ जो काफी सराहा गया। इसमें कलाकारों की ओर से नारदजी (अमरनाथ पटेल) के मन में इस बात के अहंकार का होना दर्शाया गया कि उनसे अधिक भगवान के करीब कोई नहीं है। नारद मुनि के घमंड को तोड़ने के लिए भगवान विष्णु (लक्की शर्मा) की ओर से माया नगरी की रचना करना और माया नगरी में मोहिनी के मोह में नारदजी के डूबने की लीला का मंचन किया गया। इसके बाद नारद जी की ओर से भगवान विष्णु से सुंदर रूप मांगने पर भगवान की ओर से उन्हें वानर रूप देने और इसका अहसास होने पर नारदजी की ओर से भगवान विष्णु को श्राप दिया जाना की संकट में वानर ही उनका सहयोग करेंगे का मंचन किया गया। इस दौरान रंगा उमेश टांक, वरिष्ठ कार्यकर्ता सुरेश शर्मा, सुभाष गोयल, विष्णु पटेल, आदर्श रामलीला मंडल पावटा अध्यक्ष योगेश शर्मा, सचिव चेतन जोशी, डाइरेक्टर मोहन गौड, उपाध्यक्ष नरेंद्र गौड, रामशरण बोहरा, सोनू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, ललित शर्मा, विनय मुद्गल, नितिन शर्मा, सांवर बोहरा, सुनील गौड, दीपक पटेल, गुलजारी सोनी, पंकज सैन, सुभाष टीलावत, आशीष शर्मा, शुभम शर्मा, सहित पावटा ब्राह्मण महासभा नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, चेयरमेन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, बजरंग बहरोडिया आदि मौजूद रहे।

जुआ खेलते 11 जने पकड़े

पावटा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड रंजीता शर्मा द्वारा स्पेशल एक्ट में कार्रवाई हेतु जिला स्तर पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 11 जनों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया।

अभियान में अधिक से अधिक कार्रवाई हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली दिनेश यादव के निर्देशन व विराटनगर पुलिस उप अधीक्षक रोहित सांखला के सुपरविजन में विराटनगर थाना प्रभारी प्रकाश सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम नवरंगपुरा में खेडा रोड पर गंगादास कॉलेज के पीछे झाडियों में ताश पत्ती एवं रुपए दांव पर लगाकर जुआ खेलते हुए 11 व्यक्तियों मुकेश कुमार रेगर, मुकेश कुमार जाट, दिनेश खोरवाल, ज्ञानचंद भारती, प्रह्लाद तंवर, ओम प्रकाश, सुशील, दिनेश रेगर, धोलू, फारुख, मुकेश को गिरफ्तार किया जाकर ताश पत्ती व जुआ राशि 80 हजार 70 रुपए जप्त कर थाना हाजा पर मामला दर्ज किया गया।

विकास कार्यों का शिलान्यास किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। ग्राम पंचायत जाटावाली के ग्राम मालेरा में सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती और विधायक रामलाल शर्मा के सानिध्य में संपन्न हुआ।

सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनने वाली मालेरा हनुमान मंदिर से चंदवाजी सड़क तक 45 लाख और प्रभु मीणा के मकान से दूल्हाराम के मकान तक सड़क 5 लाख, अर्जुन मीणा के मकान से सरदार मीणा के मकान तक 5 लाख की सड़क के निर्माण की शीला पट्टिका का अनावरण किया गया। भाजपा महामंत्री प्रकाश हाटवाल के नेतृत्व में ग्रामवासियों ने सांसद सुमेधानंद सरस्वती और विधायक रामलाल शर्मा सहित अतिथियों का माला एवं साफ़ा स्वागत किया। सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि मेरे लोक सभा क्षेत्र में जीते हुए एकमात्र विधायक रामलाल शर्मा ने विपक्ष में होते हुए भी सरकार के ख़ज़ाने से पैसे लाकर चौमू क्षेत्र में चहुंमुखी विकास करवाने का कार्य किया है। केन्द्र सरकार ने महिलाओं को सम्मान देते हुए 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए विधेयक पास किया है। विधायक रामलाल शर्मा ने कहा की आम जनता और जन प्रतिनिधि की सहभागिता से ही विकास कार्य करवाना संभव है। इस मौक़े पर भाजपा महामंत्री प्रकाश हाटवाल, उपाध्यक्ष शिवलाल मीणा, बन्नालाल शर्मा, शंकरलाल मीणा, लल्लूराम मीणा, सरदार जाट, राम किशोर मीणा, शेरसिंह मीणा, फूलचंद मीणा, भोलूराम मीणा, भागीरथ मीणा, प्रहलाद मीणा, रूडमाल मीणा, मक्खन लाल मीणा, जगदीश सैनी, मुकेश यादव सीताराम, सुखदेव मीणा, भागीरथ शर्मा, बाबूलाल पटेल, रामफूल महाराज, छाजूराम मीणा, साधु राम मीणा, प्रकाश मीणा, गिरधारी मीणा, बद्री मीणा, शंकर मीणा ओकार मीणा, नन्छूराम मीणा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

विश्व खाद्य कार्यक्रम के प्रतिनिधियों ने विद्यालय का निरीक्षण किया

कोटपूतली, (निसं)। संयुक्त राष्ट्र संघ के विश्व खाद्य कार्यक्रम एवं राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग के मध्य हुए एमओयू के तहत शनिवार को संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व खाद्य कार्यक्रम का 6 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल कस्बा स्थित राजकीय सरदार विद्यालय पहुंचा। इसमें इटली से लौरा फिलिप, रोम से पाईमन मीलानी व रितुल शॉ, दिल्ली से तन्मय घटक, जयपुर से नरेश रामनानी व भगवंत आदि ने विद्यालय का निरीक्षण किया।

ब्लॉक संयोजक मनोज नैनावत ने बताया कि विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत राजकीय विद्यालय में दिए जा रहे मध्यान्ह भोजन को पकाने की विधि एवं वितरण प्रक्रिया, स्कूल न्यूट्री गार्डन तथा कुक कम हेल्पर के प्रशिक्षण के साथ-साथ राजकीय विद्यालयों में संचालित विकेंद्रीकृत व्यवस्था के तहत भोजन पकाने, वितरण करने की प्रक्रिया का अवलोकन व अध्ययन करने हेतु वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के रोम, इटली तथा नई दिल्ली के 6 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल का राजकीय विद्यालयों में दौरा प्रस्तावित था। जिसके तहत निरीक्षण करवाने लिए सरदार विद्यालय का चयन किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने मध्यान्ह में वितरित किए जाने वाले मिड डे मील के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा वितरण की प्रक्रिया को समझा। प्रतिनिधि मंडल ने सरदार विद्यालय की छात्र-छात्राओं के साथ बैठकर भोजन कर मिड डे मील का आनंद लिया तथा गुणवत्तापूर्ण भोजन की भूरी भूरी प्रशंसा की। विद्यालय में संचालित वोकेशनल प्रोग्राम के तहत चलाई जा रही फूड प्रोसेसिंग लैब का दौरा भी किया। विद्यालय में स्थापित न्यूट्री गार्डन (किचन गार्डन) का अवलोकन कर उसमें लगी सभी सब्जियों एवं अन्य पौधों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इससे पहले विद्यालय की प्रधानाचार्य मनोरमा यादव ने सभी आगंतुक महानुभावों का भारतीय स्वागत परंपरानुसार तिलक लगाकर, पुष्प गुच्छ देकर, माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम की प्रतिनिधि मिस लौरा ने कक्षा 8 की छात्राएं आंचल सोनी, चारू शर्मा एवं प्राची से मिड डे मील के अंतर्गत मिलने वाले साप्ताहिक भोजन के बारे में जानकारी प्राप्त की।

संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व खाद्य कार्यक्रम की प्रतिनिधि मिस लौरा (बाएं) के नेतृत्व में 6 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने राजकीय सरदार विद्यालय में मध्यान्ह भोजन की विधि की जानकारी ली।

40 लाख के विकास कार्यों का उद्घाटन किया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। पंचायत समिति बहरोड़ के गांव ढुंढाडिया व कालियाहोड़ा में प्रधान कोटे से कराए गए 40 लाख के विकास कार्यों का उद्घाटन प्रधान कांग्रेस नेता बस्तीराम यादव द्वारा किया गया।

अशोक यादव सरपंच की अध्यक्षता में विशिष्ट अतिथि एमपीएस कर्मवीर यादव तथा ग्राम कालियाहोड़ा में ढाढेसर बाबा के जोहड़ तक सिवरेज नाला निर्माण तथा शमशान के रास्ते में इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क तथा नया कुआ तक इंटरलॉकिंग सीसी सड़क एवं मेघवाल मोहल्ले में वाटर कूलर व पानी की टंकी का निर्माण आदि तथा आगामी बजट में 10 लाख रुपए की घोषणा करते 40 लाख के विकास कार्यों का उद्घाटन किया। जिसमें कांग्रेस नेता बस्तीराम को ग्रामीणों द्वारा गाजे बाजे के साथ फूल मालाओं तथा साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती कोच राजकुमार यादव, विक्रम प्रधान, माजरी ब्लॉक अध्यक्ष तेज सिंह, डॉ जयपाल, स्योताज सरपंच, सुरेंद्र एडवोकेट, मनोज, रोहिताश्व पार्षद, रमेश पार्षद, विक्रम सिंह, महेश सेन, रोहिताश्व गुर्जर, सुनील आदि मौजूद रहे।

सांसद और विधायक ने दिव्यांग को स्कूटी भेंट की

चौमूं / कालाडेरा (निसं) सांदरसर निवासी मिट्ठन लाल जांगिड़ पुत्र सुनीलाल जांगिड़ को सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती और विधायक रामलाल शर्मा ने मोटराइज्ड स्कूटी भेंट की। दिव्यांग को हस्तेडा मोड सडक शिलान्यास कार्यक्रम में स्कूटी भेंट की।

विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि दिव्यांग व्यक्ति को अपने निजी कार्यों के लिए दूसरो पर आश्रित होना पडता है। जिस कारण उससे काफ़ी परेशानी का सामना करना पडता है। दिव्यांग को स्कूटी मिलने से वो स्वयं कही भी आ जा सकते है तथा दूसरो पर आश्रित नहीं होना पडता। इस मोके गोविन्दगढ पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव, उपप्रधान कमला देवी कालाडेरा व्यापार मण्डल अध्यक्ष महेश कुमार योगी, जयप्रकाश चौधरी, मण्डल अध्यक्ष बनवारी शर्मा, प्रभारी नरेश यादव, पूर्व प्रधान महेश मीणा, पंचायत समिति सदस्य लालचंद यादव, सरपंच रमेश शर्मा, बाबूलाल जडवाल, गोपाल डेनवाल, वीरेन्द्र सिंह, मुकेश पंचोली, गोपाल यादव, छोगाराम यादव, बाघ सिंह, करण सिंह, महेन्द्र सिंह, मलीराम यादव, नंदलाल कुमावत आदि मौजूद रहे।

भारत के पास एक अच्छी गेंदबाजी लाइनअप हैं, खासकर यहां घरेलू परिस्थितियों में। इसलिए, वे चुनौती पेश करेंगे मगर अच्छी बात यह है कि हमने उन्हें बहुत खेला है। **-पैट कमिंस**

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, भारत के विरुद्ध होने वाले मुकाबले को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा के पास खिताबों की भरमार है लेकिन ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता इस खिलाड़ी का मानना है कि वह अभी तक अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाये हैं। उनका लक्ष्य 90 मीटर की दूरी तय कर लगातार इसे हासिल करना है। वह अगले साल के पेरिस खेलों के लिए तैयार हैं। हरियाणा के 25 वर्षीय खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में अधिकांश समय कमर में खिंचाव के बाद भी अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता। वह सितंबर में डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

एशियाई खेल : भारत ने एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 28 स्वर्ण सहित 107 पदक जीते

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले एक पखवाड़े में अपने खून, पसीने और कड़ी मेहनत से एशियाई खेलों में 107 पदकों के जादुई आंकड़े को छूकर देश को समय से पहले दिवाली का तोहफा देने के साथ 2024 के पेरिस ओलंपिक में अब तक की सबसे अच्छे प्रदर्शन का भरोसा दिया।

भारतीय खिलाड़ियों की स्पर्धाएं शनिवार को समाप्त हो गयी। रविवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन निर्धारित कुछ स्पर्धाओं में देश का कोई भी एथलीट मैदान में नहीं है। भारतीय खिलाड़ियों ने हांगझोउ में 107 पदक के साथ नया रिकॉर्ड कायम किया। खिलाडियों के जहन में यह आंकड़ा कम से कम 2026 में जापान के आइची-नागोया में होने वाले अगले खेलों तक जरूर रहेगा। भारतीय खिलाड़ियों ने 2018 में इंडोनेशिया में 70 पदक जीते थे लेकिन हांगझोउ में उन्होंने बड़ा सुधार करते हुए 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक जीते। भारत को सबसे ज्यादा आश्चर्यचकित एथलेटिक्स के परिणाम ने किया। भारतीय एथलीटों ने अपने अभियान के आखिरी दिन 12 पदक जीते जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक है। कुश्ती में बजरंग पूनिया ने निराश किया तो वहीं बैडमिंटन के पुरुष युगल में सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रशंसकों को खुश किया।

एशियाई खेलों में पदक की स्थिति

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	197	108	70	375
जापान	49	63	68	180
दक्षिण कोरिया	39	58	89	186
भारत	28	38	41	107
उज़्बेकिस्तान	21	18	31	70
चीनी ताइपे	18	19	28	65
ईरान	13	21	19	53
थाईलैंड	12	14	31	57
बहरीन	12	3	5	20
उत्तर कोरिया	11	18	10	39

14वें दिन भारत की पदक विजेता सूची

1. ज्योति सुरेखा वेन्नम महिला कंपाउंड तीरंदाजी स्वर्ण
2. ओजस देवताले पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी स्वर्ण
3. अभिषेक वर्मा पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी रजत
4. अदिति स्वामी महिला कंपाउंड तीरंदाजी कांस्य
5. कबड्डी महिला टीम स्वर्ण
6. कबड्डी पुरुष टीम स्वर्ण
7. एस. रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी बैडमिंटन पुरुष युगल स्वर्ण
8. हॉकी महिला टीम कांस्य
9. क्रिकेट पुरुष टीम स्वर्ण
10. शतरंज पुरुष टीम रजत
11. शतरंज महिला टीम रजत
12. दीपक पूनिया फ्रीस्टाइल कुश्ती (86 किग्रा) रजत

कबड्डी में पुरुष और महिला टीमों ने जकार्ता में निराशा झेलने के बाद वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीते। युवा तीरंदाज ओजस देवताले और अभिषेक वर्मा ने कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण-रजत पदक हासिल किया। तीरंदाज ज्योति वेन्नम ने भी देश की प्रतियोगिता के अंतिम दिन अपना स्वर्णिम क्षण बिताया। व्यक्तिगत महिला कंपाउंड स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल कर उन्होंने इस खेल की महाशक्ति दक्षिण कोरिया को दिखाया कि भारत अब उनकी बराबरी कर रहा है। पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने दिन के अंत में देश को दो रजत पदक दिलाये जिससे भारत चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद चौथे स्थान पर है। भारत के चौथे स्थान पर बदलाव की संभावना नहीं है क्योंकि पांचवें स्थान पर मौजूद उज्बेकिस्तान के पास भारत के 28 की तुलना में 20 स्वर्ण हैं। निशानेबाजों (22) और ट्रैक एवं फील्ड एथलीटों (29 पदक) से भी भारत की झोली में 51 पदक आ गये। भारतीय दल ने कई अप्रत्याशित पदक भी जीते जिसमें महिला टेबल टेनिस टीम का कांस्य (सुतीर्था मुखर्जी और अहिका मुखर्जी) शामिल है । पारुल चौधरी ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में आखिरी 30 मीटर में कमाल करके स्वर्ण जीत लिया । भाला फेंक में ओलंपिक और विश्व चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण और किशोर जेना ने रजत पदक जीता। केनोइंग में अर्जुन सिंह और सुनील सिंह ने ऐतिहासिक कांस्य जीता।

कबड्डी : बेटियों ने भारत को दिलाया ऐतिहासिक सौंवा पदक

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को रोमांचक मुक़ाबले में चीनी ताइपे को 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। एशियाई खेलों के 72 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब भारत ने पदकों की सेंचुरी पूरी की है। इसमें 25 स्वर्ण, 35 रजत और 40 कांस्य पदक शामिल है। इस बार एथलेटिक्स में प्रदर्शन सबसे शानदार रहा है जिसमें अकेले भारत को 29 पदक मिले हैं जबकि शूटिंग में भारत के खाते में 22 पदक आये हैं।

महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत का तीसरा महिला कबड्डी खिताब था, जबकि चीनी ताइपे ने हांगझोउ में अपने 2018 के कांस्य को रजत में प्रोन्नत किया। स्वर्ण पदक मैच शुरुआती मैच की तरह ही कड़ा मुकाबला था। दूसरे हाफ में चीनी ताइपे ने भारतीय टीम को ऑलआउट कर दिया, हालांकि रेडिंग विभाग में भारत ने उन्हें पछाड़ दिया।

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने इससे पहले हांगझोउ 2010 और इंचियोन 2014 में गोल्ड मेडल जीता था जबकि जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में टीम को ईरान के ख़िलाफ़ हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। पुष्पा राणा और पूजा हाथवाला ने भारत के लिए रेड की शुरुआत की। एशियन गेम्स 2023 कबड्डी के ग्रुप स्टेज मुक़ाबलों में भारत ने चीनी ताइपे के ख़िलाफ़ पहला मैच ड्रॉ (34-34) खेला, और उसके बाद दक्षिण कोरिया (56-23) और थाईलैंड (54-22) को हराया था।

जापान को हराकर भारत ने जीता कांस्य पदक

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को कांस्य पदक मुकाबले में जापान को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हरा दिया। भारतीय महिलाओं ने एशियाई खेलो में चौथी बार हॉकी के कांस्य पदक पर कब्जा जमाया है। इससे पहले भारत ने 1986, 2006 और 2014 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा महिला हॉकी टीम ने 1982 में नई दिल्ली में खेले गये एशियाई खेल में स्वर्ण पदक जीता था जबकि 2018 में इंडोनेशिया के जकार्ता में खेले गये एशियन गेम्स में भारत के हाथ चांदी लगी थी।

कांस्य पदक मुकाबले के पांचवे मिनट में दीपिका ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी मगर जापान की युरी नागाई ने 30वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर से गोल करके हिसाब बराबर कर दिया। इस बीच भारत ने जापान पर जबरदस्त आक्रमण किये मगर रक्षा पंक्ति ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। सुशीला चानू ने आखिरकार 50वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर से एक और गोल कर स्कोर को 2-1 कर दिया जो अंत तक बरकरार रहा। इसके साथ ही भारत ने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स का बदला भी पूरा कर लिया जहां फाइनल में जापान ने भारत को 2-1 से हराया था ।

तीरंदाजी : भारत ने कंपाउंड स्पर्धा में किया क्लीन स्वीप

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण देवताले ने एशियन गेम्स की तीरंदाजी स्पर्धा में भारत के लिये महिला और पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते जबकि अभिषेक वर्मा ने रजत और अदिति गोपीचंद स्वामी महिलाओं की कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। तीरंदाजी में भारत के खाते में अब तक नौ पदक आये है जिसमें से सात पदक कंपाउंड तीरंदाजों ने अपने नाम किए हैं। इसके साथ ही भारत ने इस कैटेगरी को सभी पांच स्वर्ण पदकों के साथ क्लीन स्वीप किया।

ज्योति सुरेखा ने महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में दक्षिण कोरिया की चेवोन सो को 149-145 से हराकर तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। इससे पहले वह महिला और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में भी स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में ओजस प्रवीण देवताले ने हमवतन अभिषेक वर्मा को 149-147 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि अभिषेक को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, वहीं अदिति गोपीचंद स्वामी ने महिलाओं के व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में इंडोनेशिया की रतिह ज़िलीज़ाती फादली को 146-140 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

कुश्ती में पूनिया ने भारत के लिये जीता रजत

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता दीपक पूनिया को एशियाई खेल में 86 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती वर्ग के खिताबी मुकाबले में शनिवार को ईरान के हसन यज़दानी से हार कर रजत पदक पर संतोष करना पड़ा। इस जीत के साथ भारत ने कुश्ती में एक रजत और पांच कांस्य पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया। रियो 2016 ओलंपिक चैंपियन और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता ईरान के हसन यज़दानी ने पहले चरण में ही आठ अंक की बढ़त बना ली थी। पूनिया ने दूसरे राउंड में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन ईरानी पहलवान अपने एशियन गेम्स के खिताब का बचाव करने में सफल रहे। दीपक पूनिया ने इससे पहले राउंड ऑफ 16 में अपने अभियान की शुरुआत तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर इंडोनेशिया के रैंडा रियानडेस्टा पर जीत हासिल करते हुए की थी।

सात्विक-चिराग ने दिलाया ऐतिहासिक स्वर्ण पदक

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। चीन के हांगझोउ में खेले जा रहे 19वे एशियाई खेलों में भारत का स्वर्णिम सफर जारी है। भारत ने शनिवार को न सिर्फ पदक तालिका में पहली बार 100 के पार पहुंचने का रिकार्ड बनाया बल्कि एशियाई खेलों में पहली बार बैडमिंटन का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बैडमिंटन के पुरुष युगल फाइनल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने दक्षिण कोरिया के चोई सोल्यू और किम वोन्हू को 21-18, 21-16 से हराकर एशियाई खेलों में भारत के लिये पहला बैडमिंटन स्वर्ण पदक जीता। ज्ञातव्य है कि इससे पहले भारत ने एशियाई खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता था। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में महिला एकल स्पर्धा में रजत पदक जीता था।

दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने दक्षिण कोरियाई जोड़ी को 56 मिनट के खेल में 21-18, 21-16 से हरा कर ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। चोई और किम ने भारत की शीर्ष वरीय जोड़ी का साहस के साथ मुकाबला किया। इस बीच सात्विक और चिराग ने कुछ अच्छे ड्रॉप शॉट, स्मैश और बैकहैंड शॉट लगाते हुए पहला गेम 29 मिनट का समय लेकर 21-18 से अपने नाम किया।

दूसरा गेम भी बेहद रोमांचक रहा और दोनों ही टीमों ने लगातार बेहतरीन प्रयास किए लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने विरोधी जोड़ी के ख़िलाफ़ ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बनाए रखी। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद लगातार कई शानदार शॉट लगाते हुए विरोधी टीम को ग़लती करने के लिए मज़बूर किया। चोई सोल्यू और किम वोन्हू ने ब्रेक के बाद अपने स्कोर में 8 अंक का इज़ाफ़ा ज़रूर किया लेकिन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भारत को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाने के लिए दूसरे गेम को 21-16 से जीत लिया। गौरतलब है कि इससे पहले भारतीय पुरुष टीम ने रजत और एचएस प्रणॉय ने पुरुष एकल का कांस्य पदक अपने नाम किया था।

वर्षा बाधित मुकाबले में भारत के हाथ आया गोल्ड

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। एशियन गेम्स में पहली बार शिरकत कर रही भारतीय क्रिकेट टीम ने शनिवार को वर्षा के कारण रद्द किये गये मुकाबले में बेहतर टी20 रैंकिंग के आधार पर स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि अफगानिस्तान की टीम को रजत पदक पर संतोष करना पड़ा।

टॉस जीत कर भारत ने अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। अफगानिस्तान ने 18.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 112 रन बनाये थे कि तेज बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा। इस बीच मैदान पर वर्षा की रफ्तार कम नहीं हुयी और मैदानी अंपायरों ने मैच को रद्द घोषित कर दिया। भारत को रद्द मैच में बेहतर आईसीसी रैंकिंग का लाभ मिला और उसे स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से और क्वार्टरफाइनल में नेपाल को 23 रनों से हराया था। उधर कांस्य पदक मुकाबले में बांग्लादेश ने डीएलएस पद्धित के आधार पर पाकिस्तान को छह विकेट से हराया। वर्षा के कारण ओवरों की संख्या घटाकर पांच-पांच कर दी गयी थी। बांग्लादेश ने निर्धारित पांच ओवर में चार विकेट खोकर 65 रन बनाये जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम पांच ओवर में एक विकेट पर 48 रन ही बना सकी।

भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने शतरंज में जीती चांदी

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारत की पुरुष और महिला टीमों ने एशियाई खेलों में शनिवार को शतरंज में रजत पदक अपने नाम किये। महिला टीम स्पर्धा में कोनेरू हम्पी, हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, वंतिका अग्रवाल और सविता श्री बी की भारतीय टीम ने अपने नौ राउंड में सात जीत हासिल की। टीम को एक मैच में हार मिली, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनकी एकमात्र हार चौथे राउंड में मेज़बान चीन के ख़िलाफ़ 2.5-1.5 से थी। भारत ने फाइनल राउंड में चीन रिपब्लिक को 4.0:0.0 से हराकर रजत पदक जीता। चीन ने आठ जीत और एक ड्रॉ के साथ महिलाओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। छह जीत, एक ड्रॉ और दो हार के साथ कजाकिस्तान को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस बीच, गुकेश डी, विदित गुजराती, अर्जुन एरिगैसी, पेंटाला हरिकृष्णा और रमेशबाबू प्रगनानंद पुरुष टीम स्पर्धा में ईरान से पिछड़ गए। ईरान ने अपने नौ राउंड में सात जीत और दो ड्रॉ दर्ज किए, जबकि भारत ने छह जीत और तीन ड्रॉ खेले। उज्बेकिस्तान ने छह जीत, दो ड्रॉ और एक हार के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय पुरुष टीम ने फिलीपींस के ख़िलाफ़ 3.5:0.5 से जीत के साथ अपना पदक पक्का कर लिया। भारत की एशियन गेम्स 2023 मेडल टैली में भारतीय शतरंज टीम ने दो रजत पदक जोड़े।

अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश को मिली आसान जीत

धर्मशाला, 7 अक्टूबर। मेहदी हसन मिराज (57 रन और 25 रन पर तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से बांग्लादेश ने शनिवार को यहां आईसीसी विश्व कप मुकाबले में अफगानिस्तान को 92 गेंद शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुये 37.2 ओवरों में 156 रन पर सिमट गयी। बांग्लादेश ने जीत का आसान लक्ष्य 34.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। बांग्लादेश की आसान जीत के नायक मेहदी हसन मिराज बने जिन्होने पहले अफगानिस्तान के कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (18),राशिद खान (9) और मुजीब उर रहमान (1) का विकेट लिया और बाद में अर्धशतकीय पारी खेल कर अपनी टीम की जीत को और आसान बना दिया। उन्हे प्लेयर आफ द मैच चुना गया। नजमुल शान्तो 59 रन बना कर नाबाद लौटे। उन्होने मिराज के साथ 97 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी की जब टीम 27 रन पर दो अहम विकेट गंवा कर कुछ मुश्किल में फंस चुकी थी। इससे पहले इब्राहम जरदान (22) और रहमत शाह (18) ने अफगानिस्तान को संतुलित शुरूआत दी थी। जरदान के आउट होने के बाद कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (18) ने शाह के साथ मिलकर टीम के स्कोर को एक विकेट पर 83 तक पहुंचा दिया था मगर शाकिब अल हसन ने जरदान और शाह को नियमित अंतराल में आउट कर अफगान टीम को चोट दी जबकि बाद में मिराज ने शहीदी को विकेट के पीछे आउट कराया और अफगानिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 112 रन हो गया। शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी डगमगाने लगी और बांग्लादेशी गेंदबाजों की पकड़ मजबूत होती है। मध्यक्रम के फ्लाप होने के परिणामस्वरूप बाकी बचे सात बल्लेबाज टीम के स्कोर में मात्र 44 रन जोड़ कर पवेलियन लौट गये।

श्रीलंका को 102 रनों से रौंदकर द. अफ्रीका ने किया सिंहनाद

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। क्विंटन डिकॉक (100), रासी वान दर दुसें (108) और एडन मारक्रम (106) के तूफानी शतकीय प्रहारों बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में शनिवार को श्रीलंका को 102 रनों से हरा दिया।

अरुण जेटली स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पांच विकेट पर 428 रन बनाये जिसके जवाब में श्रीलंका की पारी 44.5 ओवर में 326 रनों पर सिमट गयी। रनो की बरसात के बीच इस मैच में पांच रिकार्ड भी बने। मारक्रम ने मात्र 49 गेंदो पर शतक जड़कर एक दिवसीय मैच में सबसे तेज शतक बनाने का रिकार्ड बनाया वहीं श्रीलंका के कुसल मेंडिस ने मात्र 25 गेंदो पर अर्धशतक बनाकर एक रिकार्ड बनाया। इस मैच में दोनो टीमो ने कुल मिलाकर 754 रन बनाये जो एक दिवसीय मैचों के इतिहास में सबसे ज्यादा स्कोर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के तीन बल्लेबाजों ने शतक ठोक कर विश्व कप में एक कीर्तिमान और जोड़ दिया।

टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी का न्योता श्रीलंका को काफी महंगा पड़ा। कप्तान तेम्बा बावूना (8) को सस्ते में निपटाने के बाद श्रीलंका के गेंदबाज को कतई अनुमान नहीं रहा होगा कि बाकी के समय उनकी किस कदर से धुलायी होने वाली है। पहले क्विंटन डिकॉक और दुसें के बीच दोहरी शतकीय साझीदारी हुयी जबकि बाद में दुंसे ने एडम मारक्रम के साथ शतकीय भागीदारी निभा कर अपनी टीम को विशाल स्कोर पर पहुंचाया। मारक्रम ने महज 54 गेंदों पर 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 106 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका के खाते में 264 रन 45 चौकों और 14 छक्कों की मदद से जुड़े। चौके छक्कों की बरसात से हतप्रभ श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अपनी लाइन लेंथ खो दी और 13 वाइड और एक नो बॉल फेंकी।

दसून शनाका को छोड़ कर श्रीलंका के अन्य पांच गेंदबाजों की इकोनॉमी आठ और दस के बीच रही। कसुन रजिता ने एक विकेट के बदले 90 रन खर्च किये जबकि मथीशा पथिराना को एक विकेट के लिये 95 रन लुटाने पड़े।

429 रनो के भारी भरकम स्कोर का पीछा करने उतरे श्रीलंका के बल्लेबाजों ने गजब के साहस का परिचय दिया और विकेट गिरने के बावजूद रनो की गति को कम नहीं होने दिया। कुसल मेंडिस ने आठ छक्के और चार चौकों की मदद से 42 गेंदो पर 76 रन की तूफानी पारी खेली जिसके चलते श्रीलंका 13वें ओवर तक 109 रन बना चुका था। मेंडिस के अलावा चरिथ असलंका (79) और कप्तान दसून शनाका (68) ने भी लक्ष्य तक पहुंचने का भरपूर प्रयास किया जबकि आखिर में कसुन रजिता (33) ने भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की मगर वह रनो के पहाड़ को लांघने में विफल रहे।

जीत के साथ अभियान का आगाज करने उतरेगी भारत

विश्वकप क्रिकेट : ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला आज

चेन्नई, 7 अक्टूबर। घरेलू दर्शकों की मौजूदगी में भारतीय टीम आईसीसी विश्व कप में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अभियान का आगाज करने रविवार को बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी। कंगारूओं के लिये अब तक मुफीद चेपाक स्टेडियम की पिच पर दोनो टीमो को दवाब और गर्मी को भी झेलना होगा।कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली के अलावा शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या पर विशेष रूप से मेहमानों की नजर होगी जो दुनिया के किसी भी आक्रमण की बखिया उधेड़ने में सक्षम है जबकि कुलदीप यादव और रविचंद्रन अश्विन टर्न लेती पिच पर आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे। चेपॉक की पिच पर बीच के ओवरों में भारतीय स्पिनरों का प्रदर्शन निर्णायक साबित हो सकता है। चेपॉक पर भारत ने 14 वनडे में से सात जीते हैं और छह हारे हैं जबकि एक मैच रद्द हो गया था। वैसे तो शुभमन गिल के अंतिम एकादश में शामिल होने को लेकर संस्पेंस बना हुआ है मगर कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि वह इस बारे में अंतिम फैसला मैच शुरु होने से पहले लेंगे क्योंकि उन्हे उम्मीद है कि गिल अपनी बीमारी से उबरने में सफल हो सकते हैं। मैच पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में रोहित ने कहा कि उनके पास तीन तेज गेंदबाज और तीन फिरकी गेंदबाजों को खिलाने का विकल्प खुला है। हार्दिक पांड्या की इस बारे में भूमिका अहम होगी। रोहित शर्मा के पास कप्तान के तौर पर विश्व कप ट्राफी उठाने का यह पहला और आखिरी मौका होगा जबकि भारतीयों के दिल में बसने वाले विराट कोहली पर भी उम्मीदों का भारी दवाब होगा।

भारत :- रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, शार्दुल ठाकुर । **आस्ट्रेलिया :-** पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कारी, जोश इंगलिस, सीन एबोट, एश्टोन एगर, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जाम्पा, मिचेल स्टार्क।

गिल बीमार है, लेकिन टीम के बाहर नहीं : रोहित

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां खेले जाने वाले मैच सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को अभी बाहर नहीं किया गया है। एमए चिदम्बरम स्टेडियम में भारत रविवार को आईसीसी विश्व कप के अपने पहले मैच में आस्ट्रेलिया से टक्कर लेगा।

फिलिस्तीनी आतंकियों के रॉकेट हमलों से थर्राया इज़रायल, 200 लोगों की मौत

आतंकी संगठन हमास ने इज़रायल पर हजारों रॉकेट दागे और घुसपैठ करके 50 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया, 500 से ज्यादा लोग घायल हुये

- क्रोधित इज़रायल ने फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- गौरतलब है कि, एक दिन पहले इज़रायल ने 75वीं सालगिरह मनाई थी। उसके अगले ही दिन उसे इतने बड़े हमले का सामना करना पड़ा। आतंकियों ने इज़रायल सुरक्षाबलों के हथियारों और सैन्य वाहनों पर भी कब्जा किया।
- सोशल मीडिया पर साझा किए गये वीडियो में दिख रहा है कि फिलिस्तीनी हमलावर इजरायली शहर स्डेरोट की सड़कों पर राहगीरों पर सरेआम गोलियां चला रहे हैं।

तेल अवीव, 7 अक्टूबर। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने शनिवार सुबह इजरायल के ऊपर ताबड़तोड़ 5 हजार से अधिक रॉकेट हमले किये। इन हमलों के कारण पूरा इजरायल थर्रा उठा, 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 500 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। इसके अलावा सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों को बंधक भी बनाया गया है।

आतंकी संगठन हमास ने कुछ वीडियो फुटेज जारी किए हैं। इन फुटेज में नजर आ रहा है कि, हमास आतंकी हमले के दौरान इजरायली लोगों को पकड़कर उन्हें बंधक बना रहे हैं। बता दें कि, गाजा के आतंकी संगठन ने शनिवार सुबह इजरायल पर बेहद खतरनाक ढंग से हमले को अंजाम दिया। इस दौरान हजारों रॉकेट दागे गए और विभिन्न तरफ से घुसपैठ करते हुए लोगों को निशाना बनाया था।

गौरतलब है कि एक दिन पहले इजरायल ने 75वीं सालगिरह मनाई थी। इसके अगले ही दिन उसे इतने बड़े हमले का सामना करना पड़ गया। अचानक से हुए इस हमले ने इजरायली सेना और सुरक्षा बलों को पूरी तरह से हैरान कर दिया। हमास के बंदूकधारी मिलिट्री बेस में घुस गए और सीमा पर बसे इजरायली समुदाय की तरफ बढ़ने लगे। स्थानीय लोगों ने बताया कि, इस दौरान आतंकी मार रहे थे और पकड़ रहे थे। ऑनलाइन वायरल हो रही एक अन्य वीडियो क्लिप में दिखाया गया है कि आतंकी संगठन द्वारा लोगों को बंधक बनाया जा रहा है। अरबी मीडिया ने दावा किया है कि, यह संख्या 52 है। पकड़े गए कुछ लोगों को मौत के घाट भी उतार दिया गया है। जारी युद्ध के बीच सेना ने फिलहाल मृतकों या बंधकों के आंकड़ों की जानकारी देने से इनकार कर दिया है।

सोशल मीडिया पर हमास लड़ाकों के कई वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जो चोरी हुए इजराइली सैन्य वाहनों को सड़कों पर घुमाते देखे जा सकते हैं। एक वायरल वीडियो में गाजा के भीतर एक इजराइली सैनिक के शव को फलस्तीनियों की गुस्साई भीड़ द्वारा घसीटते हुए देखा जा सकता है। मैगन डेविड एडोम रेस्क्यू सेवा ने कहा कि, उसकी दो एम्बुलेंस को पकड़ लिया गया। इसके अलावा एक डॉक्टर की भी मौत हो गई। गौरतलब है कि आक्रमण शुरू होने के छह घंटे बाद, हमास आतंकवादी कम से कम सात इजरायली समुदायों और एक सैन्य अड्डे के अंदर फायरिंग कर रहे थे। इस अचानक से हुए हमले से पूरे देश को हिला दिया।

हमास की तरफ से जबरदस्त हमले के बाद नेतन्याहू और उनके गठबंधन सहयोगियों की आलोचना तेज हो गई है, जिन्होंने गाजा से खतरों के खिलाफ अधिक आक्रामक कार्रवाई का अभियान चलाया था। राजनीतिक विश्लेषकों ने योजना और समन्वय के स्तर पर हमास हमले का अनुमान लगाने में विफलता पर सरकार की आलोचना की। गौरतलब है कि हमास के अभूतपूर्व रॉकेट हमले के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश की जनता से कहा कि, हम युद्धरत हैं।

सोशल मीडिया पर साझा किए गये वीडियो में दिख रहा है कि फिलिस्तीनी हमलावर इजरायली शहर स्डेरोट की सड़कों पर राहगीरों पर सरेआम गोलियां चला रहे हैं। गाजा की ओर से किये गये फिलिस्तीनी रॉकेट हमले में इजरायल की एक महिला की मौत हो गयी।

इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि हमास ने बहुत बड़ी गलती की है और उनके देश के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है। गैलेंट ने कहा कि इजरायल के सैनिक हर जगह पर दुश्मन का सामना कर रहे हैं और इज़राइल इस युद्ध को जीतेगा। इजरायल रक्षा बलों (आई.डी.एफ.) ने कहा कि वह युद्ध में आगे बढ़ चुका है और कई लड़ाकू विमान गाजा में हमास के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहे हैं। हमास द्वारा शासित गाजा की ओर से रॉकेट हमला सुक्कोट के यहूदी छुट्टी की समाप्ति के ठीक बाद आज सुबह शुरू हुआ।

पूरे इज़रायल में जैसे ही सायरन बजने लगे, आई.डी.एफ. ने घोषणा की कि हमलावरों ने इजरायली क्षेत्र में कई अलग-अलग स्थानों पर घुसपैठ की है। इसने दक्षिणी और मध्य क्षेत्रों में नागरिकों को आश्रयों में और गाजा के आसपास के क्षेत्र में आश्रयों के अंदर रहने के लिए कहा।

ऑनलाइन पोस्ट किए गए वीडियो में दिख रहा है कि भारी हथियारों से लैस फिलिस्तीनी हमलावरों का एक समूह काले कपड़े पहने एक पिक-अप ट्रक में स्डेरोट के आसपास घूम रहा है। एक वीडियो में, वही हमलावर शहर की सड़कों पर इजरायली बलों के साथ गोलीबारी करते दिख रहे हैं, जो गाजा से केवल एक मील दूर है।

फिलिस्तीनी मीडिया की अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार, कई इजरायलियों को हमलावरों ने बंदी बना लिया है और वीडियो में गाजा में फिलिस्तीनियों को इजरायली सैन्य वाहन चलाते हुए दिखाया गया है। इस बीच, रॉकेट हमले शनिवार सुबह तक लगातार जारी रहे और इजरायली मीडिया ने कहा कि अब तक 2,200 से ज्यादा गोले इजरायल की ओर दागे जा चुके हैं।

इजरायल की मैगन डेविड एडोम एंबुलेंस सेवा की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार रॉकेट हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और 16 अन्य घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। दक्षिणी शहर अशकेलॉन के एक अस्पताल ने बाद में कहा कि वहां 68 घायलों का इलाज चल रहा है, जबकि बीयर शेवा के एक अन्य अस्पताल ने 80 अन्य लोगों की सूचना दी।

हमास के एक वरिष्ठ सैन्य कमांडर ने हमास मीडिया पर एक प्रसारण में अभियान शुरू करने की घोषणा की और फिलिस्तीनियों से हर जगह लड़ने का आव्हान किया। मोहम्मद दीफ ने कहा कि यह पृथ्वी पर अंतिम कब्जे को समाप्त करने के लिए सबसे बड़ी लड़ाई का दिन है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की टोंक में सक्रियता न केवल भाजपा अपितु कांग्रेसजनों में भी बड़ी चर्चा का विषय बनी हुई है। पिछले 10-12 दिनों से पायलट टोंक विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों के तूफानी दौरे कर रहे हैं। टोंक में पायलट की सक्रियता के कारण यहां से उम्मीदवारी के दावे ठोंकने की फिराक में बैठे 12 से 15 कांग्रेसजन भी सकते में आ गये हैं। इस बीच पायलट ने भाजपा खेमे में भी सेंधमारी कर दी है, शनिवार को पायलट की, भाजपा के पूर्व टोंक शहर मण्डल अध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया से हुई मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं।

पायलट ने भाजपा के माली वोट बैंक को साधा

भाजपा के पूर्व शहर अध्यक्ष कमलेश सिगोदिया से पायलट की मुलाकात चर्चा का विषय बनी

- पायलट ने टोंक जिले का तूफानी दौरा कर यहां से चुनाव नहीं लड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया।
- पायलट ने टोंक शहर के आधे से ज्यादा वार्डों में घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की।

टोंक, 7 अक्टूबर (निसं)। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट दो दिवसीय टोंक दौरे पर रहे और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों पर चर्चा की, पायलट ने दो दिन के तूफानी दौर से विधानसभा क्षेत्र उम्मीदवार बनने के सपने संजो रहे 12 से 15 कांग्रेस उम्मीदवार भी सकते में आ गये हैं। कार्यकर्ताओं को भी चौंका दिया है।

जानकारी के अनुसार कई लोग यह भी कयास लगा रहे थे कि टोंक विधायक सचिन पायलट इस बार टोंक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव नहीं लडेंगे, जिससे कई कांग्रेसी उम्मीदवार खुश भी नजर आ रहे थे, लेकिन अचानक हुए दो दिन के दौरे ने यह तो साबित कर दिया कि अगला विधानसभा चुनाव टोंक विधानसभा क्षेत्र की जनता के बीच रहकर ही लड़ा जायेगा।

पायलट ने शनिवार को चराई, अरनियामाल, छान, उनकाबरा, वजीरपुरा, महुआ, भरनी, करीमपुरा आदि गांवों के साथ बैरवा समाज धर्मशाला में आयोजित सम्मान समारोह सहित टोंक शहर के मुख्य इलाका कालीपलटन के बछेरो के घेर में आम सभा को संबोधित किया, पायलट इस दौरान युवाओं के साथ हंसी मजाक करते भी नजर आये, या यू कहा जाये कि, पायलट ने अपनी जीत का आंकड़ा इन दो दिनों में ही तय कर दिया है। पायलट ने गुर्जर बैल्ट, मीणा बैल्ट सहित बैरवा समाज और शहर के आधे से ज्यादा वार्डों में जाकर घर-घर चाय की चुस्कियों के साथ चर्चा भी की।

वहीं गहलोत गुट और भाजपा गुट के लोगों के वहां जाकर पायलट ने शहर में चर्चा का विषय बना दिया है। बात की जाये तो भाजपा से कमलेश सिगोदिया जो पूर्व में शहर मण्डल अध्यक्ष और नगर परिषद के सीधे चेयरमैन के चुनाव में वर्ष 2009 में अपना भाग्य अजमा चुके है। पायलट का कमलेश सिगोंदिया के कॉलेज जाकर मुलाकात करना लोगों द्वारा कई मायने निकाले जा रहे हैं, टोंक विधानसभा क्षेत्र में माली समाज बड़ी संख्या में निवास करता है।

पायलट की भाजपा के पूर्व टोंक शहर मण्डल अध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया से हुई मुलाकात को राजनैतिक मायनों में अहम माना जा रहा है। वहीं भाजपा इस मुलाकात के बाद सदमे आ चुकी है, क्योंकि यहाँ के अधिकतर भाजपा वोटर बैंक माली समाज का ही रहा है। सिंगोदिया ने अपनी बात रखते हुए पायलट को यह भी कहा कि, टोंक जिले की मालपुरा विधानसभा क्षेत्र से माली समाज को टिकट दिया जाना चाहिए, मालपुरा विधानसभा क्षेत्र में माली समाज बड़ी तादाद में निवास करता है, पायलट को माली समाज से एक टिकट की मांग को लेकर जो वार्तालाप हुए है, अगर वह सच साबित हो जाती है, तो टोंक जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में निवास कर रहे माली समाज का वोट कांग्रेस के पक्ष में दिया जायेगा। इसके लिए माली समाज के मुख्य लोगों द्वारा चारों विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार भी किया जायेगा, पायलट ने आलाकमान से इस विषय में बात करने की चर्चा भी की है।

वहीं पायलट ने भाजपा खेमे में सैंधमारी कर यह साबित कर दिया कि अब माली समाज भाजपा का वोट बैंक ही नहीं रहा, जो पार्टी माली समाज का भला करेगी, माली समाज अब उस ही पार्टी के साथ रहेगा। कमलेश सिगोदिया टोंक शहर में स्कूल, कॉलेज सहित भामाशाह के रूप में भी माने जाते हैं, राजनैतिक गलियारों में इस मुलाकात के बाद अलग-अलग तरह के कयास भी लगाये जा रहे हैं कि क्या सिगोदिया जल्द कांग्रेस का दामन थामेंगे या समाज के लिए अग्रणीय रहेंगे। वहीं गहलोत गुट के माने जाने वाले सरताज अहमद, राशन डीलर प्रदेशाध्यक्ष के घर जाकर पायलट का चाय पीना भी शहर में चर्चा का विषय बन गया है, इसके भी लोगों द्वारा अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक समर्थकों ने दलित महिलाओं को पीटा

मारपीट में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसको उपचार के लिए अजमेर रैफर किया गया

- बिदियाद में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक के आगमन से पहले ही दलित पुरूष व महिलाएं काले झंडों के साथ विरोध जता रही थीं तब उनके साथ मारपीट की गई।
- महिलाओं ने बताया कि, राणासर हत्याकांड के समय 6 दिन चले धरने में विधायक रामनिवास गावड़िया नहीं आए थे, इसलिए उनका विरोध किया गया है।

परबतसर, 7 अक्टूबर (निसं)। ग्राम पंचायत बिदियाद में शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण का कार्यक्रम विरोधाभास के बीच आयोजित हुआ। कुछ दलित महिलाओं व पुरुषों ने परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया के आगमन से पहले ही काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन शुरु कर दिया था। इसके बाद, वहाँ मौजूद विधायक समर्थक कार्यकर्ताओं ने दलित समाज की इन महिलाओं के साथ मारपीट की, जिसमें एक महिला गम्भीर रुप से घायल हो गई। जिसे उपचार के लिए अजमेर रैफर किया गया।

जानकारी के अनुसार, खास बात तो यह सामने आई कि, जिनके साथ मारपीट हुई उन्हीं लोगों को थाने ले जाकर बंद कर दिया गया। इस घटना को लेकर सर्व समाज में रोष व्याप्त है। बताया जा रहा है कि, कार्यक्रम में काले झंडे दिखाकर विधायक गावड़िया का विरोध कर रहे लोगों से मौजूद कार्यकर्ताओं ने मारपीट शुरु कर दी थोड़ी देर बाद परबतसर थानाधिकारी नन्दलाल रिणवा भी पुलिस जाप्ते के साथ पहुंच गए व विरोध कर रहे लोगों को परबतसर थाने ले गए। विरोध करने वाली महिलाओं व पुरूषों ने बताया कि, "राणासर हत्याकांड के वक्त छह दिनों तक धरना चला था पर स्थानीय विधायक रामनिवास गावड़िया एक बार भी नहीं आए थे, इसको लेकर ही हम लोग विधायक के बिदियाद आगमन का विरोध कर रहे हैं।" कुछ समय बाद विधायक रामनिवास गावड़िया का काफिला बिदियाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा। उस दौरान भी वहां महिलाओं व पुरूषों ने विरोध किया। विरोध के दौरान ही रुकमा देवी, पत्नी तिलोक राम को विधायक समर्थकों के साथ हुई धक्का-मुक्की में चोट लग गई, जिसको पहले परबतसर ले जाया गया, जहां से अजमेर रैफर कर दिया गया। पुलिस ने विरोध कर रही 5 महिलाओं व 4 पुरुषों को गिरफ्तार कर थाने ले गई।

वायु सेना को आज मिलेगा नया झण्डा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (वार्ता)। वायु सेना को उसके 91 वें स्थापना दिवस पर रविवार को नया ध्वज मिलेगा। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी स्थापना दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित समारोह में नये वायु सेना ध्वज का अनावरण करेंगे। इसके साथ ही यह दिन वायु सेना के इतिहास में ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हो जायेगा।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि नया वायु सेना ध्वज भारतीय वायु सेना के मूल्यों को बेहतर ढंग से प्रकट करने के लिए बनाया गया है। इसके लिए ध्वज के ऊपरी दाएं कोने में 'फ्लाई साइड' की ओर वायु सेना क्रेस्ट को शामिल किया जा रहा है। इस क्रेस्ट में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ और उसके नीचे देवनागरी में 'सत्यमेव जयते' लिखा है। नीचे एक हिमालयी ईगल है जिसके पंख फैले हुए हैं, जो भारतीय वायुसेना के रणकौशल को दर्शाता है।

गगनयान में तीन यात्री जायेंगे, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बनायेगा भारत

इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो की इस बड़ी योजना का खुलासा किया

चेन्नई, 7 अक्टूबर। चंद्रयान-3 मिशन के साथ चंद्रमा पर छाप छोड़ने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अब अपना पहला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी पहले से ही अपने मंगल और शुक्र मिशन पर काम कर रही है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो की इस बड़ी योजना का खुलासा किया है। इसरो अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी अंतरिक्ष स्टेशन के प्रक्षेपण और लंबे समय के लिए मानव अंतरिक्ष उड़ान जैसे मिशनों के लिए विभिन्न संभावनाएं तलाश रही है। सोमनाथ ने कहा, "चंद्रमा मिशन की सफलता के बाद हम सभी संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "हम देख रहे हैं कि अंतरिक्ष स्टेशन भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए कैसे फायदेमंद बन सकता है, इस पहलू पर हम चर्चा कर रहे हैं।"

23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद इसरो ने लैग्रैन्जियन प्वाइंट 1 (या एल1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित करने के लिए अपना पहला सौर मिशन आदित्य एल-1 भी लॉन्च किया। यह पृथ्वी से सूर्य की दिशा में 15 लाख किमी पर स्थित है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी अपने गगनयान मिशन पर भी काम कर रही है, जिसका उद्देश्य मानव के रहने योग्य अंतरिक्ष कैप्सूल विकसित करना है। तीन सदस्यीय दल को योजनाबद्ध तरीके से तीन दिनों के लिए अंतरिक्ष में ले जाएगा।

70 प्रतिशत बजारे के मिक्स आटे पर शून्य जी.एस.टी.

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (वार्ता)। माल एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) परिषद ने सरकार के मिलेट (मोटे अनाज) को बढ़ावा देने के तहत 70 प्रतिशत बाजरे के आटे के मिश्रण को खुले बेचने पर शून्य जी.एस.टी. तथा डिब्बाबंद कर बेचने पर पांच प्रतिशत जी.एस.टी. लगाये जाने का निर्णय लिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आज यहां हुयी परिषद की 52वीं बैठक में ये निर्णय लिये गये। बैठक के बाद सीतारमण ने संवाददाताओं से कहा कि गन्ना किसानों के हित में तथा पशु आहार के निर्माण की लागत को कम करने के उद्देश्य से मॉलिसिस पर जी.एस.टी. 28 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

जयपुर, नागपुर सहित 10 शहर रियल एस्टेट ग्रोथ में टॉप पर रहेंगे

- कॉन्फिडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) व अन्य संगठनों की ओर जारी रिपोर्ट के अनुसार टियर टू शहर भारत की विकास की कहानी को जल्द ही नई गति देंगे।

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (वार्ता)। रियल एस्टेट की अगली विकास यात्रा को गति देने के लिए रियल एस्टेट डवलपमेंट, संगठित रिटेल पहुंच और परिपक्व रिहायशी बाजार में मजबूत लेन-देन के आधार पर भारत के 17 शहरों की पहचान की गयी जिसमें से भुवनेश्वर, कोयंबटूर, इंदौर, जयपुर, कोच्चि, लखनऊ, नागपुर, सूरत, तिरुवनंतपुरम, विशाखापत्तनम को 10 उभरते शहरों के रूप में पहचाना गया है, जिनमें निकट भविष्य में विकास की सबसे अधिक संभावना है।

कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने मिस्त्र में 21वें नैटकॉन के दौरान अपने नॉलेज पार्टनर कुशमैन एंड वेकफील्ड के साथ इंडिया के नेक्स्ट 10 इमर्जिंग मार्केट्स: इंजन्स फॉर फ्यूचर ग्रोथ ऑफ कमर्शियल रियल एस्टेट रिपोर्ट को जारी किया है जिसमें यह बात कही गयी है। दिल्ली एन.सी.आर., मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद प्रमुख 8 रियल एस्टेट बाजार बने हुए हैं। रिपोर्ट का अनुमान है कि ये 10 टियर- 2 शहर जल्द ही भारत की विकास की कहानी को और अधिक गति देने वाले साबित होंगे। शहरों का चयन जनसंख्या, बुनियादी ढांचा, प्रतिभा पूल, आय, रहने में आसानी और किफायती आवास उपलब्धता से जुड़े संकेतकों के आधार पर किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरीकरण टियर-एक शहरों में मौजूदा बुनियादी ढांचे पर दबाव डाल रहा है क्योंकि वे गुणवत्ता वाले स्थानों की बढ़ती मांग को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। देश में शहरीकरण की रफ्तार तेज हो रही है। 2013 में शहरीकरण दर 32 प्रतिशत थी जो 2023 में बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई है और यह उन बाजारों की ओर ध्यान केंद्रित कर रहा है जिनमें रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए अगला आशाजनक ठिकाना बनने की क्षमता है।

'ना तो चीन से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को चीन या चीन के किसी भी अधिकारी से न तो धन मिला है और ना ही कोई निर्देश मिला है। न्यूज़ क्लिक ने कहा कि उसने ना तो कोई अवैध कार्य किया है ना ही हिंसा फैलाने की कोशिश की है। उसने कहा कि न्यूज़ क्लिक को देश की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है और उसे यकीन है कि वह निर्दोष साबित होगा। न्यूज़ क्लिक का सारा कवरेज ऑनलाइन उपलब्ध है इससे स्पष्ट है कि न्यूज़ क्लिक का दावा सही है।

न्यूज़ क्लिक ने कहा कि एफ.आई.आर. में जो आरोप लगाए गए हैं, वे ई.डी., आयकर विभाग, आर्थिक अपराध शाखा द्वारा कई बार लगाए जा चुके हैं। पर इनमें से किसी ने भी कभी कोई चार्जशीट नहीं दी।

पोर्टल ने कहा कि, इन जांचों में पुरकायस्थ को अंतरिम सुरक्षा प्राप्त थी और नवीनतम एफ.आई.आर. उसे दरकिनार करने के लिए की गई है। ताकि यू.ए.पी.ए. के तहत उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। स्पेशल जज पटियाला हाउस के निर्देश पर एफ.आई.आर. की कापी दी गई। एफ.आई.आर. में जिन लोगों के नाम हैं उनसे दिल्ली पुलिस सोमवार को पूछताछ करेगी। इसमें कई वरिष्ठ पत्रकार शामिल हैं। विशेषज्ञों की राय है कि राजनीति से प्रेरित मामलों में दोषियों के खिलाफ तैयार चार्जशीट अदालत में टिक नहीं पाती है।

भाजपा और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देने के लिए किया जाता रहा है। तथापि, हाल के समय में इन प्रतिस्पर्धाओं ने अत्यधिक नकारात्मक व भद्दा रुप ले लिया है, जिनमें राजनीतिक प्रतिद्वंदियों पर व्यक्तिगत हमले बहुत आम हो गए हैं।

मार्च में आम आदमी पार्टी ने प्रधानमंत्री को लक्ष्य करते हुए पूरे भारत में ग्यारह भाषाओं में एक पोस्टर अभियान जारी किया। उसी महीने, देश की राजधानी में, "मोदी हटाओ देश बचाओ" नारों वाले पोस्टर दीवारों और बिजली के खंभों पर चिपकाए गए, जिसके बाद छः लोगों की गिरफ्तारी हुई तथा 49 एफ.आई.आर. दर्ज हुईं। प्रतिकार स्वरुप भाजपा ने भी पोस्टर लगाए जिन पर लिखा था, "केजरीवाल हटाओ, दिल्ली बचाओ।" आप ने भी यह प्रश्न पूछते हुए मोदी के पोस्टर लगाए कि, "क्या भारत के प्रधानमंत्री को शिक्षित होना चाहिए।"

आंध्र और तेलंगाना में कर्नाटक के शिव कुमार की भारी मांग

आक्रामक राजनीति के लिए विख्यात शिव कुमार के आने से इन राज्यों के विरोधी दलों की नींद हराम है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पार्टी के लिए आक्रामक चुनावी राजनीति के लिए पहली पसंद हैं, विशेषकर जब सामना प्रतिद्वंदी भाजपा से हो, जो मुख्य नेताओं और कार्यकर्ताओं को तोड़ने के प्रयास में रहती है। डी.के. शिवकुमार ही ऑपरेशन हस्त के पीछे मुख्य शक्ति थे, जिसके तहत कर्नाटक में विरोधी जनता दल (एस.) और भाजपा के प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं को तोड़कर अपनी ओर मिलाया गया। इससे कोई विधायक, पूर्व विधायक और जिलाधिकारी मिले जिनमें से कुछ नए हैं और कुछ लौटकर कांग्रेस में आए है।

तेलंगाना, जहां चुनाव होने वाले हैं, में भी शिवकुमार ऐसे ही दांव खेल रहे हैं और वहां एक महीने तक डेरा डालकर पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी करवाएंगे। कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस को आरामदायक जीत दिलाने के बाद पार्टी में उनका कद बढ़ गया है और उसी समय तेलंगाना में पार्टी का काम संभालने को कह दिया गया था।

यह अकारण नहीं है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाय.एस. जगन मोहन रेड्डी की बहन वाय.एस. शर्मिला शिवकुमार के संपर्क में हैं और हाल ही में बंगलौर में उनसे मुलाकात की है। वे अपनी पार्टी का विलय तेलंगाना में कांग्रेस में करवाना चाहती हैं या खुद कांग्रेस में शामिल होना चाहती हैं। वह हाल ही में नई दिल्ली में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी मिलीं।

हैदराबाद से कांग्रेस के सूत्रों ने संकेत दिया है कि शिवकुमार लंबे समय तक हैदराबाद में रहेंगे और उन्होंने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रैवंत रेड्डी से आवास की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। शिवकुमार तेलंगाना इकाई को अपनी सलाह और समझ से चुनाव प्रबंध की रणनीति तैयार करवाएंगे। हैदराबाद में शिवकुमार की मौजूदगी से उनकी पार्टी के लोग उत्साहित हैं लेकिन उनके प्रतिद्वंदी चिंतित हैं। एक समय वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों के निशाने पर थे और कुछ समय दिल्ली की जेल में बिताने के बाद जमानत पर बाहर आए थे। उस समय अफवाहें थीं कि उन्हें कांग्रेस छोड़ने की सलाह दी गई थी, लेकिन उन्होंने अपनी दृढ़शक्ति से ही अपनी कानूनी और चुनावी लड़ाई लड़ने का फैसला किया।

कर्नाटक चुनाव में क्या हुआ यह सब जानते हैं। रणनीतिकार होने के अलावा शिवकुमार का आंकलन और पूर्वानुमान यथार्थपरक था। उन्होंने 224 सीट वाली विधानसभा में 136 सीटें जीतने का अनुमान लगाया था और कांग्रेस 135 सीटें जीती।

चुनाव घोषित होने और चुनाव आयोग द्वारा अधिसूचना जारी करने के बाद शिवकुमार के हैदराबाद पहुंचने की संभावना है। कुछ चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों में तेलंगाना में कांग्रेस का पुनरुत्थान और जीतने तक की भविष्यवाणियां की गई हैं। इसका संकेत यह है कि बी.आर.एस. और भाजपा से नेता टूटकर कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं।

- शिव कुमार चुनाव घोषणा के बाद हैदराबाद पहुंचेंगे और लम्बे समय तक वहां रहेंगे। तेलंगाना के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रैवंत रेड्डी से शिव कुमार के रहने का प्रबंध करने को कहा गया है।
- कर्नाटक चुनावों में बतौर रणनीतिकार शिव कुमार बेहद सफल रहे। उनकी भविष्यवाणी थी कि, कांग्रेस 224 में से 136 सीटें जीतेगी और कांग्रेस ने 135 सीटें जीतीं।
- अब शिव कुमार ने कर्नाटक में "ऑपरेशन हस्त" शुरू कर भाजपा व जद (एस) में खलबली मचा दी है

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908